तापमान
अधिकतम 32.8 डिग्री
न्यूनतम 24.8 डिग्री

हरिभूमि
रायपुर भूमि
रायपुर, शुक्रवार 1 अगस्त 2025

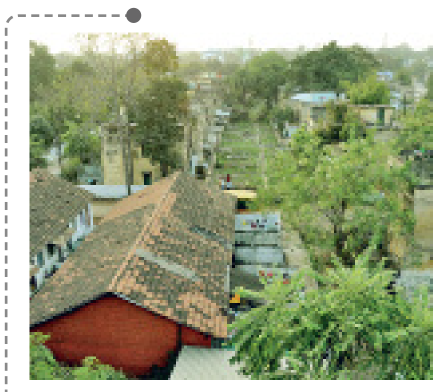

शांति नगर और बीटीआई में व्यावसायिक-आवासीय कॉम्प्लेक्स खर्च होंगे 1500 करोड़, बन रही डीपीआर, जल्द होगा टेंडर

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

राजधानी रायपुर में शांति नगर और बीटीआई मैदान के समीप आवासीय और व्यावसायिक परिसर बनाने की योजना रंग ला रही है। उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार इन दोनों परियोजनाओं के लिए डीपीआर (डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट) बनाने का काम चल रहा है। इसके साथ ही जल्द ही योजना के संबंध में टेंडर जारी किए जाएंगे। खास बात ये है कि ये दोनों परियोजनाएं पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय बनाई गई थीं, लेकिन पिछली सरकार इस पर कोई खास क्रियान्वयन नहीं कर पाई। इधर मौजूदा राज्य सरकार ने इस संबंध में कैबिनेट में निर्णय लिया और इस पर तेजी से अमल हो रहा है।

- शहर के व्यवस्थित विकास के साथ सरकार को राजस्व भी मिलेगा
- पीपीपी मॉडल पर होगा योजना का क्रियान्वयन

शांति नगर योजना 27 एकड़ क्षेत्र में

शांति नगर में जहां आवासीय और व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स बनाया जाना है वह पूरा क्षेत्र 27 एकड़ रकबे में है। यहां बरसों पहले से सिंचाई विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों के लिए आवासीय कालोनी बनाई थी। यह मकान काफी पुराने होकर जर्जर हो गए थे। पिछली कांग्रेस सरकार ने जब यहां व्यावसायिक और आवासीय परिसर बनाने की योजना बनाई ▸▸ शेष पेज 13 पर

साय सरकार में पहल हुई तेज

राज्य की मौजूदा भाजपा सरकार ने इन योजनाओं के क्रियान्वयन में गंभीरता दिखाई है। सबसे पहले इस संबंध में कैबिनेट में मंजूरी दी गई। इसके बाद से इसके काम में काफी तेजी आई है। बताया गया है कि इस योजना का क्रियान्वयन पीपीपी माडल से किया जाएगा। अनुमान है कि इसमें 1200 से 1500 करोड़ रुपए खर्च हो सकते हैं। योजना के क्रियान्वयन की गंभीरता का अंदाजा इस ▸▸ शेष पेज 13 पर

व्यवस्थित विकास राजस्व भी मिलेगा

सूत्रों के अनुसार इस योजना को लेकर सरकार का फोकस व्यवस्थित विकास करने का है। दरअसल शांति नगर और बीटीआई के पास की जो जमीन इस काम के लिए उपलब्ध है वह जल संसाधन विभाग के अधिकार वाली है। इस जमीन का हस्तांतरण आसानी होगा। शांति नगर में पहले ही 27 एकड़ रकबा खाली है। अब सरकार की कोशिश है कि ▸▸ शेष पेज 13 पर

2011 से संचालित
शंकराचार्य
स्वामी स्वरूपानंद कॉलेज ऑफ नर्सिंग, जुनवानी, भिलाई
B.Sc. NURSING
&
M.Sc. NURSING
प्रवेश के लिए संपर्क करें
मो.: 83193 47482
81030 45003
Website : ssscn.ac.in

जोन 10 में देवपुरी, डूमरतराई, लालपुर, डूंडा, बोरियाखुर्द में 20 अवैध निर्माणकर्ता को निगम का तीसरा नोटिस

शहर के आउटर में अवैध निर्माण, 40 को तीन दफा नोटिस, अब तोड़फोड़

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

राजधानी से लगे आउटर के वार्डो में सरकारी और कृषि जमीन पर अवैध निर्माण तथा अवैध प्लाटिंग को लेकर शिकायतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। निगम से बिना अनुमति और बिना मार्ग संरचना के अवैध निर्माण बिना डायवर्सन कराये अवैध प्लाटिंग को लेकर जोन 9 और जोन 10 के नगर निवेश विभाग ने 40 लोगों को निर्माण रोकने और अवैध प्लाटिंग से कब्जा हटाने अब तक 3 नोटिस जारी कर दिया है। नियम अनुसार 15 दिन की समय सीमा में अवैध निर्माण नहीं हटाने पर नगर निगम तोड़फोड़ की कार्रवाई के लिए स्पॉट पर उतरेगा। इनमें जोन 10 के बाबू जगजीवन राम वार्ड स्थित देवपुरी, डूमरतराई, लालपुर इलाका शामिल है, जहां दर्जनभर से ज्यादा शिकायतें मिली हैं। इसी तररह कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड के डूंडा, बोरियाखुर्द में अवैध प्लाटिंग की शिकायत पर जोन 10 कमिश्नरी ने नोटिस दिया है।

दो माह पहले हीरापुर-जरवाय में 60 एकड़ अवैध प्लाटिंग पर हुई थी बड़ी कार्रवाई : नगर निगम जोन 8 क्षेत्र स्थित वीर सावरकर वार्ड के हीरापुर जरवाय में जून में वाशु लाजिस्टिक पार्क के नाम पर करीब 60 एकड़ भूमि पर अवैध प्लाटिंग की ▸▸ शेष पेज 13 पर

जोन 9 क्षेत्र के जोरा, मोवा, दलदलसिवनी दयानगर सड्डू, लभांडी में अवैध निर्माण की दर्जनभर शिकायत

डेढ़ दर्जन से ज्यादा अवैध प्लाटिंग तीन अवैध निर्माण निशाने पर

नगर निगम जोन 10 कमिश्नरी को शहर से लगे देवपुरी, डूमतराई, लालपुर और बोरियाखुर्द क्षेत्र में कृषि और निजी भूमि पर अवैध प्लाटिंग की 12 से अधिक शिकायतें मिली हैं। जोन कमिश्नर विवेकानंद दुबे ने बताया कि अवैध प्लाटिंग की शिकायत पर जोन से हमने नियम अनुसार 3 नोटिस संबंधित निर्माणकर्ता को दे रखा है। कोर्ट के आदेश अनुसार संबंधित पक्ष को 15 दिन सुनवाई का मौका दिया गया है। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर तोड़फोड़ के लिए अभियान चलाया जाएगा। इसी तरह डूंडा क्षेत्र में कुछ अवैध निर्माण ऐसे हैं, जिन्हें नोटिस देने के बाद भी नियम विपरीत निर्माण नहीं हटाया गया। उस पर जल्द कार्रवाई की जायेगी।

- जोन 8 के सोनडोंगरी, रायपुरा, हीरापुर-जरवाय, सरोना में अवैध प्लाटिंग की मिल रही शिकायतें

भाठागांव में डेढ़ एकड़ निजी भूमि पर अवैध प्लाटिंग, रोक लगाई

- यूनि होम्स आनंद विहार के पास अवैध प्लाटिंग की शिकायत

नगर निगम जोन 5 अंतर्गत भाठागांव में यूनि होम्स आनंद विहार के पास डेढ़ एकड़ निजी भूमि पर की जा रही अवैध प्लाटिंग पर निगम ने रोक लगाई। स्थल पर किये गये अवैध मुरुम रोड को जेसीबी मशीन से काटकर आवागमन बाधित कर अवैध प्लाटिंग रोक लगाई। जोन 5 नगर निवेश विभाग ने अज्ञात व्यक्तियों द्वारा करीबन डेढ़ एकड़ निजी भूमि पर की जा रही अवैध प्लाटिंग से संबंधित भूमि क्षेत्र के वास्तविक भूमि स्वामी की जानकारी रायपुर तहसीलदार से मांगी है। इसके बाद कानूनी कार्यवाही संबंधित अवैध प्लाटिंगकर्ता नागरिक पर की जायेगी।

वीर सावकर वार्ड में अवैध प्लाटिंग पर रोक

नगर निगम जोन 8 अमले ने वीर सावरकर वार्ड में अवैध प्लाटिंग के खिलाफ अभियान चलाकर बिना कालोनी विकास अनुज्ञा लिए अवैध प्लाटिंग करने वालों के स्थल पर जेसीबी की सहायता से स्थल पर किये गये डीपीसी निर्माण और मुरुम रोड को काटने की कार्रवाई कर अवैध प्लाटिंग पर रोक लगायी। जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल के नेतृत्व में कार्यपालन अभियंता पद्माकर श्रीवास, नगर निवेश विभाग के उप अभियंता लोचन पटेल की उपस्थिति में यह अभियान चलाया।

अंबुजा मॉल के सामने ढहाया 600 वर्गफीट का अवैध निर्माण

नगर निगम जोन 9 के नगर निवेश की टीम ने अंबुजा मॉल के सामने अनुमति के विपरीत करीब 600 वर्गफीट के अतिरिक्त निर्माण को ढहा दिया। संबंधित निर्माणकर्ता को 3 बार नोटिस देने के बाद अभियान चलाकर स्थल पर तोड़ने तत्परता दिखायी गयी। फ्रंट एओएस में निर्मित कॉलम एवं जाली को इस दौरान तोड़ा गया। निगम आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर जोन 9 कमिश्नर संतोष पांडे, कार्यपालन अभियंता अंशुल शर्मा सीनियर, सहायक अभियंता सैयद जोहेब, उप अभियंता अतुल बंसल की मौजूदगी में नगर निगम जोन 9 नगर निवेश विभाग की टीम ने अभियान चलाकर अवैध निर्माण ढहाया।

पापुनि घोटाले में 14 साल बाद कोर्ट में 2000 पन्नों का चालान पेश

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम में डेढ़ दशक पूर्व वर्ष 2009-10 में नियमों तथा निविदा शर्तों का उल्लंघन कर पुस्तक छपाई कराकर साढ़े 3 करोड़ 62 लाख रुपए के घोटाले में ईओडब्लू, एसीबी ने गुरुवार को स्पेशल कोर्ट में चालान पेश किया। इसमें पाठ्य पुस्तक निगम तथा प्रकाशन से जुड़े चार लोग नामजद हैं। उनके खिलाफ कोर्ट में दो हजार पन्नों से ज्यादा का चालन पेश किया गया है।

प्रकरण में आरोपी बनाए गए तत्कालीन प्रबंध संचालक के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति मिलने के बाद उसके खिलाफ अलग से पूरक चालान पेश किया जाएगा। इनके खिलाफ ईओडब्लू तथा एसीबी में आईपीसी की धारा 420, 120-बी एवं भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13 (1) डी 13 (2) के तहत अपराध दर्ज है। ईओडब्लू ने पाठ्य पुस्तक निगम के तत्कालीन महाप्रबंधक, उप महाप्रबंधक, मुद्रक, तकनीशियन मुद्रक तथा प्रकाशक के खिलाफ चालान पेश किया है। अभियोजन स्वीकृति मिलने के बाद तत्कालीन प्रबंध संचालक के खिलाफ भी पूरक चालान पेश किया जाएगा। आरोप है कि वर्ष 2009-10 ▸▸ शेष पेज 13 पर

दो करोड़ से कम की राशि का भुगतान

कोर्ट में ईओडब्लू ने जो चालान पेश किया है, उसके मुताबिक मुद्रकों को डाई कटिंग सहित भुगतान करना बताया गया है, जबकि डाई कटिंग की राशि छोड़कर कुल एक करोड़ 83 लाख 95 हजार 440 रुपए भुगतान किया जाना था। पाठ्य पुस्तक निगम के अधिकारियों द्वारा 4 करोड़ 3 लाख 9 हजार 200 रुपए मुद्रकों को अधिक भुगतान किया गया। इस राशि में से पांच प्रतिशत सर्विस टैक्स तथा दो प्रतिशत टीडीएस काटकर शेष राशि पाठ्य पुस्तक निगम के अधिकारी ने घोटाला कर अपने पास रख लिए।

खबर संक्षेप

पांच पुलिसकर्मी हुए सेवानिवृत्त, दी विदाई

रायपुर। पुलिस विभाग में 30 से 35 साल सेवा देने के बाद सेवानिवृत्त होने वाले एसआई, एएसआई, हेड कांस्टेबल सहित पांच आरक्षकों को एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने गुरुवार को विदाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विदाई समारोह में पुलिसकर्मियों के परिजन भी विशेष रूप से उपस्थित थे। जिन सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को विदाई दी गई, उनमें एसआई वीरेंद्रधर दीवान, एएसआई बृजराज सिंह, भगवान यादव शामिल हैं।

टास्क पूरा करने का झांसा सवा पांच लाख की ठगी

रायपुर। खमतराई थाने में कलिंगा यूनिवर्सिटी में कैरियर एंड कॉर्पोरेट रिसोर्स सेटर के डिप्टी मैनेजर ने अज्ञात जालसाजों के खिलाफ वर्क फ्रॉम होम तथा टास्क पूरा करने का झांसा देकर सवा पांच लाख रुपए ठगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। शिव नगर भनपुरी निवासी जयश्री वर्मा ने ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। जयश्री ने पुलिस को बताया कि उसने टेलीग्राम पर वर्क फ्रॉम होम का एड देख संपर्क किया। संपर्क करने पर जालसाज ने जयश्री को अपने ग्रुप में एड कर लिया और टॉस्क पूरा करने का झांसा देकर किश्तों में रकम निवेश कराकर ठगी की। जयश्री को झांसे में लेने के लिए जालसाजों ने 10 हजार रुपए तक कमीशन भी दिया।

रेस्टारेंट सील, कलेक्टोरेट को मिली शिकायत पर एक्शन

रायपुर। जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह को बुधवार रात्रि तेलीबांधा मुख्य मार्ग पर दुकानदारों द्वारा कचरा सड़क पर फेंकने की शिकायत मिली, उन्होंने इस पर तत्काल संज्ञान लेकर निगम आयुक्त विश्वदीप को जांच कर कार्रवाई करने निर्देश दिये। इस पर निगम मुख्यालय के स्वास्थ्य और नगर निवेश उड़नदस्ता टीम ने तेलीबांधा मुख्य मार्ग पर ला तंदूरी रेस्टारेंट का औचक निरीक्षण किया। रेस्टारेंट संचालक द्वारा मुख्य मार्ग पर कचरा डाला जाना और वहां मुक्कड़ बना दिये जाने और सड़क पर गंदगी फैलाने की शिकायत सही मिली। निगम अधिकारियों की मांग पर रेस्टारेंट संचालक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाया। इस पर ठोस अपशिष्ट नियम का पालन नहीं करने पर रेस्टोरेट को सील कर दिया गया।

घोषणा के 2 महीने बाद 3 से चलेगी जबलपुर-रायपुर इंटरसिटी, ट्रेन में होंगे 15 कोच, सफर में लगेंगे 8 घंटे

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

जबलपुर से रायपुर तक 3 अगस्त को पहली इंटरसिटी ट्रेन चलेगी। ये इंटर सिटी रोजाना जबलपुर से सुबह 6 बजे रवाना होगी और करीब 8 घंटे के सफर के बाद दोपहर 1:50 बजे रायपुर स्टेशन पहुंचेगी। लंबे समय से इस रूट पर नई ट्रेन चलने का इंतजार था। बता दें कि पहले इस ट्रेन को मदन महल स्टेशन से चलाने की योजना थी, लेकिन अब अंततः जबलपुर मुख्य स्टेशन से शुरू होगी। रेलवे ने इस संबंध में आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। जबलपुर मंडल ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। जबलपुर से चलकर इंटरसिटी सुबह 6.10 पर मदन महल पहुंचेगी। मदन महल से 6.12 बजे रवाना होकर बालाघाट और गोंदिया होते हुए रायपुर आएगी।

- पहले ट्रेन को मदन महल स्टेशन से चलाने की योजना थी, अब जबलपुर मुख्य स्टेशन से शुरू होगी

रायपुर स्टेशन में सिर्फ वाटर फिलिंग और सफाई का काम होगा

रक्षाबंधन से पहले नई ट्रेन के चलने से यात्रियों को काफी राहत मिलेगी। मदन महल-रायपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस में यात्रियों की सुविधा के लिए एक एसी चेयर कार, 4 आरक्षित सेकेंड क्लास कोच, 8 सेकेंड सिंपल जनरल कोच, 1 एसएलआर, और 1 जनरेटर कोच सहित कुल 15 एलएचबी कोच होंगे। रायपुर रेलवे स्टेशन पर वाशिंग लाइन की सुविधा नहीं है। मंडल से चलने वाली गाड़ियों की धुलाई और मरम्मत दुर्ग में होती है। जबलपुर-रायपुर के बीच चलने वाली नई ट्रेन रायपुर की सेकेंड्री ट्रेन होगी। रायपुर स्टेशन में सिर्फ वाटर फिलिंग और सफाई का काम होगा। इसकी मरम्मत और धुलाई जबलपुर में होगी।

अभी सिर्फ एकमात्र ट्रेन इसलिए वेटिंग अधिक

रायपुर से जबलपुर के बीच वर्तमान में एकमात्र ट्रेन अमरकंटक एक्सप्रेस चलती है। 9 अगस्त को रक्षाबंधन त्योहार है। इस वजह से अमरकंटक एक्सप्रेस में टिकटों की भारी मारामारी चल रही है। स्लीपर कोच में रक्षाबंधन से एक दिन पहले 8 अगस्त को नो-रूम है और 17 अगस्त तक वेटिंग चल रही है। वहीं एसी थ्री टायर 12 अगस्त तक औसतन 50 के करीब वेटिंग चल रही है। नई इंटरसिटी ट्रेन के चलने से यह दबाव कम होने और यात्रियों को आसानी से टिकट मिल पाने की उम्मीद है।

चिकित्सा शिक्षा विभाग ने भेजा लोक सेवा आयोग को खत

पीएससी करेगा मेडिकल कॉलेजों में 125 सहायक प्राध्यापकों की भर्ती

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

प्रदेश के शासकीय मेडिकल कॉलेज में सहायक प्राध्यापकों के रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया जल्द ही प्रारंभ होगी। इन रिक्त पदों पर भर्ती छग लोक सेवा आयोग के माध्यम से होगी। चिकित्सा शिक्षा विभाग ने इस संदर्भ में पीएससी को खत लिखा है। प्रदेश के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में सहायक प्राध्यापकों के 125 पद रिक्त हैं। चिकित्सा शिक्षा विभाग ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग को पत्र प्रेषित कर इन पदों की पूर्ति के लिए औपचारिक मांग भेजी गई है। विभाग के मुताबिक, यह मांग विभागीय स्वीकृति के अनुरूप तैयार की गई है, जिससे भर्ती प्रक्रिया को शीघ्र एवं पारदर्शी ढंग से पूर्ण किया जा सके।

- नियुक्ति के बाद स्थिति में सुधार की उम्मीद

प्रभावित हो रही है पढ़ाई

सहायक प्राध्यापकों की कमी के कारण छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इससे मेडिकल चिकित्सा की गुणवत्ता और शोध कार्य पर भी असर पड़ा है। जूडो सहित अन्य चिकित्सा छात्र समय-समय पर प्राध्यापकों की मांग करते रहे हैं। अब इनकी नियुक्ति के बाद स्थिति में सुधार की उम्मीद शासकीय महाविद्यालय प्रबंधन और मेडिकल छात्रों को है। पीएससी द्वारा इन पदों पर सीधी भर्ती की जाएगी। इसके लिए विस्तृत शेड्यूल और विज्ञापन पृथक रूप से लोक सेवा आयोग द्वारा जारी किया जाएगा।

मछली के डिब्बों में पैक कर रहे थे नकली पनीर, फैक्ट्री में दबिश

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

राजधानी रायपुर में एक बाद फिर नकली पनीर पकड़ा गया है। भाठागांव स्थित फैक्ट्री में यह नकली पनीर पकड़ा गया है। फैक्ट्री मुरैना के हुकुमचंद बंसल और उसके बेटे अंकुर बंसल द्वारा संचालित की जा रही थी, जो पहले भी रायपुर में नकली पनीर बनाते दो बार पकड़े जा चुके हैं। इसके पूर्व संचालकों ने कुशालपुर में पनीर फैक्ट्री डाली थी। शिकायत मिलने पर खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा कुछ माह पूर्व दबिश देकर फैक्ट्री को बंद कराया गया था। कुशालपुर फैक्ट्री बंद होने के बाद भाठागांव में फैक्ट्री खोल ली और वहां से नकली पनीर का कारोबार करने लगे। लोगों की शिकायत पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने नकली पनीर की फैक्ट्री में दबिश दी। मछली के व्यापार में इस्तेमाल होने वाले थर्माकोल के डिब्बे को सेकंड हैंड खरीदकर उसमें ही पनीर को पैक किया जा रहा था। इसी डिब्बे में फैक्ट्री से अन्य स्थानों पर पनीर सप्लाई हो रही थी।

- पहले भी नकली पनीर बनाते पकड़े जा चुके हैं आरोपी
- कुशालपुर की फैक्ट्री सील हुई तो भाठागांव में बनाया ठिकाना

तेल व दूध पाउडर का इस्तेमाल

नकली पनीर बनाने के लिए तेल व दूध पाउडर का इस्तेमाल किया जा रहा था। सस्ते तेल और मिल्क पाउडर को मिलाकर एनालाग बनाया जा रहा था, जिसे पनीर के नाम पर बेचा जा रहा था। रायपुर के होटल, डेयरी और मिठाई दुकानों में इसकी सप्लाई की जा रही थी। फैक्ट्री में बड़ी मात्रा में गंदा पानी और बर्फ में रखा हुआ लगभग सात सौ किलो पनीर बरामद किया गया। इतनी ही मात्रा में मिल्क पाउडर, तेल के टिन और एसिड के डिब्बे बरामद किए गए हैं। फैक्ट्री में मिले सभी कर्मचारी मुरैना के हैं। चौंकाने वाली बात है कि दस दिन पहले भी महिला अधिकारी ने बंसल की फैक्ट्री में जांच की थी। इसमें भारी गंदगी मिली थी, इसके बावजूद फैक्ट्री संचालित थी। इस कारण भी शिकायतकर्ता खाद्य विभाग की कार्रवाई पर सवाल खड़े करते नजर आए।

धर्मांतरण के आरोप में देर रात बवाल, प्रार्थना सभा की आड़ में लोगों को एकत्रित कर झांसे में लेने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

गुढ़ियारी थाना क्षेत्र के मुर्रा भट्ठी के एक मकान में आयोजित प्रार्थना सभा को लेकर बजरंगदल के कार्यकर्ताओं ने धर्म विशेष पर धर्मांतरण करने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बजरंगदल के कार्यकर्ताओं को शांत कराया और प्रार्थना सभा आयोजित करने वाले पांच लोगों को हिरासत में लिया, तब जाकर मामला शांत हुआ।

पुलिस को जो जानकारी मिली है उसके मुताबिक भुनेश्वर यादव जिसने धर्म परिवर्तन कर क्रिश्चियन धर्म को अपना लिया है, उसने अपने दो मंजिला ▸▸ शेष पेज 13 पर

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

प्रदेश में युक्तियुक्तकरण के मामले में 800 से अधिक शिक्षकों ने दिया अभ्यावेदन

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

छत्तीसगढ़ में शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए प्रदेश के 800 से अधिक शिक्षकों ने विभाग द्वारा जिला, संभाग और प्रदेश स्तर पर बनाई गई कमेटी को अभ्यावेदन दिया है। उनका कहना है कि शिक्षा विभाग में जिला एवं संभाग स्तर पर युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया के तहत शिक्षकों को नियम का ध्यान नहीं रखते हुए विभाग ने शिक्षकों को अतिशेष मानते हुए मनमाने ढंग से अन्य शाला में भेज दिया गया। सभी जिलों में ऐसे मामलों को लेकर सुनवाई की जा रही है। सुनवाई से असंतुष्ट शिक्षक आगे अपील कर सकते हैं।

पूरे प्रदेश में 13709 शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण हुआ। छत्तीसगढ़ में पोस्टिंग लिस्ट जारी हुई। विभाग का दावा है कि युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया पूरी कर ली है। शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण से उन्हें उन स्कूलों में भेजा जाएगा जहां उनकी वास्तव में आवश्यकता है, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा। यह कदम उन स्कूलों में छात्र-शिक्षक अनुपात को बेहतर बनाने में मदद करेगा, जहां शिक्षकों की कमी है, जिससे छात्रों को बेहतर शिक्षा मिल पाएगी। युक्तियुक्तकरण में विवाद का मुख्य कारण यह है कि शिक्षकों को सुदूर और दुर्गम क्षेत्रों में स्थानांतरित किया जा रहा है, जिससे उन्हें और उनके परिवारों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बताया गया है कि युक्तियुक्तकरण के पहले ही शिक्षकों से सहमति पत्र भरवा लिया गया था।

नए सत्र से राजधानी में 1422 की जगह 1033 शासकीय शाला, एक ही कैंपस में लग रहे 385 विद्यालय मर्ज

छिपाई गई जानकारी

बताया गया है कि काउंसिलिंग के समय उन्हें जिले में रिक्त पदों की स्थिति को दिखाने के बजाय हिन्दी माध्यम वाले शिक्षकों को अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों का विकल्प दिया गया। शिक्षकों का कहना था कि ब्लॉक स्तर के शहर से लगे गांवों के स्कूलों की सूची को संभाग स्तर में डाल दिया गया। डीईओ के स्तर पर की गई गड़बड़ी में एक शिक्षक को केवल पांच विकल्प दिए गए। रिक्त पदों की पूरी जानकारी नहीं दी गई।

शिक्षकों को सुनवाई का अवसर

असंतुष्ट शिक्षकों को उनकी पदस्थापना को लेकर सुनवाई का मौका दिया गया है। जिला, संभाग और राज्य स्तर पर अभ्यावेदन देने वाले शिक्षकों को मौका दिया गया है। यहां पर सुनवाई के बाद कई शिक्षकों को राहत मिली। जिन लोगों को राहत नहीं मिली, वे आगे संभाग स्तर पर अपील कर सकते हैं। राज्य स्तर पर अंतिम सुनवाई के बाद शिक्षक उच्च न्यायालय जाएंगे।

यह पाई गई कमियां

युक्तियुक्तकरण में शिक्षकों की वरिष्ठता को ध्यान नहीं रखा, न ही गम्भीर बीमारी, दिव्यांग शिक्षक को राहत नहीं दी गई। ऐसी विभिन्न समस्याओं के साथ-साथ प्रधान पाठकों को भी प्रशासनिक पद से उतार कर शिक्षक एवं विषय शिक्षक के रूप में शाला में गिन कर प्रधान पाठक पद समाप्त कर दिया गया। जिससे शाला में शिक्षक की संख्या को अतिरिक्त बताकर अतिशेष बनाकर विकास खण्ड और जिला से बाहर भेज दिया गया। ऐसी विडम्बना से पीड़ित शिक्षकों के समूह द्वारा एक साथ, शालाओं एवं शिक्षकों का युक्तियुक्तकरणा निर्देश को चुनौती दी गई है।

खबर संक्षेप

सेवानिवृत्त डॉ. शर्मा को कलेक्टर ने किया सम्मानित

रायपुर। जिला प्रशासन रायपुर में सहायक परियोजना अधिकारी पद पर कार्यरत रहे डॉ. चुन्नीलाल शर्मा 31 जुलाई को अपनी 39 वर्षों की दीर्घ और समर्पित सेवा के पश्चात सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने उन्हें शॉल और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। सम्मान समारोह में नगर निगम आयुक्त विश्वदीप, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुमार बिश्वरंजन, अपर कलेक्टर नम्रता जैन, डीईओ हिमांशु भारती सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

किसानों से जबरिया फसल बीमा, धनेंद्र का आरोप

रायपुर। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व मंत्री धनेंद्र साहू ने आरोप लगाया है कि किसानों से जबरिया फसल बीमा करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस सरकार के समय

यह बीमा ऐच्छिक रखा गया था, लेकिन अब जबरन बीमा करवाया जा रहा है। एक बयान में श्री साहू ने कहा है कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को किसानों के हित के लिए लाया गया था, ताकि प्राकृतिक आपदाओं से फसल क्षति होने पर उन्हें आर्थिक सुरक्षा मिल सके, लेकिन वास्तविकता यह है कि इस योजना से सबसे ज्यादा नुकसान खुद किसानों को होता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना पहले किसानों के लिए अनिवार्य था, लेकिन कांग्रेस के आंदोलन करने के बाद इसे किसानों के लिए ऐच्छिक कर दिया गया। इसके तहत किसानों की मर्जी पर निर्भर था कि वे फसल बीमा करें या न करे।

50 प्रतिशत किसानों को भी डीएपी मांग के अनुसार नहीं किया वितरण

सोसाइटियों में कम मात्रा में पहुंचा डीएपी स्टॉक मांग के अनुसार किसानों को नहीं मिल रहा

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

राजधानी रायपुर के सभी ब्लॉक की शासकीय सोसाइटियों में डीएपी की आपूर्ति कर दी गई है, लेकिन इसके बाद भी किसानों को फसल लगाने के अनुसार डीएपी मिल नहीं पा रहा है। इसका कारण सोसाइटियों में खपत के अनुसार कम मात्रा में डीएपी का स्टॉक भेजना बताया जा रहा है। स्टॉक की कमी के कारण सोसाइटी प्रबंधक भी किसानों को उनकी मांग के अनुसार कम डीएपी का वितरण कर रहे हैं। हरिभूमि ने गुरुवार को कई किसानों से डीएपी को लेकर बातचीत की। इस दौरान किसानों ने बताया कि सोसाइटियों में 50 प्रतिशत किसानों को भी डीएपी मांग के अनुसार वितरण नहीं किया है, जिसके कारण किसानों को बाजार से अधिक मूल्य देकर डीएपी खरीदना पड़ रहा है।

केस 1

26 एकड़ के लिए दो बार में 20 बोरी ही मिला

ग्राम सारखी अभनपुर निवासी किसान मनोज साहू ने बताया कि उसका 26 एकड़ खेत है, जिसमें वह फसल उत्पादन कर रहा है। सोसाइटी से उसे अभी तक दो बार में 20 बोरी डीएपी ही मिल पाया है। इसके लिए भी उसे सोसाइटी प्रबंधक से विवाद करना पड़ा। उनहोंने बताया कि एक एकड़ फसल के लिए कम से कम डेढ़ बोरी डीएपी की जरूरत होती है, लेकिन सोसाइटी में स्टॉक नहीं होने से एकड़ एक बोरी के अनुसार भी डीएपी दिया नहीं जा रहा है। उन्होंने बताया कि उनके गांव तथा लगा गांव कोलर में हर बार 3 हजार बोरी डीएपी की जरूरत किसानों को पड़ती है। इसके एवज में अब तक मात्र 12 सौ डीएपी सोसायटी से वितरण हुआ है।

केस 2

5 हजार की जगह 2 हजार ही बंट पाया डीएपी

तामासिवनी निवासी किसान हरीश साहू ने बताया कि उसके गांव में संचालित सोसायटी के अंतर्गत तीन गांव तामासिवनी, डोमा एवं मोखेतरा आता है। इन तीनों गांव में मिलाकर हर बार 5 से 6 हजार डीएपी की आवश्यकता किसानों को होती है। इसके एवज में सोसाइटी में अभी तक तीन बार में दो हजार डीएपी ही आया है, जिसका वितरण किसानों को किया है। हरीश ने बताया कि उसके 9 एकड़ खेत है। इसके लिए उसे दो बार में 15 बोरी डीएपी मिला है, लेकिन दूसरे कई किसानों को एक एकड़ एक बोरी के अनुसार भी डीएपी नहीं मिल पाया है।

केस 3

विवाद करने पर 16 एकड़ के लिए दो बार में 15 बोरी मिला

ग्राम खपरी निवासी किसान महेंद्र कुमार साहू ने बताया कि उसके 16 एकड़ खेत है। इसके लिए उसे ग्राम भलेरा सोसायटी से पहले मात्र 10 बोरी डीएपी मिला था। 5 दिन पहले ही दोबारा स्टॉक आने पर उसे 5 और बोरी प्रबंधक से विवाद करने के बाद मिला। एकड़ के अनुसार कम डीएपी मिलने के कारण उसे बाजार से अधिक कीमत पर खरीदना पड़ा। उन्होंने बताया कि स्टॉक कम होने के कारण प्रबंधक प्रति एकड़ एक बोरी के अनुसार भी डीएपी नहीं दे रहा है।

अधिकारी सोसाइटियों में पर्याप्त मात्रा में डीएपी उपलब्ध होने का कर रहे दावा

इधर विभागीय अधिकारी सोसाइटियों में पर्याप्त मात्रा में यूरिया और डीएपी होने का दावा कर रहे हैं, जबकि हकीकत में किसानों को ज्यादा मूल्य देकर बाजार से डीएपी खरीदना पड़ रहा है।

अभनपुर ब्लॉक की सोसाइटियों में डीएपी की भारी किल्लत

अभनपुर ब्लॉक की सोसाइटियों में डीएपी की भारी किल्लत बनी हुई है। इस क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य यशवंत साहू डीएपी को लेकर किसानों की परेशानी को देखते हुए सामान्य सभा की बैठक में भी जोरशोर से मुद्दा उठा चुके हैं। उन्होंने बैठक में जानकारी दी कि किसानों को मजबूरी में बाजार से अधिक मूल्य देकर डीएपी खरीदना पड़ रहा है। उन्होंने सदन के माध्यम से मांग की है कि सोसाइटियों में पर्याप्त मात्रा में डीएपी उपलब्ध कराया जाए, ताकि किसानों को कम मूल्य पर मिल सके।

संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत अंतिम चरण पर समितियों का गठन

सभी प्रभारियों ने बैठक लेकर समिति गठन के संबंध में की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के संगठन सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के सभी ब्लॉक और मंडल में अध्यक्ष नियुक्त करने की प्रक्रिया तेज हो गई है। पीसीसी द्वारा 31 जुलाई तक समितियों का गठन पूरा करने का टारगेट दिया गया था। सभी जिला इकाइयों ने इसे पूरा करने सभी प्रभारियों को अपने क्षेत्र की बैठक लेकर रिपोर्ट देने कहा था। जिलों की पूरी रिपोर्ट एक-दो दिन में आने की संभावना है।

बताया गया है कि प्रदेश कांग्रेस को राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सितंबर तक संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत मंडल जिला से मंडल स्तर पर अध्यक्ष के नामों का ऐलान करने कहा था। पीसीसी ने सभी जिलों के लिए प्रभारियों की नियुक्ति की थी। प्रभारी वहां के कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व अध्यक्ष, विधायक, पूर्व विधायक, सांसद, पूर्व सांसद, वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं से संपर्क कर अध्यक्ष के लिए नाम तय करने कहा गया है। इन नामों को एआईसीसी का भेजा जाएगा। एआईसीसी द्वारा सूची को अंतिम रूप दिया जाएगा। संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत प्रदेश कार्यकारिणी में भी कुछ नई नियुक्ति हो सकती है।

गुजरात फार्मूले पर नियुक्ति

संगठन सृजन कार्यक्रम के दिशानिर्देशों में प्रत्येक मंडल में 50 प्रतिशत संगठन पद अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, एवं महिला जो 50 वर्ष से कम उम्र के हो सक्रिय सदस्यों के गठन समयबद्ध तरीके से पूरा करने का आह्वान किया।

समर्पित कार्यकर्ताओं की नियुक्ति पर जोर

बिरगांव ब्लॉक में संगठन को सशक्त करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। रायपुर ग्रामीण विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी पंकज शर्मा की उपस्थित में बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता पीसीसी से नियुक्त बिरगांव ब्लाक कांग्रेस प्रभारी राजेन्द्र बंजारे ने की। बैठक में पंकज शर्मा ने कहा, संयुक्त रूप से संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत मंडल स्तर पर नेतृत्व को सुदृढ़ करने और समर्पित कार्यकर्ताओं की नियुक्ति पर जोर दिया। मंडल अध्यक्षों का चयन संगठन की जमीनी स्तर पर पहुंच को बढ़ाने और आगामी चुनावों की तैयारियों के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को गांव-गांव, टोले-टोले तक पहुंचकर कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का निर्देश दिया।

बृजमोहन बोले- देश के टॉप-4 विद्युत उत्पादक राज्यों में छत्तीसगढ़ भी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

रायपुर के बृजमोहन अग्रवाल ने लोकसभा में जानकारी दी कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में छत्तीसगढ़ ने 1.7 लाख मिलियन यूनिट (एमयू) से अधिक बिजली का उत्पादन कर देश की कुल 16.93 लाख एमयू विद्युत आवश्यकता में उल्लेखनीय योगदान दिया है। इस प्रदर्शन के साथ छत्तीसगढ़ देश के शीर्ष चार विद्युत उत्पादक राज्यों में शामिल हो गया है।

लोकसभा में श्री अग्रवाल ने देश में विद्युत आवश्यकता एवं उत्पादन की वर्तमान स्थिति, परमाणु ऊर्जा की उत्पादन क्षमता और देश में संचालित सभी परमाणु रिएक्टरों की सूची सहित विस्तृत जानकारी मांगी थी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी जानना चाहा कि परमाणु ऊर्जा क्षेत्र

■ रायपुर के सांसद ने दी लोकसभा में जानकारी

को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार द्वारा कौन-कौन से ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। श्री अग्रवाल के प्रश्नों के उत्तर में केंद्रीय ऊर्जा एवं नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपाद नाईक ने बताया कि भारत में वर्तमान में 8,780 मेगावाट की परमाणु ऊर्जा उत्पादन क्षमता स्थापित है (राजस्थान की 100 मेगावाट क्षमता को छोड़कर जो शटडाउन में है)। सरकार ने वर्ष 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा उत्पादन क्षमता प्राप्त करने का लक्ष्य रखा है, जिसके लिए परमाणु ऊर्जा अधिनियम और नागरिक दायित्व अधिनियम में आवश्यक संशोधन किए जा रहे हैं। लघु मॉड्यूल रिएक्टरों और उन्नत तकनीकों पर अनुसंधान एवं विकास को प्रोत्साहित करने की दिशा में कार्य शुरू हो चुका है। वर्ष 2024-25 के दौरान देश में ऊर्जा घाटा और अधिकतम ऊर्जा घाटा लगभग शून्य रहा है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि देश की विद्युत आपूर्ति मजबूत स्थिति में है। परमाणु ऊर्जा एक स्वच्छ, 24x7 उपलब्ध आधार स्रोत है जो ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में भी नगण्य योगदान देता है। यह भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बनने जा रहा है।

जिलास्तरीय परामर्शदात्री समिति की हुई बैठक

रायपुर। कलेक्टर गौरव सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को रेडक्रास भवन में रायपुर जिले की 193वीं जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति (डी.एल.सी.सी.) एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति (डी.एल.आर.सी.) की बैठक हुई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ कुमार विश्वरंजन, मुख्यकार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, भारतीय रिजर्व बैंक से सत्येंद्र राठौर, नाबार्ड से पंकज येवले जिला अग्रणी प्रबंधक मोहम्मद मोफिज एवं जिले के वाणिज्यिक बैंको,निजी बैंको, ग्रामीण बैंको,सहकारी बैंको, और विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में वित्तीय समावेशन, कृषि ऋण, एमएसएमई, मुद्रा योजना किसान क्रेडिट कार्ड, स्वसहायता समुहों को वित्तीय सहायता आदि से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई। राष्ट्रीय स्तर पर चल रहें पूर्ण कवरेज शिविर (सैचुरेशन कैंप) को मद्देनजर रखते हुए उन्होंने प्रदर्शन पर नाराजगी व्यक्त की और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सभी बैंको निर्देशित किया।

भाजपा के हजार से 20 हजार तक सदस्य बनाने वालों का कल सीएम करेंगे सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

भाजपा के सदस्यता अभियान में एक हजार से 20 हजार तक सदस्य बनाने वाले कार्यकर्ताओं का भाजपा का प्रदेश संगठन शनिवार को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के हाथों सम्मान करवाएगा। इसी के साथ सभी को मुख्यमंत्री के साथ भोज का भी अवसर मिलेगा। नया रायपुर में मुख्यमंत्री निवास में होने वाले इस आयोजन में प्रदेश के सभी मंत्रियों, विधायकों और सांसदों को भी आमंत्रित किया गया है। बीते साल प्रदेश संगठन ने प्रदेश में 60 लाख सदस्य बनाकर इतिहास रचने का काम किया है। प्रदेश संगठन ने कार्यकर्ताओं को तीन हजार सदस्य बनाने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ भोजन करने का मौका देने के साथ सम्मान भी करने का ऐलान किया था। सदस्यता अभियान समाप्त होने के सात माह अब जाकर कार्यकर्ताओं का इंतजार समाप्त हुआ है।

कई सांसद-विधायक लक्ष्य से चूके

भाजपा के राष्ट्रीय संगठन ने जब देशभर में बीते साल सितंबर से दिसंबर तक सदस्यता चलाया तो अभियान के लिए सांसदों के लिए जहां 20-20 हजार सदस्य बनाने का लक्ष्य तय किया गया, वहीं विधायकों के लिए दस-दस हजार सदस्य बनाने का लक्ष्य तय किया। प्रदेश के मुख्यमंत्री

विष्णुदेव साय के साथ सभी मंत्रियों और ज्यादातर विधायकों ने अपना लक्ष्य प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की। कुछ विधायक अपना लक्ष्य प्राप्त ही नहीं कर सके। इसी तरह से सांसदों में आधा दर्जन से ज्यादा सांसद अपना लक्ष्य प्राप्त नहीं सके। ये सांसद तो आधे लक्ष्य तक भी नहीं पहुंचे सके। एक सांसद तो पांच सौ सदस्य भी नहीं बना सके थे।

कार्यकर्ताओं ने किया कमाल

जहां एक तरफ कई सांसद और विधायक लक्ष्य प्राप्त करने में सफल नहीं रहे, वहीं थोक में कार्यकर्ताओं ने तीन हजार सदस्य बनाने का काम आसानी से किया। इसी के साथ कई कार्यकर्ताओं ने दस हजार और इससे ज्यादा भी सदस्य बनाने का काम किया है। अब इन सभी कार्यकर्ताओं का सम्मान होगा और मुख्यमंत्री के साथ भोजन करने का मौका भी मिलेगा।

किसको कौन सा सम्मान

जिला स्तर पर सौ सदस्य बनाने वाले सदस्यों को शतकवीर सम्मान, 500 सदस्य बनाने वालों को शक्ति सम्मान और हजार सदस्य बनाने वालों को दीप सम्मान दिया जाएगा। इसी तरह से राज्य स्तर पर तीन हजार से ज्यादा सदस्य बनाने वालों को सदस्यता श्री सम्मान, पांच हजार से ज्यादा सदस्य बनाने वालों को सदस्यता गौरव सम्मान, 10 हजार से ज्यादा सदस्य बनाने वालों को सदस्यता रत्न और 20 हजार सदस्य बनाने वालों को सदस्यता भूषण सम्मान दिया जाएगा।

आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकारा श्रीमति पुष्पा ठाकुर पति श्री हरि सिंह ठाकुर एवं पक्षकार श्री पूर्णेन्द्र सिंह पिता श्री हरि सिंह ठाकुर दोनो निवासी संत रविदास वार्ड नम्बर 70, सरोना, यूनियन बैंक के पास, पोस्ट टाटीबंध, तहसील व जिला रायपुर के हक, आधिपत्य एवं कब्जे भूमि जो कि वाके मौजा सरोना, नगर पालिका निगम रायपुर, संत रविदास वार्ड क्र. 70 जोन क्रमांक 08, तहसिल व जिला रायपुर छ.ग. में भूमिमय मकान स्थित है। श्रीमति पुष्पा ठाकुर की सम्पत्ति आईडी क्र RPR870G00123, RPR870G00126 एवं श्री पूर्णेन्द्र सिंह की सम्पत्ति आईडी क्र RPR870G00125, उपरोक्त भूमियों व मकानो का स्वामित्व एवं आधिपत्य तथा कब्जेधारी है। जिस पर बरसो से मकान बनाकर तथा शेष खाली भूमि में शांति, पूर्ण दाखिल व काबिज चले आ रहे है, किंतु जगतनारायण सिंह ठाकुर एवं देवेन्द्र सिंह ठाकुर द्वारा उपरोक्त भूमि के कुछ भागो पर जबरदस्ती कब्जा किया जा रहा है, जो कि विधि विरूद्ध है। जिसके संबंध है आप अनावेदक गणो को अर्थात जगत जगतनारायण सिंह ठाकुर एवं देवेन्द्र सिंह ठाकुर को पूर्व मे भी मेरे द्वारा विधिक नोटिस प्रेषित किया जा चुका है। जिसे जगतनारायण सिंह ठाकुर एवं देवेन्द्र सिंह ठाकुर द्वारा लेने से इंकार किये जाने की स्थिति मे रिटर्न मेमो के साथ वापस हो गया। ऐसी स्थिति मे आप दोनो व्यक्ति जगतनारायण सिंह ठाकुर एवं देवेन्द्र सिंह ठाकुर तथा आम जनता को इस आम सूचना के माध्यम से यह सूचित किया जाता है कि उपरोक्त उल्लेखित सम्पत्ति आईडी क्रमांक RPR870G00123, RPR870G00126, RPR870G00125 की भूमियाँ मेरे पक्षकार गणों की है तथा उपरोक्त भूमियों में किसी भी प्रकार का दखल या कब्जा, तोड़-फोड़ या किसी प्रकार से नवनिर्माण करने का प्रयास न करे अन्यथा मेरे पक्षकार गण विधि अनुसार कानूनी कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र एवं सक्षम होंगे।

जारी दिनांक 31-07-2025 सूचनार्थ प्रकाशित

भवदीय
टी.आर.साहू अधिवक्ता रायपुर छत्तीसगढ़

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार श्रीमती अहिल्या डाहरे पति - श्री सुरेश कुमार डाहरे निवासी- हाउस नं- बी-264, उज्जवन नगर, सीपात पांधी, बिलासपुर छ.ग. के द्वारा विक्रेता श्रीमती पूर्णिमा गोस्वामी पति - श्री चम्पेश्वर गोस्वामी निवासी- निषाद पारा, महादेवघाट, नर्सरी के पास, रायपुरा, रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ. ग. द्वारा अपने हक स्वामित्व व आधिपत्य भूमि जो वाके मौजा - रायपुरा, प.ह.नं- 00057, रा.नि.मं - रायपुर - 1 - रायपुरा, तहसील व जिला - रायपुर छ.ग. में स्थित भूमि पर निर्मित मकान जिसका खसरा नंबर 507/28 रकबा 0.0050 हे., याने 560 वर्गफुट भूमि को क्रय करने का पक्का सौदा कर बयाना अग्रिम राशि विक्रेता को अदा कर दिये है। बैनामा पंजीयन शेष है।

इस आम सूचना प्रकाशन के 07 दिवस पश्चात मेरे पक्षकार अपने नाम या अपने द्वारा नामित व्यक्ति के नाम बैनामा पंजीयन करायेगें।

उक्त संव्यहार पर किसी शासकीय, अर्द्धशासकीय, वित्तिय संस्थान, व्यक्ति अथवा व्यक्तियों के समूह को कोई दावा उजर आपत्ति हो तो मय दस्तावेज, अपने लिखित दावा उजर आपत्ति समयावधि के भीतर अधोलिखित कार्यालयीन पते पर प्रेषित करे बाद मियाद अवधि ली गई दावा उजर आपत्ति मेरे पक्षकारों पर बंधनकारी ना होकर अवैध व शून्य होवेगी।

सो सूचना जाने।

रायपुर छ.ग.
दिनांक 29.07.2025

भवदीय
श्री कुणाल फरिकार (अधिवक्ता)
श्रीराम मंदिर के पास, कंकाली पारा रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)
मो. 98266-74118

//आम सूचना//

(ग्राम मुनगेसर प.ह.नं. 00004 रा.नि.मं. चंदखुरी तह. मंदिर हसौद जिला रायपुर (छ.ग.) स्थित भूमि खसरा क्रमांक 173 / 2 के संबंध में)

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार अनिल कृष्णानी पिता स्व. जगदीश कृष्णानी निवासी डी / 156 सेक्टर-5 देवेन्द्र नगर रायपुर तह. व जिला रायपुर (छ.ग.) द्वारा विक्रेता श्रीमती रेख सिंह ठाकुर पति श्री दिनेश सिंह ठाकुर निवासी अंजान चौक ग्राम मुनगी चंदखुरी जिला रायपुर (छ.ग.) की भूमि जो ग्राम मुनगेसर प.ह.नं. 00004 रा.नि.मं. चंदखुरी तह. मंदिर हसौद जिला रायपुर (छ.ग.) मे स्थित है जिसका खसरा क्रमांक 173/2 रकबा 0.2390 हेक्टे. भूमि के रूप मे उपलब्ध है, जिसे क्रय करने का पक्का सौदा मेरे पक्षकार द्वारा तय कर लिया है तथा विक्रय विलेख निष्पादन व पंजीयन की कार्यवाही मात्र शेष व लंबित है।

अतः उपरोक्त समव्यवहार से जिस किसी भी व्यक्ति, कंपनी, संस्था, बैंक, साहूकार, वित्तिय संस्था आदि को कोई हक दावा अथवा आपत्ति आदि होवे तो इस आम सूचना प्रकाशन से 10 दिवस के भीतर मय सुसंगत दस्तावेज अपनी आपत्ति मेरे समक्ष प्रस्तुत करें तथा मयाद पश्चात प्रस्तुत आपत्ति अमान्य होवेगी तथा मेरे पक्षकार पर किसी भी स्वरूप मे बंधनकारी नही होवेगी।

सो आम सूचना जाने ।

रायपुर (छ.ग.)
दिनांक 31.07.2025

उमाशंकर महिलाने अधिवक्ता,
पता - बार कक्ष क्र. 106, सिविल कोर्ट रायपुर (छ.ग.) मो.नं. 77719-32637

HEALTH TOWN

आयुर्वेद संजीवनी क्लीनिक
सेक्स, नामर्द, नपुंसकता, स्वप्न दोष, शीघ्रपतन, वैवाहिक जीवन की कमजोरी, आयुर्वेदिक दवा द्वारा शर्तिया इलाज, दवा की पहली खुराक से असर शुरू
त्वचा रोग, चर्म रोग, खाज-खुजली का आयुर्वेदिक इलाज | बवासीर, भगंदर का शर्तिया इलाज किया जाता है
डॉ. संजीव नवजीवन गृह निर्माण सहकारी समिति मर्या. गेट, धमतरी रोड, पचपेड़ी नाका, रायपुर 9770705718

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
NMH Nirakar Multispeciality Hospital
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
24/7 Emergency Services
रखें आपके सेहत का ख्याल
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
ओपीडी 50% Off
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

रामकथा
आंख एवम् कान नाक गला अस्पताल
डॉ. संतोष जायसवाल
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
(कान, नाक, गला रोग विशेषज्ञ)
मो. 70891-60782
कान से मवाद एवं परदे में छिद्र का दूरबीन पद्धति द्वारा ऑपरेशन
बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सामने कर्मा धाम मंदिर गली बोरिया रोड संतोषी नगर रायपुर, फोन 0771-4001080

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

4 हजार का शराब जब्त एक आरोपी गिरफ्तार

आरंग। आरंग पुलिस ने 26 जुलाई को मुखबीर सूचना पर ग्राम चपरीद राईस मिल के पास से आरोपी दुर्गेश कुर्रे पिता मालिक कुर्रे उम्र 28 साल ग्राम अमसेना थाना खरोरा जिला रायपुर को एक सफ़ेद रंग के प्लास्टिक बोरी मे बिक्री हेतु ले जा रहे 40 पौवा देसी मदिरा मसाला शराब किमती 4000 रू. बरामद कर जप्त किया गया। आरोपी के विरूद्ध अप.क्र. 420/2025 धारा 34(2) आबकारी एक्ट पंजीबद्ध कर उसे गिरफ्तार कर प्रकरण अजमानतीय होने से न्यायालय पेश कर न्यायिक हिरासत में केन्द्रिय जेल रायपुर रवाना किया गया।

नाग पंचमी पर राय देवता मंदिर में खीर पूरी बांटी

आरंग। आरंग नगर के रायपुर महासमुंद मुख्य मार्ग पर स्थित जन आस्था के केंद्र बिन्दु राय देवता मन्दिर में नाग पंचमी और श्रावणी पर्व की पावन बेला पर बोरिद निवासी यादराम साहू पिंटू द्वारा खीर पुड़ी प्रसाद का वितरण किया गया। जिसमें सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं तथा मुख्य मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों ने भूतभावन भगवान भोलेनाथ की कृपा रूपी प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन में शेखर साहू, विष्णु चंद्राकर, भागवत प्रवक्ता पं छत्रधर दीवान, टुकेश्वर लोधी, पार्षद प्रतिनिधि डॉ तोषण साहू, अरूण साहू, रोहित चंद्राकर, भेखलाल साहू, जितेंद्र वर्मा, हर्षित पार्थ साहू, सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण उपस्थित थे।

3500 की शराब जब्त एक आरोपी गिरफ्तार

अभनपुर। थाना अभनपुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए ग्राम छोटे उरला स्थित डिस्पोजल फैक्ट्री के पास एक युवक को अवैध देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी अजय पाल उम्र 35 वर्ष, निवासी उल्बा के पास से सफेद प्लास्टिक बोरी में रखे 35 पौवा देशी मदिरा मसाला (यूनिक ब्रांड), कुल 6.300 बल्क लीटर कीमती लगभग 3500 रूपये की शराब बरामद की गई। प्रकरण में आरोपी शराब रखने का कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका, जिसके बाद उसके विरुद्ध थाना अभनपुर में धारा 34(2) छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम के तहत अपराध पंबद्ध कर गिरफ्तार किया गया।

निधन

रामाधार बंजारे

अभनपुर। क्षेत्र के प्रमुख समाजसेवक रामाधार बंजारे ग्राम छछानपैरी निवासी का 31 जुलाई को स्वर्गवास हो गया उनका अंतिम संस्कार गांव के स्थानीय मुक्तिधाम मे किया गया जिसमे अभनपुर क्षेत्र के बड़ी संख्या मे लोग सम्मिलित होकर श्रद्धाजंली अर्पित किया।

सरपंच हीरामन के प्रयास से लखौली में बंद गौठान का हुआ शुभारंभ

नारा क्षेत्र की 25 ग्राम पंचायतों के किसानों ने बैठक के बाद लिया गया निर्णय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

बीते माह नारा क्षेत्र की 25 ग्राम पंचायतों के किसानों ने एक बैठक आयोजित कर गांव-गांव में वर्षों से बंद पड़ी गौठानों को पुनः संचालित करने की एकजुट मांग की थी।

इस निर्णय को बल देने हेतु किसानों ने एस.डी.एम. आरंग को ज्ञापन सौंपते हुए सरकार तक अपनी आवाज पहुंचाई, परंतु अफसोस की बात है कि शासन-प्रशासन ने अब तक इस अहम मांग पर कोई ठोस पहल नहीं की। लेकिन, लखौली ग्राम पंचायत की सरपंच हिरामन साहू ने इस अनदेखी को चुपचाप सहने की बजाय अपने आत्मबल और जनसहयोग से मिसाल पेश की।

मिसाल पेश की

गांव के लोगों ने सामूहिक रूप से गौठान में पूजन कर पशु सेवा का आदर्श प्रस्तुत किया। सरपंच हिरामन साहू का यह कदम न केवल लखौली के लिए, बल्कि पूरे आरंग क्षेत्र की अन्य पंचायतों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनता जा रहा है। यह उदाहरण दर्शाता है कि यदि जनप्रतिनिधि इच्छाशक्ति दिखाएं तो बिना सरकारी सहयोग के भी जनहित में बड़ी पहल संभव है। इस प्रकार लखौली गांव ने दिखा दिया कि जब शासन नहीं सुनता, तब जागरूक नागरिक और नेतृत्व मिलकर समाधान खुद गढ़ सकते हैं।

उन्होंने गौठान की उपेक्षा को नजरअंदाज कर स्वयं गौठान संचालन की कमान संभाली। गांव में फसल की चराई से हो रही हानि और आवारा पशुओं की समस्या को ध्यान में रखते हुए उन्होंने गौठान को फिर से जीवंत किया। वर्तमान में लखौली गौठान में 50 से अधिक लावारिस मवेशियों को रखा गया है, जिनके लिए पानी, पैरा-कुट्टी, छांव और चारा की समुचित व्यवस्था की गई है। सरपंच साहू ने गांव के हर वार्ड से रोजाना दो लोगों की ड्यूटी लगाई, ताकि पशुओं की देखरेख में कोई कमी न रह जाए।छत्तीसगढ़ के प्रथम त्यौहार हरेली पर गांव के किसानों द्वारा अपने पालतू पशुओं की पूजा और उन्हें आटे की लोंदी खिलाने की परंपरा इस बार गौठान में भी निभाई गई।

जयंती : संत तुलसीदास की जयंती पर हुए विविध कार्यक्रम

रामचरितमानस में तुलसीदास ने भक्ति ज्ञान व वैराग्य की अलौकिक कथा कही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मठपुरैना वाटर फिल्टर प्लांट परिसर में स्थित सर्व सिद्ध हनुमान मंदिर में सावन मास मासिक श्रीरामचरितमानस का अखंड जारी है। मंदिर विकास समिति ने गुरुवार को संत गोस्वामी दास की जयंती पर शानदार आयोजन किया। इस अवसर पर तुलसीदास की पूजा-अर्चना करके सुंदरकांड का सस्वर पाठ किया गया। कार्यक्रम में मंदिर समिति के अध्यक्ष मोहनलाल साहू और सोमनाथ ने तुलसीदास पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मानस में भक्ति, ज्ञान और वैराग्य की अलौकिक कथा कही है। जिसके अध्ययन मात्र से जीवन में सुख-समृद्धि आती है और सद्भभावना का जीवन में विकास होता है। बोरिया कला निवासी दीनदयाल साहू ने कहा कि रामचरितमानस की पक्तियां के वाचन, श्रवण से जीवन निर्मल होता है। भांतियां मिटती है और जीवन में एक नई सुबह की शुरुआत होती है, जिसका समाज में सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। पं. घनश्यामदास वैष्णव, राजकुमार धीवर और किशोर साहू ने कहा कि गोस्वामी जी ने कठोर साधना करके मानव कल्याण के लिए रामचरित मानस की रचना लोककल्याण की भावना से की है ताकि मानव जीवन शांति सुखमय हो सके। सुशील सोनी ने कहा कि मानस को पढ़ने ने मात्र से जीवन रोमांचित होता है। सकारात्मक ऊर्जा स्वमेव प्रकट होने लगती है। रामचंद्र पटेल ने कहा कि तुलसी दास के प्रमाणिक 13 ग्रंथों में हनुमान चालासी और मानस सर्वाधिक लोकप्रिय है। उन्होंन कवितावली, गीतावली और बरवै रामायण में भी भगवान श्रीराम के विभिन्न प्रसंगों की चर्चा की वेद वेदान्त के रहस्य को प्रगट किया है।

संत शिरोमणि तुलसीदास एवं मुशी प्रेमचन्द की जयंती मनाई

तिल्दा नेवरा। छत्तीसगढ़ पेंशनधारी कल्याण संघ तहसील शाखा तिल्दा द्वारा कर्मचारी भवन तिल्दा में तुलसीदास एवं प्रेमचन्द जयन्ती का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि के रूप में रायपुर से पधारे कवि एवं योग गुरु मूलचंद शर्मा ने कहा कि रामचरित मानस की रचना करके संत शिरोमणि बाबा तुलसीदास जी ने घर-घर श्रीराम को पहुंचाकर सनातन धर्म के उत्थान के लिए मील का पत्थर साबित हुआ।छत्तीसगढ़ पेंशनधारी कल्याण संघ तहसील शाखा तिल्दा के महासचिव अभिमन्यु वर्मा ने बताया कि इस अवसर पर कवि एवं साहित्यकार गोपाल वर्मा ने तुलसी एवं प्रेमचंद साहित्य पर विस्तार से चर्चा करते हुए अपनी सुमधुर रचना प्रस्तुत करके खूब वाहवाही बटोरी।जवाहरलाल सिरमौर,आर. एल. वर्मा, डाक्टर आर. के. वर्मा,एस. के. पाण्डेय, रघुनंदन लाल शांडिल्य, रामचंद्र वर्मा,सुरेश कुमार शर्मा ने तुलसी काव्य पर अपनी बात रखी।

संत तुलसीदास की जयंती पर गुल्लू शाला समिति ने किया पौधारोपण

आरंग। जिला शिक्षा अधिकारी रायपुर के निर्देशानुसार प्रभारी प्राचार्य माणिक लाल मिश्रा के मार्गदर्शन में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गुल्लू में शाला प्रबंधन विकास समिति के अध्यक्ष अशोक कुमार यादव की अध्यक्षता में संत शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास जी के जयंती पर कार्यक्रम आयोजित कर जयंती मनाई गई व शासन के मंशानुरूप एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत शाला परिसर में विभिन्न प्रजाति के सौ से अधिक पेड़ो का रोपण कर सुरक्षा की शपथ दिलाई गई। विशिष्ट अतिथि के रूप में शाला प्रबंधन विकास समिति के विधायक प्रतिनिधी रेवाराम साहू उपस्थित थे। अतिथियों ने सर्वप्रथम मां सरस्वती व गोस्वामी तुलसीदास जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। ततपश्चात शाला परिवार की ओर से सभी अतिथियों का तिलक चंदन व एक-एक पेड़ भेंटकर सम्मान किया गया। प्राचार्य माणिक लाल मिश्रा ने अपने स्वागत भाषण में सभी अभिनंदन करते हुए संत तुलसीदास जी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। वहीं प्रबंधन विकास समिति के अध्यक्ष अशोक कुमार यादव ने अपने उद्बबोधन में जीवन मे पेड़ो की महत्ता बताते हुए सभी को अधिक से अधिक पेड़ लगाने व उनकी सुरक्षा करने का आह्वान किया।

परसकोल लाखों की लगत से बनी टंकी फिर भी गांव में है जलसंकट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

- दो साल से उद्‌घाटन की बांट जोह रहे ग्रामीणों में आक्रोश

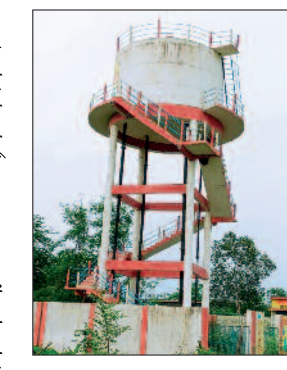

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की /"हर घर जल - हर घर नल/" योजना को ग्रामीण क्षेत्रों में सफलतापूर्वक लागू करने के उद्देश्य से परसकोल गांव में करीब दो वर्ष पूर्व लाखों की लागत से पानी टंकी का निर्माण पूर्ण कर लिया गया था। लेकिन यह पानी टंकी आज भी उद्‌घाटन की राह देख रही है। न कोई जल आपूर्ति शुरू हुई है और न ही कोई विभागीय हलचल। इससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है और वे इसे अधिकारियों की जानबूझकर की जा रही अनदेखी बता रहे हैं।परसकोल के सरपंच लक्ष्मी सोहन साहू एवं जनपद सदस्य प्रीतम साहू द्वारा कई बार लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग के अधिकारियों से मिलकर उद्‌घाटन कर पानी आपूर्ति प्रारंभ करने की गुहार लगाई गई, लेकिन अधिकारियों ने सभी अपीलों को दरकिनार कर दिया।

पीएम की हर गर जल हर योजना है बेहाल

इससे यह साफ झलकता है कि विभागीय अधिकारियों का उद्देश्य सरकार की छवि खराब करना और केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना को बदनाम करना है। गांव में गर्मी हो या बरसात, ग्रामीणों को पानी के लिए इधर उधर भटकना पड़ता है। विदित हो कि सरकार की योजना थी कि गांव के हर घर तक नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल पहुँचे। पानी टंकी के निर्माण के बाद भी पानी नहीं मिलना, ग्रामीणों के साथ एक प्रकार की क्रूर मजाक जैसी स्थिति उत्पन्न कर रहा है। इधर सरपंच लक्ष्मी सोहन साहू ने बताया कि उन्होंने कई बार विभागीय अधिकारियों से व्यक्तिगत मिलकर, फोन पर और पत्राचार के माध्यम से टंकी का उद्‌घाटन कर जल आपूर्ति शुरू करने की मांग की, परंतु कोई भी सकारात्मक पहल नहीं हुई। इससे स्पष्ट है कि अधिकारियों की कार्यशैली में लापरवाही ही नहीं बल्कि सरकार की योजनाओं को असफल करने की मंशा भी छिपी है। परसकोल की पानी टंकी न सिर्फ एक निर्माण है, बल्कि मोदी सरकार की प्राथमिकता वाले उन अभियानों का हिस्सा है जो देशभर में ग्रामीण विकास को गति देने के लिए बनाए गए हैं। लेकिन विभागीय अधिकारियों की उदासीनता ने इस योजना को स्थानीय स्तर पर मजाक बना दिया है। इससे न केवल ग्रामीणों की समस्याएं बढ़ी हैं, बल्कि शासन-प्रशासन की साख पर भी सवाल उठने लगे हैं।

पुल-पुलिया एवं स्टाप डेम निर्माण के लिए 150 लाख की मिली मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

आरंग विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष (कैबिनेट दर्जा) गुरु खुशवंत साहेब के सतत जनसंपर्क, जनभागीदारी और क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के प्रति प्रतिबद्ध प्रयासों का प्रतिफल अब धरातल पर परिलक्षित हो रहा है। राज्य सरकार द्वारा आरंग विधानसभा अंतर्गत 150 लाख की लागत से कुल 14 से अधिक विकास कार्यों की स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृत कार्यों में प्रमुख रूप से पुल-पुलिया तथा स्टाप डेम निर्माण शामिल हैं। गुरु साहेब जी ने कहा – ये सभी कार्य हमारे क्षेत्रवासियों की मूलभूत आवश्यकताओं से जुड़े हैं। इन कार्यों से जहां ग्रामीणों को आवागमन में राहत मिलेगी, वहीं वर्षा जल का संरक्षण भी संभव होगा, जो आने वाले समय में खेती-किसानी एवं भूजल स्तर के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा।

आवागमन को सुगम होगा

ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन को सुगम बनाने, बाढ़ व जलभराव की समस्याओं से राहत दिलाने तथा कृषि कार्यों हेतु जल संरक्षण को सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध होंगे। स्वीकृत

कार्यों मे भण्डारपुरी स्टेडियम रोड के पास पुलिया निर्माण 10.00, भण्डारपुरी बरेझा रोड के पास नाला में पुलिया 10.00, अमेठी स्कूल के पास पुलिया निर्माण 10.00, अमेठी आश्रित ग्राम गुदगुदा शीतला मंदिर के पास पुल 8.00, चोरभट्टी बजारी बड़े नाला में स्टाफ डेम कार्य 15.00, चोरभट्टी से संकरी मार्ग पर पुल-पुलिया 7.00, अमसेनामरीखार में पुल-पुलिया निर्माण 10.00,चपरीद परसाही नाला में पुल-पुलिया निर्माण 15.00, घोवभट्टी अमसेना रास्ता में पुल-पुलिया 10.00, घोवभट्टी पिरदा रास्ता में पुल-पुलिया 10.00,पारागांव बड़े सरारी में स्टॉप डेम 15.00, नारा में मनोज जी के घर के पास पुल-पुलिया 10.00, चकवे में धनुष साहू के खेत के पास स्टॉप डेम 10.00, संडी से जरौद नाला के मध्य स्टॉप डेम 10.00 की स्वीकृति हुई है।

विधायक जनदर्शन में अनुज ने समस्याएं सुनी, किया समाधान

सिलयारी। धरसींवा विधानसभा के नगर पंचायत खरोरा स्थित विधायक कार्यलय में विधायक अनुज शर्मा ने जनदर्शन लिया। विधायक ने क्षेत्रवासियों से भेंट कर उनकी समस्याएं सुनी और उसके निराकरण के लिए सम्बंधित विभाग के अधकारियों को निर्देशित किया व खरोरा मण्डल के सभी सरपंचों कि बैठक लिया जिसमें 3 तारीख को होने वाले कवाड़ यात्रा, अवैध शराब, राशन कॉर्ड, स्मार्ट कार्ड, नल जल योजना, आवास योजना व सरकार की योजनाएं के विषय में चर्चा किये। जनदर्शन के दौरान विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि शासकीय योजनाओं के लाभ से लेकर आमजनों की समस्याओं का निराकरण तथा क्षेत्र के विकास हेतु हम सबकी सहभागिता सुनिश्चित हो सके यही हमारा प्रयास है। आप सभी के सुझावों से ही हम समृद्ध धरसींवा के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और आने वाले समय में भी हमारा यह जनदर्शन ,जन चौपाल निरंतर जारी रहेगा।

शिव पार्वती की वेशभूषा में बच्चों ने निकाली कावड़ यात्रा

तिल्दा नेवरा। शासकीय विद्यालय टोहड़ा में श्रवण मास के तीसरे सोमवार को स्कूली बच्चों ने भगवान भोलेनाथ माता पार्वती की सुंदर वेशभूषा में विद्यालय परिसर से गांव के प्रसिद्ध मंदिर /"चार कोरी चौरासी दाई/"में जाकर तोहड़ेश्वर महादेव का दर्शन पूजन व भोलेनाथ का दुग्धाभिषेक,जलाभिषेक किया इस कावड़ यात्रा में बच्चों ने विभिन्न प्रकार के जयघोष/"जय भोलेनाथ/" हर हर महादेव/"श्री शिवाय नमस्तुभय/"एक लोटा जल सारी समस्याओं का हल/" का जयघोष किया। इस कावड़ यात्रा में बच्चो साथ साथ गांव के गणमान्य नागरिक सभी शिक्षक वृंद एवम बच्चे कतारबद्ध होकर अपने अपने घरों से सुंदर कावड़ बनाकर लाए और भगवान का जलाभिषेक किया और मंदिर में पूजा अर्चना के पश्चात लोक कल्याण एवम् लोगों की सुख समृद्धि की कामना की।

पारागांव में महिला की मौत के मामले में पीएम रिपोर्ट के बाद पति गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट से चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में महिला की गला दबाने से मौत की बात समाने आई है। पूरा मामला ग्राम पारागांव का है। दरअसल 12 जून 2025 को महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आरंग पुलिस ने मृतिका के पति को गिरफ्तार किया है। आरंग थाना प्रभारी राजेश सिंह ने बताया कि 12 जून 2025 को ग्राम पारागांव निवासी कुमारी बाई निषाद (उम्र 27 वर्ष) की मौत हो गई थी। उसके पति देवसिंग निषाद ने पुलिस को बताया था कि सुबह करीब 4 बजे उसकी पत्नी सोते हुए मृत अवस्था में पाई गई। पंचनामा के दौरान मृतिका के बाएं कान से खून निकला था और सीना फूला हुआ था। मृतिका कुमारी बाई निषाद के परिजनों ने मौत पर संदेह जताया था। पति देवसिंग निषाद से जब पुलिस ने पूछताछ की तो उसका बयान भी संदेहास्पद था। आरंग पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में महिला की गला दबाने से मौत की बात सामने आई। इसके बाद आरंग पुलिस ने पति देवसिंग को हिरासत में लिया है। बताया जा रहा है कि पति देवसिंग निषाद अपनी पत्नी मृतिका कुमारी बाई निषाद के चरित्र पर शंका करता था और उसके साथ आए दिन मारपीट करता था। उसके बाद पति उसको मायके छोड़ देता था। मायके वाले मृतिका को समझाकर वापस ससुराल छोड़ देते थे। जांच में ये बात भी सामने आई है कि कुछ समय पहले पति द्वारा चरित्र शंका पर प्रताड़ित करने से हताश होकर मृतिका ने कीटनाशक दवा पीकर जान देने की कोशिश की थी। इस दौरान समाज वालों ने मीटिंग करके आपसी समझौता करवाया था। घटना के 10-15 दिन पहले मृतिका कुमारी बाई निषाद अपने दोनों बच्चों के साथ मायके चंपारण आई थी और अपने मां को पति देवसिंग निषाद से जान का खतरा होना बताया था। मायके वालों ने पति देवसिंग निषाद को एक बार फिर समझाया और मृतिका कुमारी बाई निषाद को पुनः उसके ससुराल पारागांव भेज दिया।

बैठक में पूर्व सांसद छाया वर्मा, अध्यक्ष उधो राम और पूर्व विधायक अनीता शामिल हुए

मंडल कमेटियों की गठन प्रक्रिया पर कांग्रेस की बैठक में हुई चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा

छत्तीसगढ़ः प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर धरसींवा में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दुर्गेश वर्मा ने मंडल कमेटियों के गठन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। इस बैठक में प्रदेश और जिला स्तर के कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए, जिन्होंने आगामी संगठनात्मक प्रक्रियाओं पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और धरसींवा प्रभारी प्रमोद तिवारी, पूर्व सांसद श्रीमती छाया वर्मा, जिला कांग्रेस अध्यक्ष उधो राम वर्मा, और पूर्व विधायक श्रीमती अनीता शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित थे। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य मंडल कमेटियों का गठन कर जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करना था।

बैठक में सभी मंडलों के लिए प्रभारियों की नियुक्ति की गई और गठन की पूरी प्रक्रिया पर विस्तृत चर्चा हुई। नेताओं ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठनात्मक मजबूती, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा और एकजुटता पर जोर दिया। इस अवसर पर प्रमोद तिवारी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, मंडल कमेटियों का गठन पार्टी की रीढ़ है। यह हमें सीधे जनता से जोड़ता है। हमें घर-घर जाकर सरकार की नीतियों और हमारे सिद्धांतों को समझाना होगा। आपकी सक्रिय भागीदारी ही पार्टी को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। श्रीमती छाया वर्मा ने कहा, संगठन की मजबूती के बिना कोई भी लड़ाई नहीं जीती जा सकती। हमें एकजुट होकर काम करना होगा। सभी कार्यकर्ताओं को आपसी मतभेद भुलाकर एक टीम की तरह काम करना चाहिए। यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष दुर्गेश वर्मा ने कहा, \\/"यह समय संघर्ष और समर्पण का है। हमें हर बूथ पर अपनी उपस्थिति दर्ज करानी है। मंडल कमेटियों के माध्यम से हम हर कार्यकर्ता को जिम्मेदारी देंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि पार्टी की आवाज हर गांव तक पहुंचे। श्रीमती अनीता शर्मा ने अपने संबोधन में कहा, आज की बैठक सिर्फ एक शुरुआत है। हमें मिलकर काम करते हुए पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाना है। महिला कार्यकर्ताओं को भी इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए, क्योंकि आधी आबादी की भागीदारी के बिना कोई भी आंदोलन सफल नहीं हो सकता।बैठक में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत बनाने और पार्टी के कार्यक्रमों को सफल बनाने का संकल्प लिया।

पेज 11 के शेष...

शांति नगर योजना...

मैदान के पास की जमीन में जहां पुराने शासकीय आवास बने थे, उस जगह पर भी व्यावसायिक और आवासीय परिसर बनाने की योजना है। पूर्व सरकार ने शांति नगर के लिए 1200 करोड़ की योजना बनाई थी। इस योजना के क्रियान्वयन के लिए तीन मंत्रियों की कमेटी बनाई गई थी। योजना का संचालन हाउसिंग बोर्ड के माध्यम से किया जाना था।

साय सरकार में...

के तुरंत बाद योजना के लिए डीपीआर बनाने का काम शुरु हो गया है।सीएस कमेटी के पास जाएगा मामला, जल्द टेंडर भीबताया गया है कि इस योजना के संबंध में डीपीआर बनने के बाद संबंधित प्रस्ताव राज्य के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में बनी हाईपावर कमेटी के पास जाएगा। वहां से अनुमोदन होने के बाद संभावना व्यक्त की जा रही है कि जल्द ही योजना के लिए टेंडर जारी कर दिया जाएगा।

शहर के आउटर में...

जा रही थी। शिकायत मिलने पर निगम और जिला प्रशासन की टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई कर संबंधित क्षेत्र को कब्जा मुक्त कराया। बिना कालोनी विकास अनुज्ञा और नगर निगम की अनुमति के बिना प्लाटिंग की शिकायत पर ही 27 जून 2025 को सोनडोंगरी तालाब की जमीन को पाटकर किये जा रहे अवैध कब्जे को पुलिस बल की मौजूदगी में हटाया गया।

अवैध निर्माण की 15 शिकायतें इन इलाकों में

मोवा स्थित नगर निगम जोन 9 कमिश्नरी के पास अवैध निर्माण संबंधी 15 शिकायतें मिली हैं। ये शिकायतें मोवा, सड्डू, दलदल सिवनी के दयानगर, लभांडी, जोरा और एक शिकायत वीआईपी रोड में अवैध निर्माण को लेकर है। जोन के अधिकारियों के मुताबिक अवैध निर्माण को तोड़ने से पहले जोन की नगर निवेश शाखा की ओर से तीन नोटिस दिया जा चुका है। 15 दिन की समय सीमा में अवैध निर्माण नहीं हटाने पर तोड़फोड़ की जायेगी।

पापुनि घोटाले में...

में कक्षा तीसरी के एमजीएमएल काड्र्स मुद्रण कार्य में नियमों की अनदेखी कर मिंज कंपनी को हिंदी एवं गणित के आठ-आठ हजार के दो सेट 3 करोड़ 82 लाख 89 हजार 600 रुपए तथा मेसर्स छत्तीसगढ़ पैकेजर्स भिलाई को पर्यावरण विषय के आठ हजार सेट के लिए 2 करोड़ 4 लाख 15 हजार 40 कुल 5 करोड़ 87 लाख 4 हजार 640 रुपए भुगतान करना बताया गया।

धर्मांतरण के आरोप में...

मकान के ऊपर एक हॉल का निर्माण कराया है। उसी हॉल निर्माण के उपलक्ष्य में भुनेश्वर ने बुधवार रात अपने परिचित तथा रिश्तेदारों को बुलाकर प्रार्थना सभा का आयोजन किया था। प्रार्थना सभा में शामिल होने आए लोगों के लिए भुनेश्वर ने खाने-पीने की व्यवस्था की थी। इसी दौरान बजरंगदल के कार्यकर्ताओं को प्रार्थना सभा की आड़ में लोगों को झांसे में लेकर धर्म परिवर्तन कराए जाने की जानकारी मिली। इस पर भारी संख्या में बजरंगदल कार्यकर्ता भुनेश्वर के मकान के पास पहुंच गए और हनुमान चालीसा का पाठ करते हुए नारेबाजी करने लगे।

खबर संक्षेप

लांड्री का विवादित टेंडर निरस्त, धोबी समाज ने जताया मंत्री का आभार

रायपुर। डीकेएस सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल द्वारा लांड्री का टेंडर निकाला गया था, जिसमें करोड़ों रुपए के टर्नओवर के साथ-साथ कई अनाप-शनाप नियम-शर्तें जोड़ दी थीं। इससे पैतृक व्यवसाय करने वाले धोबी समाज के लोग निविदा में भाग नहीं ले सकते थे, जिसके कारण समाज के लोगों ने स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, विधायक सुनील सोनी से मुलाकात कर इस विवादित टेंडर को निरस्त करने के लिए गुहार लगाई। धोबी समाज की इस जायज मांग का समर्थन पिछड़ा वर्ग के सभी समाज के प्रतिनिधियों ने प्रो. घनाराम साहू के निर्देशन में सोशल मीडिया पर मुहिम चलाई, जिसमें सफलता भी मिली और अंततः डीकेएस प्रबंधन को इस विवादित टेंडर को निरस्त करना पड़ा। समाज के प्रदेश अध्यक्ष सूरज निर्मलकर ने स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, विधायक सुनील सोनी, सभी सामाजिक मुखिया एवं प्रशासनिक अधिकारियों का आभार माना है।

यूथ कांग्रेस के मीडिया विभाग अध्यक्ष बने तुषार

रायपुर। वर्तमान कार्यकारिणी भंग किए जाने के बाद यूथ कांग्रेस में नई नियुक्तियां प्रारंभ हो गई है। गुरुवार को आदेश जारी कर तुषार गुहा को युवा कांग्रेस छत्तीसगढ़ के मीडिया विभाग का अध्यक्ष नियुक्त किया है। इसके पूर्व तुषार एनएसयूआई मीडिया विभागाध्यक्ष, प्रदेश प्रवक्ता एवं युवा कांग्रेस के प्रदेश संयोजक रह चुके हैं। वहीं आशीष द्विवेदी को युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय संयोजक नियुक्त किया गया है।

प्री एमएससी नर्सिंग के नतीजे जारी

रायपुर। व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा गुरुवार को पोस्ट बेसिक नर्सिंग और एमएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। व्यापम द्वारा ये परीक्षाएं 5 जून को आयोजित की गई थी। इसके पूर्व बुधवार को बीएससी नर्सिंग के नतीजे जारी किए गए थे। प्राप्तांकों के आधार पर काउंसिलिंग प्रक्रिया अगस्त माह में प्रारंभ होगी।

निधन

परसिस सालोमन

रायपुर। न्यू शांतिनगर निवासी परसिस सालोमन (82) का 31 जुलाई को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 1 अगस्त को सुबह 11 बजे निवास स्थान से सेंट पॉल्स प्रभु वाटिका अरविंद्र नगर टिकरापारा के लिए निकलेगी। वे स्व. एसके सालोमन की पत्नी, संजय संदीप सालोमन, शैलेष लूक सालोमन, रजनीश सालोमन की माता थीं।

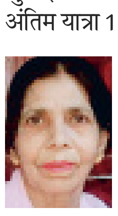

रुक्मिणी झंवर

रायपुर। भावना नगर खम्हारडीह निवासी रुक्मिणी झंवर का 30 जुलाई को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 31 जुलाई को मारवाड़ी श्मशानघाट में किया गया। वे आलोक झंवर और आदेश झंवर की माता थीं।

महापौर-सभापति के लिए टोयोटा गाड़ी, अफसरों के लिए 19 मारुति डिजायर खरीदेगा निगम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

महापौर मीनल चौबे पूर्व महापौर की वाली गाड़ी की जगह नई चमचमाती टोयटा गाड़ी में फर्राटा भरेंगी। यही नहीं, सभापति सूर्यकांत राठौर के लिए भी जल्द नई टोयटा गाड़ी आएगी। इसके लिए नगर निगम के मोटर वर्कशाप से प्रस्ताव बनाकर निगम मुख्यायल से सूडा को मंजूरी के लिए भेजा गया है। स्वीकृति मिलते ही नई गाड़ी की खरीदी की जाएगी। इसी तरह नगर निगम का मोटर और विद्युत अभियांत्रिकी विभाग शहर में विद्युत पोल खड़ा करने संबंधी कार्य के लिए 5 टावर लोडर क्रय करेगा। नगर निगम के 10 जोन में विद्युत संबंधी कार्य की आवश्यकता को देखते हुए 10 नए टाटा एस वाहन क्रय करने का प्रस्ताव बनाया गया है। रायपुर नगर निगम जल्द ही शहर की मुखिया के लिए नए वाहन की खरीदी करेगा। साथ ही नगर निगम सभापति को पुरानी गाड़ी की जगह निगम से नई गाड़ी मिलेगी। इस संबंध में प्रस्ताव बनकर तैयार है। यही नहीं, विभागीय अधिकारियों के लिए 19 मारुति डिजायर वाहन खरीदने शासन से मंजूरी मांगी जा रही है। विदित हो कि निगम मुख्यालय में इस समय अपर आयुक्त, उपायुक्त, अधीक्षण अभियंता को पात्रता के आधार के निगम की ओर से वाहन की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है। वहीं कुछ अधिकारी किराये की गाड़ी का उपयोग कर रहे हैं।

मोटर वर्कशाप से बना प्रस्ताव, मुख्यालय ने सूडा के पास मंजूरी के लिए भेजी फाइल

अब हर जोन में विद्युत संबंधी कार्य के लिए 1 टाटा एस गाड़ी

नगर निगम के दस जोन स्थित 70 वार्डों में विद्युत व्यवस्था संबंधी कार्य के लिए अब हर जोन अलग से 1 टाटा एस गाड़ी रहेगी। इस तरह 10 जोन की जरूरत हिसाब से 10 टाटा एस की नई गाड़ी क्रय करने की तैयारी है।

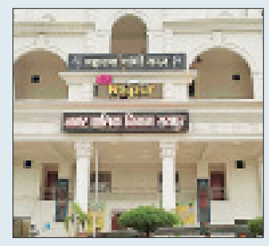

बिजली खंबा लगाने 5 टावर लोडर, 10 जोन के लिए बिजली का काम करने 10 टाटा एस आएगी

आवारा मवेशी पकड़ने शहर में 10 काउकेचर, कुत्ता पकड़ने महज 1 डागकेचर

नगर निगम के पास कुत्तों की धरपकड़ करने 10 जोन के हिसाब से वर्तमान में 10 काउकेचर गाड़ी उपलब्ध है। प्रत्येक जोन को अलग से काउकेचर दिया गया है। वहीं शहरभर के आवारा कुत्तों की पकड़ने नगर निगम के पास केवल एक डाग केचर की व्यवस्था है। यह शहर के विस्तार को देखते हुए बहुत कम है, डाग केचर की संख्या बढ़ाने एक अरसे से मांग की जा रही है।

पचपेड़ी नाका के पास दोनों छोर पर कई बड़े गड्ढे, इसलिए लगता है जाम

भाठागांव से तेलीबांधा सिग्नल तक हर एक किलोमीटर में 30 से ज्यादा गड्ढे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी में ज्यादातर हाईवे के सर्विस मार्ग मानसूनी बारिश के साथ ही जर्जर हो गए हैं। वर्तमान में मानसून का आधा सीजन ही बीता है। ऐसे में आने वाले दिनों में इन मार्गों के और जर्जर होने की बात से इनकार नहीं किया जा सकता। सड़क मरम्मत का कार्य सितंबर के बाद ही शुरू हो पाएगा। इसके चलते सर्विस रोड पर आवाजाही करने वालों को गड्ढों की वजह से वाहन चलाने में और परेशानी होगी।

हरिभूमि की टीम ने गुरुवार को भाठागांव से लेकर तेलीबांधा चौक के बीच चार किलोमीटर दोनों तरफ की सर्विस रोड का जायजा लिया, तो हर एक किलोमीटर में 30 से ज्यादा छोटे-बड़े गड्ढे मिले। इससे सर्विस रोड पर गाड़ियों की रफ्तार कम होने के साथ ही भारी माल वाहक वाहन तथा बस चालक सेकेंड गियर में वाहन चलाने मजबूर दिखे। इसके कारण इन वाहनों के पीछे चलने वाली गाड़ियों की रफ्तार भी काफी कम थी। जल्दी में जाने वाले दोपहिया वाहन चालक मजबूरी में बड़ी गाड़ियों को कट मारते हुए निकल रहे थे।

हरिभूमि सरोकार

ज्यादतर सर्विस रोड के डामर उखड़े

हाल के दिनों में हुई तेज बारिश के कारण सर्विस रोड में कई जगह से डामर उखड़ गए हैं। डामर उखड़ने तथा भारी वाहन के दबाव के कारण सर्विस रोड में गड्ढे और बड़े हो रहे हैं। आने वाले दिनों में और बारिश होने पर इन सर्विस मार्गों की स्थिति और जर्जर होगी। विभागीय अफसरों से संपर्क करने पर उन लोगों ने बताया कि बारिश के वजह से जो मार्ग खराब हुए हैं, उनकी मरम्मत का कार्य बारिश के बाद ही संभव होगा।

सर्वे किया जा रहा

बारिश की वजह से खराब हुई सड़कों का सर्वे किया जा रहा है। सर्वे रिपोर्ट आठ से दस दिनों में आएगी। रिपोर्ट आने के बाद जर्जर सड़कों की मरम्मत कराने का कार्य किया जाएगा।

- ज्ञानेश्वर कश्यप, चीफ इंजीनियर, पीडब्लूडी सड़क

पचपेड़ी नाका की स्थिति ज्यादा भयावह

पचपेड़ी नाका के पास सर्विस रोड की स्थिति ज्यादा भयावह है। ट्रैफिक थाने के पास दोनों तरफ की सर्विस रोड में बड़े-बड़े गड्ढे होने के साथ ही सर्विस रोड का डामर उखड़ गया है। पचपेड़ी नाका के पास महासमुंद के साथ धमतरी, दुर्ग से आने वाले वाहन गुजर कर जाते हैं। पचपेड़ी नाका के पास ट्रैफिक जाम की स्थिति भी निर्मित होती है। इस वजह से पचपेड़ी नाका चौक के पास ज्यादातर बड़ी गाड़ियों को रोकना पड़ता है। इस मार्ग में रोड कार्नर का गैप अन्य जगहों के सर्विस मार्ग से ज्यादा है।

गैप ज्यादा होने की वजह से बड़ी गाड़ियां रोड पर

भाठागांव से लेकर तेलीबांधा तक सर्विस रोड के दोनों तरफ रोड कार्नर के गैप अपेक्षाकृत ज्यादा हैं। इस वजह से बड़ी गाड़ियों के वाहन चालक अपनी गाड़ियों को सर्विस रोड के नीचे नहीं उतारते। रोड कार्नर में गैप ज्यादा होने की वजह से दोपहिया तथा छोटे चारपहिया वाहन के चालक भी अपनी गाड़ी रोड से नहीं उतार रहे। इसके चलते हाईवे के साथ ही सर्विस रोड पर एक्सीडेंट का खतरा बढ़ गया है।

ग्रामीण सड़कों की हालत और भी जर्जर

राजधानी से होकर गुजर रहे राष्ट्रीय राजमार्ग के हाईवे के सर्विस रोड की हालत जब इतना खराब है, ऐसे में ग्रामीण क्षेत्र के सर्विस रोड की हालत का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। रायपुर-बिलासपुर मार्ग में बंजारी के आगे सड़कों की हालत काफी जर्जर है। इसी तरह से बलौदाबाजार जाने वाले मार्ग में विधानसभा के आगे की सड़कें पूरी तरह से जर्जर हो चुकी हैं।

सितंबर के बाद होगी मरम्मत

विभागीय अफसरों के अनुसार बारिश के चलते जो सड़कें खराब हुई हैं, उन सड़कों की मरम्मत करने का कार्य बारिश के बाद शुरू किया जाएगा। जर्जर मार्गों की पहचान करने अफसरों ने निर्देश दिए हैं। जिले में जर्जर मार्गों की सर्वे रिपोर्ट अगस्त के दूसरे सप्ताह तक आएगी। रिपोर्ट आने के बाद सड़क सुधार करने पीडब्लूडी टेंडर जारी करेगा। टेंडर जारी होने तथा विभागीय स्वीकृति मिलने के बाद ही रोड मरम्मत का कार्य किया जाएगा।

दूषित पानी पीने से 14 भेड़, चार भैंस सहित 18 मवेशियों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- बुधवार देर रात की घटना
- मवेशियों का दूसरे दिन किया गया पोस्टमार्टम

विधानसभा थाना क्षेत्र के सकरी गांव में बुधवार देर रात नाले का दूषित पानी पीने से 18 मवेशियों की मौत हो गई। जिन मवेशियों की मौत हुई है, उनमें 14 भेड़ तथा चार भैंस हैं। दूसरे दिन दोपहर को पुलिस को घटना की जानकारी मिली। मौके पर पशु चिकित्सक ने मौके पर पहुंचकर मृत मवेशियों का पोस्टमार्टम किया। मवेशियों की मौत दूषित पानी पीने की वजह से हुई है या अमानक चारा खाने से हुई है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद इसकी पुष्टि होगी। पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद पुलिस अपराध दर्ज कर जांच करने की बात कह रही है। जिस जगह पर मवेशियों की मौत हुई है, उसके पास एक नाला बह रहा है। बताया जा रहा है, नाला का पानी यूरिया मिक्स था। मवेशियों के उसी को पीने की वजह से मौत हुई है। जिस जगह पर मवेशी मरे पाए गए, उस स्थान पर यूरिया गोदाम के साथ तीन चार अन्य गोदाम हैं। यूरिया गोदाम रायपुर के किसी कारोबारी का बताया जा रहा है। गोदाम मालिक के बारे में पुलिस को अभी विस्तृत जानकारी नहीं मिल पाई है।

सुबह से ग्रामीण एकजुट होने लगे तब पुलिस को मिली जानकारी

मवेशियों की मौत के बाद गुरुवार सुबह तक किसी भी प्रकार की प्रशासनिक कार्रवाई नहीं होने पर नाराज ग्रामीण घटना स्थल के पास एकजुट होने लगे। इस दौरान गांव के किसी व्यक्ति ने घटना की जानकारी एसडीएम को दी। घटना की जानकारी मिलने पर प्रशासनिक अमला एक्टिव हुआ और मौके पर पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों से संपर्क कर मृत मवेशियों का पोस्टमार्टम करने पशु चिकित्सक भेजने की व्यवस्था की। इस दौरान पुलिस को मवेशियों के मौत की जानकारी मिली।

एक्सप्रेस-वे से माना वीआईपी रोड को जोड़ेगा नया फोरलेन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर में ट्रैफिक व्यवस्था को सुगम बनाने और एयरपोर्ट मार्ग की कनेक्टिविटी में तेजी लाने के लिए टेमरी में एक्सप्रेस-वे को माना वीआईपी रोड से जोड़ने के लिए फोरलेन रोड का निर्माण किया जाएगा।

करीब 0.80 किलोमीटर लंबे फोरलेन निर्माण के लिए 156.27 करोड़ रुपए का बजट प्रस्तावित है, जिसमें भूमि अधिग्रहण मुआवजा भी शामिल है। सूत्र के अनुसार फोरलेन बनाने के लिए कई लोगों की भूमि भी अधिग्रहित की जाएगी, जिसमें लगभग 70 से 80 करोड़ रुपए का मुआवजा दिया जा सकता है। सूत्र के अनुसार इस प्रोजेक्ट के लिए राजस्व विभाग भू-अर्जन और मुआवजा प्रकरणों की कार्रवाई शुरू कर चुका है। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

फुंडहर में ट्रैफिक जाम से मिलेगी मुक्ति

एक्सप्रेस वे में अभी पांच फ्लाईओवर देवेंद्र नगर, पंडरी, शंकर नगर, तेलीबांधा और फाफाडीह में है। इस वजह से यहां से गुजरते समय यात्रियों को रुकना नहीं पड़ता, लेकिन ग्राम टेमरी से फुंडहर होकर माना वीआईपी रोड जाने के फ्लाई ओवर नहीं है। इस कारण फुंडहर चौक पर ट्रैफिक जाम की स्थिति रहती है। टेमरी से माना वीआईपी रोड तक फोरलेन बनने से फुंडहर चौक में जाम की स्थिति भी कम बनेगी और यात्री सुगम यातायात के साथ आवागमन कर पाएंगे।

सड़क 2023-24 के बजट में शामिल

यह महत्वपूर्ण सड़क प्रोजेक्ट को वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट में शामिल किया था। नया फोरलेन मार्ग एयरपोर्ट रोड को एक्सप्रेस-वे से जोड़ेगा, जिससे दोनों ही मार्गों का आवागमन सुगम होगा। शहर के व्यस्ततम क्षेत्र को जोड़ने वाले संपर्क मार्ग से यात्रा समय में कमी आएगी तथा इससे हर दिन एक लाख से ज्यादा लोगों को इसका लाभ मिलेगा।

सरोना में ओएचई लाइन टूटने से यात्री हुए परेशान, एक साथ 20 ट्रेनें रहीं प्रभावित, पटरियों पर बैठकर किया इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- ओएचई लाइन टूट जाने के कारण मुंबई-हावड़ा रेल मार्ग पर ट्रेनों की आवाजाही 1 से 2 घंटे तक रही बाधित

सरोना व टांटीबंध रेलवे ओवरब्रिज के बीच ओवरहेड इलेक्ट्रिक लाइन टूट जाने के कारण मुंबई-हावड़ा रेल मार्ग पर ट्रेनों की आवाजाही करीब 1 से 2 घंटे तक बाधित रही। इस तकनीकी गड़बड़ी के कारण रायपुर से दुर्ग और भाटापारा तक विभिन्न स्टेशनों पर ट्रेनें खड़ी रहीं, जिससे यात्रियों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ा। रेलवे से प्राप्त जानकारी के अनुसार, सरोना के पास ओएचई लाइन में वायर जल गया था। यह लाइन ट्रेनों को बिजली आपूर्ति के लिए ट्रैक के ऊपर लगाई जाती है। इस खराबी को ठीक करने में रेलवे को एक घंटे से अधिक समय लग गया। रेलवे तकनीकी गड़बड़ी की जांच कर रहा है। इस घटना के कारण मुंबई-हावड़ा ट्रेन सरोना स्टेशन पर लगभग 1 घंटा 30 मिनट, जबकि वंदे भारत एक्सप्रेस दुर्ग में 36 मिनट से अधिक समय तक रुकी रही। इसके अलावा रायपुर से होकर गुजरने वाली दर्जनों लंबी दूरी की ट्रेनें प्रभावित रहीं। सरोना, कुम्हारी, भिलाई फिर दुर्ग तक ट्रेन खड़ी रही।

गांधीधाम एक्सप्रेस का इंजन फेल

गुरुवार को ओएचई लाइन में तकनीकी गड़बड़ी के बीच सरोना के पास गांधीधाम एक्सप्रेस के यात्रियों को एक और परेशानी का सामना करना पड़ा जब ट्रेन का इंजन शाम 4:30 बजे फेल हो गया। इंजन फेल होने की सूचना तत्काल रेलवे अधिकारियों को दी गई, जिसके बाद वैकल्पिक इंजन की व्यवस्था की गई।करीब 1 घंटे 20 मिनट बाद, शाम 5:50 बजे नया इंजन पहुंचा, तब जाकर ट्रेन को आगे रवाना किया जा सका। इस दौरान यात्रियों को ट्रेन के भीतर असुविधा झेलनी पड़ी।

सरोना में फंसी रही मुंबई-हावड़ा ट्रेन

ओएचई लाइन में गड़बड़ी के कारण सरोना स्टेशन पर मुंबई-हावड़ा ट्रेन करीब दो घंटे तक खड़ी रही। अचानक ट्रेन के रुक जाने पर यात्रियों को लगा कि सिग्नल की वजह से थोड़ी देर का ठहराव है, लेकिन पांच मिनट का इंतजार धीरे-धीरे एक घंटे से भी ज्यादा लंबा हो गया। इस दौरान बड़ी संख्या में यात्री ट्रेन से उतरकर पटरियों के किनारे बैठ गए और ट्रेन के फिर से चलने का इंतजार करते रहे। गर्मी और असुविधा के बीच यात्रियों की परेशानी बढ़ती रही। इस ट्रेन का रायपुर पहुंचने का निर्धारित समय शाम 4:05 था, लेकिन यह करीब दो घंटे की देरी से 6:15 बजे पहुंची।

20 ट्रेनें एक घंटे से अधिक लेट

ओएचई लाइन में आई तकनीकी समस्या के चलते करीब दो घंटे के भीतर 20 से अधिक ट्रेनें प्रभावित हुईं। इनमें भगत की कोठी एक्सप्रेस, वंदेभारत एक्सप्रेस, हावड़ा-अहमदाबाद एक्सप्रेस, राजधानी एक्सप्रेस,विशाखापट्टनम एक्सप्रेस सहित कई महत्वपूर्ण ट्रेनें शामिल रहीं। सरोना में ओएचई लाइन में आई खराबी के कारण रायपुर स्टेशन में कई ट्रेनें लंबे समय तक खड़ी रहीं। ट्रेनों की आवाजाही ठप होने से यात्रियों को प्लेटफॉर्म और ट्रेनों में घंटों इंतजार करना पड़ा। रेलवे कर्मियों द्वारा समस्या के समाधान में तत्काल मशक्कत करनी पड़ी, जिसके बाद धीरे-धीरे यातायात बहाल हो पाया।

तहसीलदारों की 17 सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी

सचिव से चर्चा विफल, तहसीलदारों की हड़ताल जारी, राजस्व कार्य ठप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों की 17 सूत्रीय मांगों को लेकर हड़ताल गुरुवार को भी जारी रही। तहसीलदारों के प्रतिनिधिमंडल ने राजस्व सचिव से मुलाकात की।

संभावना जताई जा रही थी कि इस मुलाकात के बाद संघ आश्वासन मिलने पर हड़ताल स्थगित कर देगा, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। इस बार संघ अपनी मांगों को मनवाने के लिए अड़े हुए हैं। छत्तीसगढ़ कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ के प्रांताध्यक्ष कृष्ण कुमार लहरे ने बताया कि चर्चा के दौरान सचिव से सिर्फ यहीं आश्वासन मिला कि इस पर शासन स्तर पर विचार किया जा रहा है। विचार के बाद उनकी जायज मांगों को पूरा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस तरह के आश्वासन पहले भी कई बार दिया गया है, लेकिन इस बार हड़ताल तब तक खत्म नहीं करेंगे, जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं हो जाती है।

हर दिन हजारों प्रकरणों में पेशी की तारीख बढ़ रही

हड़ताल के कारण तहसील न्यायालयों में चल रहे प्रकरणों पर भी सुनवाई नहीं हो पा रही है। रायपुर सहित प्रदेशभर में हर दिन हजारों प्रकरणों पर सुनवाई होती है, लेकिन तहसीलदारों के हड़ताल पर रहने से न्यायालय में सुनवाई भी ठप है। इस कारण हर दिन हजारों प्रकरणों में पेशी की तारीख भी आगे बढ़ाई जा रही है। सूत्र के अनुसार पिछले चार दिनों में एक लाख से ज्यादा प्रकरणों की सुनवाई टल गई है, जिससे पक्षकारों के साथ उनके वकीलों को भी परेशान होना पड़ रहा है।

चौथे दिन भी तहसीलों में ठप रहा कामकाज

हड़ताल के कारण लगातार चौथे दिन भी राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के सभी जिलों के तहसील कार्यालयों में राजस्व संबंधी कामकाज ठप रहा। हड़ताल के कारण तहसीलों में तहसीलदार एवं नायाब तहसीलदार ड्यूटी पर जा नहीं रहे हैं, जिससे आय, जाति, मूल निवास, त्रुटि सुधार, वसीयत, बंटवारा और जमीन की नकल जैसे जरूरी दस्तावेजों का काम भी नहीं हो पा रहे हैं। कार्यालय पहुंच रहे लोगों को निराश होकर लौटना पड़ रहा है।

पेज 11 के शेष

शांति नगर योजना...

उसके बाद यहां मौजूद सभी पुराने और जर्जर मकान तोड़ दिए गए थे। दूसरी ओर शंकर नगर में बीटीआई मैदान के पास की जमीन में जहां पुराने शासकीय आवास बने थे, उस जगह पर भी व्यावसायिक और आवासीय परिसर बनाने की योजना है। पूर्व सरकार ने शांति नगर के लिए 1200 करोड़ की योजना बनाई थी। इस योजना के क्रियान्वयन के लिए तीन मंत्रियों की कमेटी बनाई गई थी। योजना का संचालन हाउसिंग बोर्ड के माध्यम से किया जाना था।

व्यवस्थित विकास...

यह व्यवस्थित ढंग से व्यावसायिक और आवासीय परिसर बनाए जाएं। ये परिसर बहुमंजिला होंगे। जाहिर है जब सरकार इसका सुनियोजित विकास करेगी तो इसके बाद सरकार के खजाने में एक मुश्त बड़ी राशि राजस्व के रूप में प्राप्त होगी। इसके साथ ही राजधानी रायपुर में शहर के मध्य हिस्से का बेहतर विकास हो सकेगा।

शहर के आउटर में...

जा रही थी। शिकायत मिलने पर निगम और जिला प्रशासन की टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई कर संबंधित क्षेत्र को कब्जा मुक्त कराया। बिना कालोनी विकास अनुज्ञा और नगर निगम की अनुमति के बिना प्लाटिंग की शिकायत पर ही 27 जून 2025 को सोनडोंगरी तालाब की जमीन को पाटकर किये जा रहे अवैध कब्जे को पुलिस बल की मौजूदगी में हटाया गया। अवैध निर्माण की 15 शिकायतें इन इलाकों में : मोवा स्थित नगर निगम जोन 9 कमिश्नरी के पास अवैध निर्माण संबंधी 15 शिकायतें मिली हैं। ये शिकायतें मोवा, सड्डू, दलदल सिवनी के दयानगर, लभांडी, जोरा और एक शिकायत वीआईपी रोड में अवैध निर्माण को लेकर है। जोन के अधिकारियों के मुताबिक अवैध निर्माण को तोड़ने से पहले जोन की नगर निवेश शाखा की ओर से तीन नोटिस दिया जा चुका है। 15 दिन की समय सीमा में अवैध निर्माण नहीं हटाने पर तोड़फोड़ की जायेगी।

साय सरकार में...

बात से लगाया जा सकता है कि कैबिनेट से निर्णय होने के तुंरत बाद योजना के लिए डीपीआर बनाने का काम शुरु हो गया है।सीएस कमेटी के पास जाएगा मामला, जल्द टेंडर भीबताया गया है कि इस योजना के संबंध में डीपीआर बनने के बाद संबंधित प्रस्ताव राज्य के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में बनी हाईपावर कमेटी के पास जाएगा। वहां से अनुमोदन होने के बाद संभावना व्यक्त की जा रही है कि जल्द ही योजना के लिए टेंडर जारी कर दिया जाएगा।

पापुनि घोटाले में...

में कक्षा तीसरी के एमजीएमएल काड्र्स मुद्रण कार्य में नियमों की अनदेखी कर मिंज कंपनी को हिंदी एवं गणित के आठ-आठ हजार के दो सेट 3 करोड़ 82 लाख 89 हजार 600 रुपए तथा मेसर्स छत्तीसगढ़ पैकेजर्स भिलाई को पर्यावरण विषय के आठ हजार सेट के लिए 2 करोड़ 4 लाख 15 हजार 40 कुल 5 करोड़ 87 लाख 4 हजार 640 रुपए भुगतान करना बताया गया।

धर्मांतरण के आरोप में...

मकान के ऊपर एक हॉल का निर्माण कराया है। उसी हॉल निर्माण के उपलक्ष्य में भुनेश्वर ने बुधवार रात अपने परिचित तथा रिश्तेदारों को बुलाकर प्रार्थना सभा का आयोजन किया था। प्रार्थना सभा में शामिल होने आए लोगों के लिए भुनेश्वर ने खाने-पीने की व्यवस्था की थी। इसी दौरान बजरंगदल के कार्यकर्ताओं को प्रार्थना सभा की आड़ में लोगों को झांसे में लेकर धर्म परिवर्तन कराए जाने की जानकारी मिली।

खबर संक्षेप

राजपूत क्षत्रिय महिला मंडल का सावन मिलन समारोह

रायपुर। श्री नीलकंठेश्वर मंदिर भाठागांव में राजपूत क्षत्रिय समाज महिला मंडल द्वारा सावन मिलन समारोह आयोजित किया गया। जहां सचिव दिनेश सिंह ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि इस समारोह में महिला मंडल द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जहां गुप डांस में आरती राजपूत प्रथम, अपर्णा, माया चैहान द्वितीय, रेणुका, वर्षा बैस तृतीय व नाट्य प्रतियोगिता में चमेली ठाकुर प्रथम, बहुरानी ग्रुप सावन सुंदरी प्रतियोगिता में सिया ठाकुर प्रथम, वंदना ठाकुर द्वितीय, रानी परमार तृतीय रहीं। साथ ही बच्चों के द्वारा आकर्षक प्रस्तुतियां भी दी गईं। वहीं कार्यक्रम के दौरान ठा. रमेश कुमार, ठा. सुरेश सिंह, ठा. इंद्रकुमार सिंह, ठा. पवन सिंह गौतम, ठा. विजय सिंह, ठा. दिनेश सिंह, ठा. मनमोहन सिंह, ठा. रणजीत सिंह, ठा. प्रदीप नंदनवार के अलावा ममता राजपूत, नमिता ठाकुर सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

हरियाणा समाज का तीज महोत्सव 3 को

रायपुर। सावन के पवित्र मास में हरियाणा समाज छत्तीसगढ़ द्वारा तीज महोत्सव का आयोजन 3 अगस्त अग्रसेन भवन टाटीबंध रायपुर में होने जा रहा है। जिसमें आप सादर आमंत्रित हैं। कार्यक्रम 3 अगस्त को सुबह 10 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम, दोपहर 12.30 बजे भोजन की व्यवस्था रहेगी। इसी दिन सुबह से स्वास्थ्य शिविर एवं रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया जा रहा है। उक्त जानकारी हरियाणा सेवा संघ छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष सतबीर सिंह तंवर ने दी।

परसदा में 20 करोड़ की लागत से बनेगी क्रिकेट एकेडमी, जमीन आवंटन की सहमति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ को नवा रायपुर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के करीब अत्याधुनिक क्रिकेट एकेडमी स्थापित करने के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप कैबिनेट ने 7.96 एकड़ जमीन आवंटित करने पर अपनी सहमति दे दी है। एकेडमी के लिए जमीन मिलने से अब छत्तीसगढ़ में भी नेशनल क्रिकेट एकेडमी की संभावना बढ़ जाएगी।

एनसीए का मुख्य केंद्र अभी बेंगलुरु में है, वहीं उपकेंद्र अन्य राज्यों में स्थापित है। यहां समय-समय पर चयनित अंडर-14 और अंडर-19 क्रिकेटरों को विशेष प्रशिक्षण महीनेभर एकेडमी में बोर्डिंग देकर दिया जाता है। बता दें कि अटल नगर के सेक्टर-3, ग्राम परसदा में जमीन क्रिकेट एकेडमी की स्थापना के लिए आबंटित करने का निर्णय लिया गया। वर्ष 2016 में छत्तीसगढ़ को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड से पूर्णकालिक मान्यता प्राप्त है। इसके बाद से राज्य के क्रिकेटर्स के प्रदर्शन में लगातार सुधार आने लगा। अब एकेडमी के लिए शासन से जमीन मिलने के बाद संघ यहां विश्व स्तरीय एकेडमी विकसित करेगा।

बीसीसीआई मानकों पर बनेगी क्रिकेट एकेडमी, स्वीमिंग पूल, जिम और रनिंग ट्रैक जैसी आधुनिक सुविधाएं होंगी

राज्य शासन की कैबिनेट ने नवा रायपुर में क्रिकेट संघ को 7.96 एकड़ जमीन एकेडमी के लिए दी

ग्राउंड के साथ आउटडोर प्रैक्टिस सुविधा दी

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के ही करीब एकेडमी के लिए जगह मिली है। हरिभूमि से बातचीत में क्रिकेट संघ के डायरेक्टर विजय शाह ने कहा कि एकेडमी में नेशनल लेवल के कोच को रखा जाएगा, तो प्रदेश के खिलाड़ियों को विशेष प्रशिक्षण देंगे। उनका कहना है कि हमारा प्रयास है कि एकेडमी में ग्राउड की भी सुविधा दे। यहां एकेडमी के लिए बीसीसीआई के सहयोग से कम से कम 20 करोड़ खर्च करेंगे। एकेडमी में इंडोर और आउटडोर प्रैक्टिस सुविधा दी जाएगी। इसके अलावा स्वीमिंग पूल और आधुनिक जिम्नेजियम के साथ ही रनिंग ट्रैक तथा प्रशिक्षण के लिए बीसीसीआई के मानकों के अनुरूप सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इतना ही नहीं, यहां कम से कम 50 बेड का सर्वसुविधायुक्त बोर्डिंग का भी इंतजाम किया जाएगा, जिससे खिलाड़ी यहां रहकर प्रशिक्षण ले सकें।

नेशनल लेवल के कोच देंगे खिलाड़ियों को ट्रेनिंग

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच के लिए भी दावेदारी होगी मजबूत

एकेडमी में ग्राउंड विकसित होने से अब रायपुर को प्रथम श्रेणी के मैच का आवंटन आसानी से मिल जाएगा। इससे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच के लिए भी हमारी दावेदारी मजबूत होगी, क्योंकि यहां मैच के लिए दोनों टीम के लिए प्रैक्टिस ग्राउंड की कमी हमेशा महसूस की जाती थी। एकेडमी बनने से इसकी कमी पूरी हो जाएगी। एकेडमी बनने से यहां सालभर प्रशिक्षण, वर्चुअल कोचिंग और व्यक्तिगत कोचिंग की सुविधा बढ़ जाएगी। इसमें अत्याधुनिक तकनीक जैसे कि पिचविजन वीडियो विश्लेषण प्रणाली और गति रडार स्कैन का भी इंतजाम हो पाएगा। इन सुविधाओं के चलते राज्य की इस एकेडमी में बायोमैकेनिक्स आधारित प्रशिक्षण पर भी फोकस किया जाएगा।

जीरा 200 रुपए पाव से अब वापस 60 रुपए पाव पर लौटा

जीरा और लहसुन के दाम लौटे जमीन पर, आम जनता को मिली थोड़ी राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

लहसुन की बीते साल ही कीमत 400 से 500 रुपए थी, अब चिल्हर में 100 रुपए

करीब तीन साल बाद अब जाकर जीरा और लहसुन के दाम पुरानी कीमत पर लौटे हैं। जो जीरा तीन साल पहले 800 रुपए किलो और 200 रुपए पाव तक चला गया था, वह अब चिल्हर में 60 रुपए पाव हो गया है। इसी के साथ अब लहसुन के दाम भी पहले जैसे हो गए हैं। बीते साल ही दिसंबर में लहसुन की कीमत 400 रुपए किलो थी, लेकिन अब लहसुन पुरानी कीमत पर लौटी है। आमतौर पर लहसुन की कीमत 25 से 30 रुपए पाव और 100 रुपए किलो ही रहती है। अब यही कीमत चल रही है।

महंगाई से आम आदमी परेशान है। लगातार महंगाई बढ़ रही है, ऐसे में अगर किसी सामान की कीमत कम होती है तो आम आदमी को राहत महसूस होती है। हालांकि आमतौर पर महंगे सामान की कीमत इतनी जल्दी कम नहीं होती है। कीमत कम होने के बाद कब इसमें मुनाफाखोरी के कारण कीमत में इजाफा कर दिया जाए कहा नहीं जा सकता है। कारोबारी मुनाफाखोरी से बाज नहीं आते हैं।

जीरा 60 से 70 रुपए पाव

जीरा के दाम ने 2022 और 2023 में रुलाने का किया। आमतौर जीरा का दाम 50 से 60 रुपए पाव और दो से ढाई सौ रुपए किलो से ज्यादा कभी रहा नहीं है। लेकिन 2023 में जीरा के दाम में अचानक से आग लगी। जो जीरा 4 अप्रैल को 100 रुपए पाव था, वह अचानक से एक सप्ताह में ही 12 अप्रैल को 200 रुपए पाव हो गया। थोक बाजार में इसके दाम चार सौ रुपए से सीधे 700 रुपए किलो से पार हो गए। इसके बाद इसके दाम कम ज्यादा होते रहे। लेकिन बीते साल तक इसके दाम 600 रुपए किलो तक रहे हैं। लेकिन अब इस साल इसके दाम बहुत कम हो गए हैं। इस समय थोक में इसके दाम 200 से 220 रुपए हैं। चिल्हर में यह 60 से 70 रुपए पाव में बिक रहा है। सबसे अच्छी क्वालिटी का जीरा 70 रुपए पाव है।

दो साल चार से पांच सौ किलो रही लहसुन

लहसुन की कीमत बीते दो साल तक 400 रुपए से लेकर 500 रुपए किलो रही है। बीते साल भी कीमत चिल्हर में 500 रुपए तक गई थी। थोक में इसकी कीमत चार सौ रुपए तक रही है। बीते साल दिसंबर से कीमत कम होने लगी थी, लेकिन चिल्हर में इसकी कीमत कम नहीं हो रही थी। लेकिन अब इस साल में चिल्हर में भी कीमत बहुत कम हो गई है, क्योंकि लहसुन की नई फसल आने के बाद इसकी आवक भी ज्यादा हो रही है। पहले जनवरी में इसकी कीमत दो सौ रुपए हुई और अब अच्छी क्वालिटी की बड़ी साइज वाली लहसुन 100 किलो है। चिल्हर में यह 30 रुपए पाव बिक रही है। छोटी साइज की लहसुन के दाम थोक में 40 से 60 रुपए किलो हैं। यह चिल्हर में 20 से 25 रुपए पाव बिक रही है।

राष्ट्रीय भोजली महोत्सव और विश्व आदिवासी दिवस समारोह 9 को

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- राजधानी में 9 राज्यों से समाज प्रमुख जुटेंगे
- गोंडी धर्म संस्कृति संरक्षण समिति एवं छत्तीसगढ़ गोंडवाना संघ जिला इकाई की संयुक्त बैठक
- आयोजन की तैयारी को राजधानी में हुई बैठक

राजधानी के बूढ़ापारा स्थित इंडोर स्टेडियम में 9 अगस्त को राष्ट्रीय भोजली महोत्सव और विश्व आदिवासी दिवस समारोह आयोजित है। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के साथ मध्यप्रदेश, ओड़ीसा, महाराष्ट्र, बिहार, उत्तरप्रदेश, झारखंड, सिक्किम, तेलगांना राज्य के समाज प्रमुख और प्रबुद्ध जन बड़ी संख्या में

शामिल होंगे। आयोजन की तैयारी को लगे गुरुवार को राजधानी से लगे गोंदवारा में गोंडी धर्म संस्कृति संरक्षण समिति और छत्तीगसढ़ गोंडवाना संघ जिला इकाई की संयुक्त बैठक आयोजित हुई। बैठक में श्रावण मास पूर्णिमा के दिन उत्साह के साथ भव्य राष्ट्रीय भोजली महोत्सव एवं विश्व आदिवासी दिवस समारोह मनाने के लिए आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की गयी। राष्ट्रीय भोजली महोत्सव के संबंध में प्रांतीय महासचिव प्रीतम छेदैहा ने बताया कि कार्यक्रम की तैयारी राष्ट्रीय स्तर पर जोर-शोर से चल रही है। प्रांतीय पदाधिकारियों द्वारा तिथिवार प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में जिला व विकासखंड स्तर पर पदाधिकारियों की बैठक लेकर जिम्मेदारी व दिशा निर्देश दिया गया है। बैठक में गोंडी धर्म संस्कृति संरक्षण समिति के प्रांताध्यक्ष चंद्रभान नेताम, कोषाध्यक्ष गौकरण कुंजाम, महासचिव प्रीतम छेदैहा, प्रदेश सचिव गजानंद नुरूटी, नगर प्रमुख डूमन ओटी, मीडिया प्रभारी अश्वनी छेदैहा, युवा प्रकोष्ठ प्रमुख डॉ. दिलीप पोर्ते, भूषण छेदैहा सहित समाज जन उपस्थित रहे।

6 दिनों तक घरों में माताएं घरों में भोजली माता की करेंगी सेवा

गोंडी धर्म एवं संस्कृति के इस पारंपरिक राष्ट्रीय भोजली महोत्सव में माताएं 6 दिनों तक अपने-अपने घरों में भोजली माता की सेवा कर सम्मानपूर्वक पूजा अर्चना करेंगी। सातवें दिन श्रावण पूर्णिमा के अवसर पर सामूहिक सेवा करने सरोवर स्नान के लिए राजधानी रायपुर के बूढ़ापारा स्थित सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम लायेंगे, जहां दोपहर 3 बजे से सामूहिक सेवा होगी। शाम 4 बजे भोजली माता का सरोवर स्नान इसके बाद बूढ़ातालाब परिक्रमा की जायेगी। इसके बाद कार्यक्रम स्थल पहुंच कर देर रात्रि अपने घरों के लिए वापसी होगी।

बिजनेस साइट

नमन हॉलीडेज के तीर्थयात्रियों का दल मानसरोवर यात्रा से सकुशल लौटा

रायपुर। नमन हॉलीडेज के तत्वावधान में आयोजित कैलाश मानसरोवर यात्रा में शामिल छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं का दल गुरुवार को सकुशल रायपुर लौट आया। 18 जुलाई को रवाना हुआ यह तीर्थयात्रियों का समूह अपने गंतव्य तक पहुंचा और पूर्ण श्रद्धा एवं उत्साह के साथ यात्रा पूरी की। शहर लौटने पर श्रद्धालुओं का स्वागत गरिमामय और श्रद्धाभाव से किया गया। सभी यात्रियों के चेहरे आत्मिक संतोष, गहरी शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत नजर आए। श्रद्धालुओं ने बताया कि यह हमारे जीवन की सबसे कठिन, लेकिन सबसे पावन और अविस्मरणीय यात्रा रही। बर्फीली हवाएं, ऊंचाई और कठिन रास्तों के बावजूद हमारी आस्था और सामूहिक संकल्प ने हमें हर चुनौती पार करने का साहस दिया।

- धार्मिक आस्था और साहस की मिसाल बनी यात्रा

एसबीएच में बायोप्टिक लेसिक लेजर तकनीक की शुरुआत

रायपुर। अब मोतियाबिंद सर्जरी के बाद मरीजों को चश्मा लगाने की आवश्यकता नहीं होगी। एसबीएच साईं बाबा नेत्र चिकित्सालय ने बायोप्टिक लेसिक लेजर तकनीक की शुरुआत की है, जिससे सर्जरी के साथ ही चश्मे की निर्भरता भी खत्म हो रही है।

यह विश्वस्तरीय तकनीक पहले केवल बड़े महानगरों या विदेशों में ही उपलब्ध थी, लेकिन अब रायपुर में आधे खर्च में ही यह सुविधा सुलभ हो गई है। अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. आशीष महोबिया ने बताया कि यह तकनीक पूरी तरह स्पर्श व दर्दरहित है और अत्याधुनिक लेंस के समावेश से दृष्टि में सुधार सुनिश्चित करती है। पहले मरीजों को इस तरह की सुविधा के लिए दिल्ली, मुंबई जैसे शहरों का रुख करना पड़ता था, लेकिन अब रायपुर में ही यह सुलभ हो गई है। मरीजों से इस तकनीक को अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है।

- मोतियाबिंद सर्जरी के बाद चश्मे से मिलेगी मुक्ति

मेडिकल छात्रा से अश्लील चैट प्रोफेसर को हटाने प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मेडिकल कॉलेज में गुरुवार को एनएसयूआई छात्रों ने जमकर हंगामा किया। यहां के एक प्राध्यापक पर सेक्सटॉर्शन का आरोप मेडिकल कॉलेज की छात्रा द्वारा ही लगाया गया है। शिकायत पर जांच जारी है। एनएसयूआई ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग करते हुए प्राध्यापक को निलंबित करने की मांग की है।विरोध-प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने आरोपी डॉ. सिन्हा के पुतले पर कालिख पोतकर और चप्पलों की माला पहनाई। इसके बाद पुतला दहन किया गया। गौरतलब है कि रायपुर मेडिकल कॉलेज के डॉ. सिन्हा पर एक छात्रा से अश्लील बातचीत करने, छोटे कपड़ों में फोटो भेजने की मांग करने और रंगभेदी टिप्पणी करने का आरोप है। इससे संबंधित ऑडियो क्लिप और चैट के स्क्रीनशॉट भी बीते दिनों वायरल हुए।

दूषित हो रहा शैक्षणिक माहौल : *प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने कहा, मेडिकल कॉलेज जैसे संवेदनशील और शैक्षणिक माहौल में इस तरह की मानसिकता निंदनीय है। यह केवल एक छात्रा का मामला नहीं है, यह पूरे सिस्टम पर सवाल है। ऐसे लोगों को शिक्षा संस्थानों में रहने का कोई हक नहीं है। आरोपी को तुरंत सस्पेंड किया जाए और पुलिस जांच शुरू हो। अगर कार्रवाई नहीं हुई तो हम उग्र आंदोलन करेंगे। एनएसयूआई जिला उपाध्यक्ष तारिक अनवर खान के नेतृत्व में यह विरोध प्रदर्शन हुआ।प्रदेश सचिव अतिक मेमन, जिला महासचिव संस्कार पांडेय, अथर्व श्रीवास्तव, शत्रुंजय शुक्ला, मो जिशन सहित अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता इस प्रदर्शन का हिस्सा बने।*

सीमा पर तैनात सैनिकों के लिए कैट महिला विंग ने भेजी राखियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

देश की सीमा पर तैनात सैनिकों के लिए कैट की महिला विंग ने राखियां भेजी हैं। कैट के राजधानी रायपुर स्थित प्रदेश कार्यालय में रक्षाबंधन के पावन पर्व पर कैट महिला विंग ने अनूठी पहल करते हुए वोकल फॉर लोकल अभियान के तहत गुरुवार को महिला समूह द्वारा बनाई गयी राखियां दिल्ली में राष्ट्रपति के माध्यम से देश के सैनिकों के लिए भेजी। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर इस बार देश की सीमा पर तैनात सैनिकों की कलाई महिला समूह द्वारा बनायी गयी रंगीन राखियों से सजेंगी। कैट महिला प्रदेश अध्यक्ष मधु अरोरा ने बताया कि कैट महिला विंग द्वारा महिला समूह निर्मित सुंदर राखियां दिल्ली में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू के माध्यम से देश के सैनिकों के लिए भेजी गयी।

महिलाओं की अनूठी पहल

रक्षाबंधन सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि एक भावना है। जब देश की बहनें अपने रक्षकों और हमारे वीर जवानों को राखियां भेजती हैं, तो यह एक अनूठी पहल होती है। सैनिकों के लिए भेजी गयी हर राखी एक बहन की दुआ और पूरे देश का आभार होती है। कार्यक्रम में युवा कैट, महिला विंग और कैट ट्रांसपोर्ट के पदाधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इनमें मधु अरोरा, प्रेरणा भट्ट, अनमोल पारवानी, शिवांगी, डॉ. अंकिता जोशी, मीनल चौहान, नीलिमा शुक्ला, भावना गौतम,कंचन नागपाल, सुमन मुथा, संगीता चौहान शामिल रहीं।

वोकल फॉर लोकल अभियान को व्यापारिक संगठनों का बेहतर प्रतिसाद

स्थानीय उत्पाद को बढ़ावा देने कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स की ओर से देश भर में वोकल फॉर लोकल अभियान चलाया जा रहा है। इसका मकसद स्थानीय कारीगरों को रोजगार के अवसर मिलना और उनकी आर्थिक स्थित में सुधार लाना है। कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य अमर पारवानी, प्रदेश चेयरमैन विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन ने संयुक्त रूप से बताया गुरुवार को रवि भवन और शीतला चौक के व्यापारिक प्रतिष्ठानों में व्यापारियों के बीच जाकर जागरूकता पोस्टर लगाये गये। रवि भवन व्यापारी संघ के अध्यक्ष जय कुमार नानवानी ने कहा वोकल फॉर लोकल के अंतर्गत कैट द्वारा शहर के व्यापारिक प्रतिष्ठानों में जागरूकता पोस्टर लगाये जा रहे हैं, यह एक सराहनीय कार्य है।

(NABH से मान्यता प्राप्त)
सुयश हॉस्पिटल
ट्रॉमा केयर यूनिट
- पॉली ट्रॉमा
- मिनिमली इन्वेसिव ट्रॉमा सर्जरी
- कूल्हे एवं कमर के फ्रेक्चर
- पुराने ना जुड़े/टेढ़े-मेढ़े जुड़े फ्रेक्चर
- हड्डियों से मवाद रिसना
- ICU एवं क्रिटिकल केयर टीम की सेवा सहित

24 Hours Helpline
9926386660
कोटा-गुढ़ियारी रोड़, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

रायपुर में खुलेगा एपीडा कार्यालय, कृषि निर्यात को मिलेगी नई उड़ान

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कृषि और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक कदम के तहत भारतीय कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) का कार्यालय अब रायपुर में स्थापित किया जाएगा। इस निर्णय से राज्य के निर्यातकों, किसानों और उद्यमियों में अपार उत्साह देखा जा रहा है। द राइस एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष मुकेश जैन ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए केंद्र और राज्य सरकार का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ जैसे कृषि प्रधान राज्य को लंबे समय से एपीडा कार्यालय की आवश्यकता थी। अब राज्य के चावल, दलहन, फल-सब्ज़ी, ऑर्गेनिक और अन्य प्रसंस्कृत उत्पादों को अंतर्राष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने का रास्ता आसान होगा।

श्री विनायक हॉस्पिटल के एक्सपर्ट्स ने बचाई दो लोगों की आंखों की रोशनी

रायपुर। श्री गणेश विनायक आई हॉस्पिटल के विशेषज्ञों ने दो मरीजों की आंखों की रोशनी समय रहते बचा ली। गुढ़ियारी निवासी मोहम्मद शमीम की आंख में लोहे का कण चला गया था, वहीं फैक्ट्री कर्मचारी लोकेश साहू की आंख में धातु के कण घुसने से सूजन और जलन हो रही थी। दोनों मामलों में आंख की गहराई तक चोट पहुंच चुकी थी और रेटिना प्रभावित था। वरिष्ठ रेटिना सर्जन डॉ. जयेश पाटिल और डॉ. शुभांक खरे ने लगभग 5 घंटे की जटिल सर्जरी कर आंखों से धातु के कण हटाए और रेटिना को सुरक्षित किया। मरीज अब स्वस्थ हैं। इस पर श्री गणेश विनायक आई हॉस्पिटल के डायरेक्टर व वरिष्ठ नेत्र सर्जन डॉ. चारूदत्त कलमकार ने कहा फैक्ट्रियों, वर्कशॉप, गैरेज या वेल्डिंग जैसी जगहों पर काम करने वाले सभी कर्मचारियों को आंखों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

सूरजपुर में सर्वाधिक 1036 व सुकमा में सबसे कम 31 छात्रों का चयन

रायपुर। शिक्षा के अधिकार के अंतर्गत निजी स्कूलों में गरीब छात्रों को दिए जाने वाले प्रवेश के दूसरे चरण की लॉटरी निकाल दी गई है। पूरे प्रदेश में 10 हजार 478 विद्यार्थियों का चयन दूसरे चरण में किया गया है। इनमें से सर्वाधिक 1036 छात्र सूरजपुर के हैं, तो सबसे कम छात्र सुकमा के हैं। सुकमा जिले में आरटीई के अंतर्गत सिर्फ 31 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। यहां आरटीई के अंतर्गत आवेदन भी कम प्राप्त हुए थे। इस कारण भी चयनित छात्रों की संख्या अत्यंत कम रही है। शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए द्वितीय चरण का पंजीयन 1 से 12 जुलाई तक चला। 19 जुलाई तक आवेदन संशोधन एवं नोडल दस्तावेज परीक्षण के बाद चयनित छात्रों की सूची जारी कर दी गई।

हरिभूमि माह जुलाई 2025 का मासिक बिल

दिन	दर	राशि
31 दिन	5.00	155.00
	कुल	155.00

हरिभूमि के सुधि पाठक जुलाई 2025 का अखबार बिल अपने एजेंट के पास 06 तारीख तक जमा कर सहयोग करें।

व्यवस्थापक

हरिभूमि लाइव

रायपुर, शुक्रवार 1 अगस्त 2025

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

04

चंदन पाउडर के साथ इसे मिलाकर ...

एज्यूकेशन अलर्ट

सावन और मल्हार राग पर गूंजा शास्त्रीय संगीत, वर्षा ऋतु की रचनाओं ने मोहा मन

रायपुर। कमलादेवी संगीत महाविद्यालय में गुरुवार को "रस बरसे राग रंग में" शीर्षक से संगीतमय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें वर्षा ऋतु से संबंधित शास्त्रीय रागों एवं लोक रचनाओं की सुंदर प्रस्तुति विद्यार्थियों द्वारा दी गईं। कार्यक्रम में बीए तथा एमए संगीत वर्गों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ बीए वर्ग के विद्यार्थी संदीप शर्मा से हुआ, जिसने श्रोताओं को बारिश की अनुभूति से सराबोर कर दिया। संदीप शर्मा ने भावपूर्ण भजन "राधे झूलन पधारो, झुकी आए बदरा" को बड़े ही मार्मिक ढंग से प्रस्तुत किया। निखिल सोनी ने राग सुर मल्हार की एक मनोहारी रचना प्रस्तुत की, वहीं आर्यमन चौहान ने पुनः राग मियां मल्हार की दूसरी बंदिश से वातावरण को संगीतमय बना दिया। राधिका यादव ने अपनी छत्तीसगढ़ी लोक रचना सावन के घर बुंदिया पानी कस आंखी ले आंसू बरसे के माध्यम से सावन के सांस्कृतिक पक्ष को उजागर किया।

गीतों पर बटोरीं तालियां

बीए के विद्यार्थियों ने समूह गायन में भी भाग लिया, जिसमें "आई रे आई रे सावन की ऋतु सुहानी" जैसी रचना को एकताल में प्रस्तुत कर सुंदर सामूहिक लय और भाव का परिचय दिया। इसके पश्चात एमए वर्ग की प्रस्तुतियां आरंभ हुईं। वर्षा चतुर्वेदी ने "बरसे बदरिया सावन की, मनभावन की" गीत प्रस्तुत कर तालियां बटोरीं। सलोनी ने "ऐसो कैसो आयो ऋतु रे अमुवा पे मौर न आओ कन्हैय्या, गुजार भंवरा रे" को प्रभावशाली ढंग से पेश किया। छाया मौसमी ने बंदिश "सजन घर आओ रे" को स्वर और ताल के साथ आत्मीयता से निभाया। कार्यक्रम में तबले पर हरि पटेल की संगति रही, जबकि हारमोनियम पर निखिल सोनी, नारायण केहरी ने सफल संगत दी। विद्यार्थियों के लिए हरे रंग का ड्रेस कोड रखा गया था, जिससे संपूर्ण वातावरण सावन की हरियाली और ताजगी से सराबोर हो गया।

सिटी लाइव

स्मोकिंग और प्रदूषित जोन में जाने से बचें लंग्स कैंसर से बचने नियमित करें योग

रायपुर। भागदौड़ भरी जिंदगी में हर व्यक्ति बीमार पड़ता है। इसकी वजह धूल भरे इलाकों में रहने और स्मोकिंग करने से लोग लंग्स में होने वाले कैंसर की गिरफ्त में आ रहे हैं। आज वर्ल्ड लंग्स कैंसर डे पर हरिभूमि ने शहर के डॉक्टर्स से बात की। इस बीमारी के लक्षण, उपाय, खाने में परहेज के बारे में बताया। मेडिकल कॉलेज के डॉ. प्रदीप चंद्रकार ने बताया कि कैंसर का कारण सिर्फ धूम्रपान या वायु प्रदूषण होता है। जबकि हमारी दैनिक जीवनशैली, खानपान, हेल्दी लाइफस्टाइल नहीं होने से भी लोग लंग्स कैंसर का शिकार होते हैं। इसका प्रारंभिक लक्षण खांसी के दौरान मुंह से खून आना, सांस फूलना,शरीर के भागों में लगातार दर्द होना, छाती में दर्द यह सभी लंग्स कैंसर के लक्षण हैं। इनके नजर आते ही नजदीकी पल्मोनोलॉजिस्ट से मिलें और चेकअप कराएं। पुरुषों से ज्यादा महिलाओं में यह बीमारी होने लगी है।

आज वर्ल्ड लंग्स कैंसर डे, डेली लाइफस्टाइल में एड करें साबुत अनाज और योग

खानपान असंयमित होने से शरीर में सूजन

डॉ. चंद्राकर ने बताया कि जो स्मोकिंग करते हैं, वे खुद को तकलीफ पहुंचाते हैं। सेकंड हैंड स्मोकिंग में दूसरे लोगों को समस्या होती है। क्योंकि वे उस जगह में जाकर स्मोक करते या उठते-बैठते हैं। इससे फेफड़े में कैंसर की संभावना बढ़ती है।

ऐसे फूड्स जिनमें ट्रांसफैट, रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट, प्रिजर्वेटिव्स की मात्रा ज्यादा होती है। जैसे बाजार में मिलने वाली नमकीन, केक, बिस्किट, पैकेज्ड स्नैक्स और सॉफ्ट ड्रिंक्स इन्हें डाइट में शामलि करने से शरीर में सूजन बढ़ती है। यह एक ऐसी कंडीशन है, जो कैंसर सेल को बढ़ाने का काम करती है।

फलों को शामिल करना चाहिए

वर्तमान जीवनशैली को देखते हुए एक्सपर्ट ने दैनिक दिनचर्या में योग को अनिवार्य रूप से शामिल करने पर जोर देते हुए बताया कि इससे लंग्स की समस्या कम होती है। धूल और धुंए वाले क्षेत्र में जाने से ऐसे लोगों को बचना चाहिए, जिन्हें सांस से संबंधित परेशानी होती है। ऐसे लोगों अपनी डाइट में हरी सब्जी, फाइबर और एंटी ऑक्सीडेंट से भरपूर फलों को शामलि करना चाहिए। इससे कैंसर का खतरा कम हो जाता है। ताजे फल, हरी सब्जियां और साबुत अनाज न केवल सेल्स को रपेयर करते हैं, बल्कि फेफड़ों को प्रदूषण और हानिकारक तत्वों से भी बचाते हैं। डॉ. चंद्राकर ने बताया कि फेफड़ों की सेहत थाली से भी जुड़ी है।

माउंटेन एडवेंचर के रोमांच को जीने की चाह, ट्रेनिंग के लिए 'छत्तीसगढ़ एडवेंचर क्लब' की शुरुआत

पर्वतारोहण के लिए बढ़ रहा रुझान, पहाड़ों को फतह कर चुके ट्रेकर्स दे रहे छत्तीसगढ़ के युवाओं को ट्रेकिंग का मंत्र

बदलते समय के साथ छत्तीसगढ़ के युवाओं में भी एडवेंचर स्पोर्ट्स को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। खासकर पर्वतारोहण जैसे रोमांच की ओर युवाओं का रुझान तेजी से बढ़ता जा रहा है। ऐसे में कुशल पर्वतारोही बनने के लिए बेहतर प्रशिक्षण और तकनीकी समझ भी जरूरी है। पहले प्रदेश में इस तरह की योग्य ट्रेनिंग की सुविधा नहीं थी, जिससे युवाओं को अन्य राज्यों में जाना पड़ता था। अब कुछ साल पहले ही 'छत्तीसगढ़ एडवेंचर क्लब' की स्थापना की गई है। यह क्लब प्रदेश का एकलौता एडवेंचर स्पोर्ट्स क्लब है, जिसे अनुभवी ट्रेकर्स समूह द्वारा शुरू किया गया है। ऐसे में राष्ट्रीय पर्वतारोहण दिवस पर हरिभूमि टीम ने क्लब के सदस्यों से खास बातचीत की।

रायपुर। छत्तीसगढ़ एडवेंचर क्लब द्वारा रायपुर, सरगुजा, जशपुर, बिलासपुर और गरियाबंद में ट्रेनिंग सेंटर तैयार किया गया है, जहां युवाओं को ट्रेकिंग के दौरान आने वाली चुनौतियों, सुरक्षा, उपकरणों के उपयोग और रखरखाव का व्यावहारिक ज्ञान दिया जाता है। क्लब का उद्देश्य न केवल ट्रेकिंग को बढ़ावा देना है, बल्कि युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली, आत्मनिर्भरता और कॅरियर के नए विकल्पों से भी जोड़ना है। यह पहल छत्तीसगढ़ में एडवेंचर युवा पीढ़ी के बीच ट्रेकिंग कल्चर को नया स्वरूप दे रहा है। हरिभूमि से चर्चा के दौरान संस्था के अनुभवी ट्रेनर्स ने बताया कि युवाओं के लिए लगभग 30 दिनों का ट्रेनिंग कैंप लगाया जाता है, इसमें मौसम व पहाड़ चढ़ने के दौरान सावधानी व चुनौतियों की ट्रेनिंग दी जाती है।

ट्रेनिंग के लिए 50 लोगों की टीम

क्लब की शुरुआत छत्तीसगढ़ के पहले पर्वतारोही राहुल गुप्ता ने की है, जिन्होंने माउंट एवरेस्ट, अफ्रीका महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी माउंट किलीमंजारो, यूरोप महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एल्बुरस, लद्दाख रेंज के गोलेब कांगरी, स्टॉक कांगरी, मेंटो कांगरी, कांगमाचे की चढ़ाई पूरी की है। राष्ट्रीय पर्वतारोहण दिवस के खास मौके पर संस्था के संचालक राहुल गुप्ता ने हरिभूमि से खास बातचीत की। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में 50 लोगों की टीम प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में ट्रेनिंग दे रही है, अब तक 2 हजार से अधिक युवाओं को ट्रेनिंग दी जा चुकी है। राजधानी में अंबुजा मॉल के नजदीक क्लब का हैड ऑफिस है, जहां युवाओं को ट्रेनिंग दी जा रही है।

शुरुआत छोटे ट्रेक, रॉक क्लाइम्बिंग और बेसिक एडवेंचर कोर्स से करें

पर्वतारोहण या एडवेंचर स्पोर्ट्स में कॅरियर बनाने के लिए फिटनेस और बेसिक ट्रेनिंग पर ध्यान देना जरूरी है। इस क्षेत्र में सफलता के लिए तकनीक और अनुभवी प्रशिक्षकों का मार्गदर्शन बेहद जरूरी है। शुरुआत छोटे ट्रेक, रॉक क्लाइम्बिंग और बेसिक एडवेंचर कोर्स से करनी चाहिए, जिससे आत्मविश्वास विकसित होता है। हरिभूमि से विशेष बातचीत में ट्रेनर राहुल गुप्ता ने ट्रेनिंग प्रक्रिया साझा की। उन्होंने बताया, एवरेस्ट पर जाने से पहले मैंने महीनों तक शारीरिक और मानसिक ट्रेनिंग ली। ऊंचाई पर कम ऑक्सीजन में चढ़ाई करने के लिए धैर्य क्षमता, स्ट्रेंथ और ब्रीदिंग एक्सरसाइज पर विशेष ध्यान दिया गया। बर्फीले इलाकों में जीवित रहने की तकनीक, रोप टेक्निक्स और इमरजेंसी रेस्क्यू ड्रील्स की भी कड़ी ट्रेनिंग ली गई।

ट्रेकिंग स्पोर्ट्स के क्षेत्र में कॅरियर के बेहतर विकल्प

क्लब में ट्रेनिंग से पहले युवाओं को अवेयरनेस प्रोग्राम के जरिए एडवेंचर की जानकारी दी जाती है, फिर युवाओं को प्रशिक्षित किया जाता है। पहली बार एडवेंचर में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागियों को लीडर, गाइड और सपोर्टर द्वारा पूरी योजना की जानकारी दी जाती है, जैसे किस रूट से जाना है। कहां रुकना है? कितना भोजन-पानी साथ ले जाना है? बैग का वजन कितना होगा? चलते वक्त क्या सावधानी रखें? ग्रुप से अलग होने पर क्या करें? ट्रेकिंग के दौरान सबसे बड़ी चुनौती पत्थरों की ढलान और बर्फीले इलाकों से गुजरना होता है। इसके बावजूद पानी, भोजन और रुकने के लिए बेस कैंप जैसी व्यवस्थाएं पूरी होती हैं। वर्तमान में एडवेंचर क्षेत्र में कॅरियर की संभावनाएं उत्तर भारत के राज्य हिमाचल, उत्तराखंड और लद्दाख में अधिक हैं।

फूल-पत्तियों, बीज और गोबर से बना रहे इको फ्रेंडली राखियां

स्वसहायता समूह और सोसायटी की महिलाओं की हाथों तैयार इको फ्रेंडली राखियों की डिमांड बढ़ी

रक्षाबंधन पर शहर के स्वसहायता समूह व सोसायटियों की महिलाएं, गर्ल्स व्यापक स्तर पर होममेड इको फ्रेंडली राखियां बनाने में जुटी हैं। वे इको फ्रेंडली राखियों का मार्केट में स्टॉल लगाकर बिक्री कर रही हैं। महिलाएं इको फ्रेंडली राखियों से आर्थिक मुनाफे के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को लेकर काम कर रही हैं। फूल, पत्तियों, चावल, पौधों, गोबर से बनीं इको फ्रेंडली राखियां बनाई हैं, जिसकी खूब डिमांड देखी जा रही है।

कीमत 20 से 35 रुपए तक

बाजार में इको फ्रेंडली राखियों की कीमत 20 से 35 रुपए तक है। इस साल इको फ्रेंडली राखियों की डिमांड बढ़ी है। इको फ्रेंडली राखियां न सिर्फ देखने में खूबसूरत होंगी, बल्कि पर्यावरण के लिए भी अनुकूल होंगी। दरअसल हर साल बाजार में मिलने वाली ज्यादातर राखियों में प्लास्टिक, ग्लिटर और सिंथेटिक धागे लगे हुए होते हैं, जो खराब होने पर मिट्टी में सड़ते नहीं हैं, जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है। ऐसे में इस साल भाई की कलाई पर इको-फ्रेंडली राखी बांधकर पर्यावरण को भी नुकसान होने से बचा सकते हैं।

रायपुर। रक्षाबंधन का त्योहार नजदीक आते ही बाजार में सुंदर-सुंदर राखियां बिकनी शुरू हो जाती हैं। ढेरों डिजाइन और मटेरियल से बनीं राखियां बाजार में देखने को मिलती हैं। गोकुल नगर का महिला स्वसहायता समूह इस पर्व को पर्यावरण संरक्षण और संस्कृति से जोड़कर खास अंदाज में मनाने की तैयारी कर रहा है। समूह की महिलाएं बड़े पैमाने पर गोबर की राखियां बनाने के काम में जुटी हैं। वहीं शहर की रंजीता साहू घर पर कपास या जूट का धागा, सूखे फूल या पंखुड़ियां, मिट्टी, लकड़ी या कागज से बने मोती, पुराने कपड़े के टुकड़े, बीज और कागज से इको फ्रेंडली राखियां तैयार कर मालवीय रोड बाजार में स्टॉल लगाकर बेच रही हैं। साथ ही राखियों को मनचाहा रंग देने नेचुरल कलर का उपयोग किया जा रहा है। महिलाओं ने बताया कि 8 से 10 रंगों का उपयोग कर 10-12 अलग-अलग डिजाइन की इको फ्रेंडली रखियां तैयार की जा रही हैं।

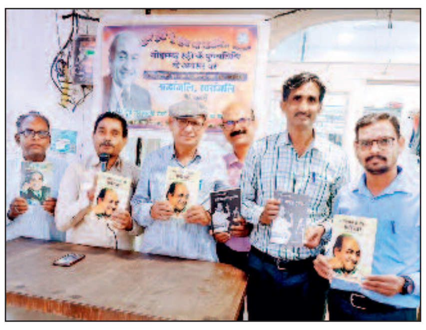

मो. रफी के गीत गुनगुनाए प्रशंसकों ने दी श्रद्धांजलि

रायपुर। महान पार्श्व गायक स्व. मोहम्मद रफी की 45वीं पुण्यतिथि पर प्रशंसकों ने श्रद्धाजलि अर्पित की। ओल्ड लिस्नर्स ग्रुप ऑफ छत्तीसगढ़ जोन द्वारा कटोरा तालाब में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी श्रोताओं ने महान गायक मो. रफी के गीतों को गाकर उन्हें याद किया। इस अवसर पर ओल्ड लिस्नर्स ग्रुप ऑफ छत्तीसगढ़ जोन के पदाधिकारियों सहित अनेक श्रोता उपस्थित रहे। इनमें मोहन लाल देवांगन, रतन जैन, एसपी गोस्वामी, झावेंद्र ध्रुव, योगेश चांडक, ललित साहू, लक्ष्मीनारायण लाहोटी, अनिल तिवारी, चंद्रहास शर्मा, कैलाश छाबड़ा, प्रमोद कुमार सिंह, कुंदन दास सहित अनेक श्रोतावृंद शामिल हुए।

छग फिल्म एंड विजुअल आर्ट सोसाइटी के नाट्य कलाकारों का जीवंत अभिनय

कार्नर न्यूज

छत्तीसगढ़ फिल्म एंड विजुअल आर्ट सोसाइटी द्वारा स्थानीय रंग संस्थाओं के सहयोग से कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती पर नाटक मंचन किया गया। पांच दिवसीय नाट्य समारोह के पहले दिन मुंशी प्रेमचंद के नाटक लांछन की प्रस्तुति की गई। इस नाटक को रचना मिश्रा ने अपने निर्देशन से जीवंत बनाया। नाट्य समारोह का आयोजन सड्डू स्थित जनमंच पर किया गया। नाट्य समारोह में मंचन की प्रस्तुति देखने नाट्य प्रेमियों का हुजूम उमड़ पड़ा।

मौजूदा समय में स्त्रियों पर जुल्म और अत्याचार की व्यथा है 'लांछन'

ये है नाटक की कहानी

प्रेमचंद की कहानी लांछन मौजूदा समय में स्त्रियों पर हो रहे जुल्म और अत्याचार की व्यथा दर्शाती है। साथ ही स्त्रियों पर बेवजह शक करने से किस तरह घर बिखर जाता है, इसको भी प्रमुखता से नाटक में दर्शाया गया है। समाज में स्त्री को छले जाने की कहानी है लांछन। यह नाटक एक महिला के इर्द-गिर्द घूमती है। एक महिला अपने घर में सफाई करने वाले की माली हालात पर तरस खाकर उसकी आर्थिक सहायता करती है, लेकिन महिला का पति बेवजह उस पर शक करता है। पति के बार-बार शक करने की प्रवृत्ति से महिला परेशान हो जाती है। इससे पति-पत्नी के बीच रोजाना झगड़े होते हैं। अंत में पति की असलियत सामने आती है और महिला घर छोड़कर चली जाती है। घर बिखर जाता है। कुछ ऐसा ही देखने को मिला नाटक लांछन में, जो पारिवारिक ताने-बाने को प्रस्तुत करती कहानी है।

रायपुर। नाटक में स्थानीय व राष्ट्रीय स्तर के नाट्य कलाकारों ने अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन से दर्शकों का मन मोहा। नाट्य निर्देशक व कलाकार हीरा मानिकपुरी व छत्तीसगढ़ फिल्म एंड विजुअल आर्ट सोसाइटी के सुभाष मिश्रा ने नाट्य समारोह में नाट्य रंगमंच को लेकर कहा कि मुंशी प्रेमचंद की जयंती पर प्रतिभावान कलाकारों को एक बड़े मंच का अवसर प्रदान किया जा रहा है। इससे नवोदित नाट्य कलाकार अपनी कला से नाट्य प्रेमियों का मनोरंजन करेंगे। इसके लिए छत्तीसगढ़ फिल्म एंड विजुअल आर्ट सोसाइटी से जुड़े कलाकारों का कड़ी अभ्यास आज नाटक लांछन की प्रस्तुति में देखने को मिली। नाट्य समारोह में अपने जीवंत अभिनय से मुंशी प्रेमचंद को उनकी जयंती पर सच्ची श्रद्धांजलि कलाकारों ने अर्पित की। आज नाट्य समारोह में नाटक रसिक की प्रस्तुति किया जाएगा। इसका संपादन, कहानी का वाचन, रंग संगीत हीरा मानिकपुरी द्वारा किया जाएगा।

प्रेमचंद की जयंती पर व्याखान

शासकीय नवीन महाविद्यालय गुढ़ियारी के हिंदी विभाग ने प्रेमचंद जयंती पर व्याख्यान का आयोजन किया। व्याख्यान का विषय 'आज के संदर्भों में प्रेमचंद के विचारों की प्राथमिकता''रखा गया। इस आयोजन में मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय दानवीर तुलाराम स्नातकोत्तर महाविद्यालय के हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सियाराम शर्मा शामिल हुए। उन्होंने अपने व्याख्यान में कहा कि सांप्रदायिकता हमेशा संस्कृति की दुहाई देकर और उसकी खाल ओढ़कर आती है, उसे सीधे आने में शर्म आती है। आज समाज को फिर से धर्म की आड़ में, राष्ट्रवाद की आड़ में बांटने की कोशिश की जा रही है। इसके अलावा आयोजन में छात्र-छात्राओं ने मुंशी प्रेमचंद की कहानी, कविताएं पढ़कर सुनाईं, साथ ही अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर महाविद्यालय में पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन रखा गया। छात्र-छात्राओं में देवेंद्र साहू, दिव्या पाण्डे, हनु जंघेल, नीलम साहू, हेमलता मीर्चे, राहुल विश्वकर्मा, सोनल तथा अन्य छात्र–छात्रओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया।

एज्यूकेशन अपडेट

चंदखुरी में माता कौशल्या मनाएंगी तीज अयोध्या से मायके लाने दो भक्त रवाना

रायपुर। चंदखुरी स्थित माता कौशल्या के मायके में उनकी मूर्ति स्थापित कर धूमधाम से तीजा मनाने की परंपरा इस साल भी निभाई जाएगी। इसे आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी चित्रोत्पला लोककला परिषद द्वारा माता कौशल्या संग तीजा तिहार पर्व धूमधाम से मनाने चंदखुरी में तैयारी की जा रही है। संस्था के निदेशक राकेश तिवारी के बताया कि गुरुवार की रात दो वरिष्ठ सदस्य डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर और राजेश शर्मा माता कौशल्या को तीजा लाने के लिए अयोध्या रवाना हुए। दोनों कलाकार परिषद के निदेशक राकेश तिवारी और मार्गदर्शक अशोक तिवारी सहित चंदखुरी में प्रभा यादव से अंगाकर रोटी ग्रहण करने के बाद लेवाल-पठोने की रस्म निभाई। उन्होंने पुरानी परंपरा का निर्वाह करते हुए रास्ते में खाने के लिए अंगाकर रोटी, अचार, गुड़ प्रदान किया।

महाराज दशरथ की अनुमति से लाई जाएगी मिट्टी

अयोध्या के लिए रवाना हुए दोनों सदस्य महाराज दशरथ से अनुमति लेने के बाद पूजा-पाठ करके पवित्र मिट्टी लाएंगे। मूर्ति के लिए लाई गई मिट्टी का 4 अगस्त को धूमधाम से रेलवे स्टेशन में स्वागत किया जाएगा। इसके बाद 5 अगस्त से माता कौशल्या तथा भगवान श्रीराम की मूर्ति बनाने के लिए प्रसिद्ध मूर्तिकार पीलूराम साहू निमोरा को दायित्व सौंपा जाएगा। मूर्ति को 22 अगस्त को चंदखुरी लाया जाएगा। 23 अगस्त को मूर्ति स्थापना की होगी और 24, 25 एवं 26 अगस्त को विभिन्न रस्मों का आयोजन किया जाएगा।

तीजा उत्सव को सफल बनाने की तैयारी : परिषद के निदेशक ने बताया कि 27 सितंबर को बासी खिलाने और लुगरा भेंट करने के बाद ही माता कौशल्या को शोभायात्रा के साथ विदा किया जाएगा। इससे पहले माता कौशल्या के मायके में सप्ताहभर उत्सव मनाया जाएगा। इस परंपरा को निभाने के लिए परिषद के पदाधिकारियों और सदस्यों को श्री तिवारी ने अलग-अलग दायित्व दिया है। शोभा यादव, नितेश यादव, एकादशी निषाद, ऋतु निषाद, मधु निषाद और धान बाई, किरण, आरती, सविता, तनु, गिरजा, कलिया वर्मा, धर्मेश्वरी वर्मा, हेमलता यादव को इस बार भी दायित्व दिया है।

सिटी इवेंट

अजमेर स्वर्ण रजत समर्पण महोत्सव में बच्चों का योगदान

रायपुर। अजमेर स्वर्ण रजत समर्पण महोत्सव में छोटे-छोटे बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इससे खरतरगच्छाधिपति आचार्य मणिप्रभ सूरीश्वर जैन दादाबाड़ी भैरव सोसायटी में उत्साह का माहौल रहा। इस महोत्सव में कई श्रद्धालु शामिल हुए। जैन दादाबाड़ी में जिनदत्त सूरीश्वर अजमेर के जीर्णोद्धार नूतन वासुपूज्य स्वामी जिनालय और जिनदत्त सूरीश्वर का निर्माण होने जा रहा है। इसमें बच्चों ने अपने गुल्लक के पैसों से चांदी के दो और पांच ग्राम के सिक्के बनवाए तथा निर्माण में योगदान दिया। बच्चों ने कहा, हम खुशी महसूस कर रहे हैं कि निर्माण कार्य में हमें शामिल किया गया है।

नींव में रोपित किए जाएंगे बहुमूल्य रत्न

श्रद्धालुओं को बताया कि दादागुरुदेव हमारे आराध्य हैं। हम प्रतिदिन इक्तीसा जाप करते हैं। यह अजमेर की दादाबाड़ी हमारे भविष्य की आस्था स्थली के रूप में बनाई जा रही है। रात्रि इक्तीसा जाप के समय अनेक श्रद्धालुओं ने सोने और चांदी के सिक्के, मोती माणक इत्यादि बहुमूल्य वस्तुएं समर्पित की। सीमंधर स्वामी जैन मंदिर और दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद और महासचिव महेंद्र कोचर ने बताया कि अजमेर दादाबाड़ी के प्रथम शिलारोपण में यह कलश, सोना, चांदी व बहुमूल्य रत्न इत्यादि नींव में रोपित किए जाएंगे। इसमें श्रद्धालुओं के साथ ट्रस्ट के सदस्य भी शामिल हुए।

कैंपस इवेंट

रामचरित मानस में बताया कर्म और ज्ञान का महत्व

रायपुर। श्री रामचरित मानस को जन-जन तक पहुंचने वाले गोस्वामी तुलसीदास की जयंती पर समता कॉलोनी स्थित शक्तिपीठ में गायत्री परिवार द्वारा संत गोस्वामी तुलसीदास के चित्र की पूजा-अर्चना और माल्यार्पण के साथ ही उन्हें याद किया। मुख्य प्रबंध ट्रस्टी श्याम बैस और सहायक प्रबंध ट्रस्टी सदाशिव हथमल ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदासजी ने अपनी लेखनी से भगवान राम के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाया। उनका जीवन भक्ति, कर्म और ज्ञान का प्रतीक है। जयंती के अवसर पर गायत्री परिजनों ने सुंदरकांड पाठ भी किया। इसमें माताओं और बहनों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इन कड़ी में मीडिया प्रभारी आरके शुक्ला ने बताया कि संत तुलसीदासजी ने अपने लेखन से लोगों को धर्म, नैतिकता और सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया।

मानस के रूप में अमृत दिया, इसे सभी पी रहे

गोस्वामीजी कहते हैं यह शरीर खेत और मन मानो किसान है। इसमें पाप और पुण्य रूपी दो प्रकार के बीजों को बोया जाता है। जैसा बीज बोया जाएगा, वैसे ही अंत में फल काटने को मिलेंगे। तुलसीदासजी का जीवन बहुत ही बेहतर और मानव जगत के लिए प्रेरक है। गोस्वामीजी ने मानस रूप में ऐसा अमृत दिया है, जिसे आज घर-घर में सभी पी रहे हैं। इस अवसर पर सुंदरकांड पाठ के बाद भगवान राम की आरती के साथ ही प्रसादी वितरण किया गया। इसमें जोन समन्वयक आदर्श वर्मा, ट्रस्टी दीनानाथ शर्मा, परिव्राजक नरेंद्र कुमार आडिल, तोरण साहू और नीलम सिन्हा के साथ बड़ी संख्या में गायत्री परिजन शामिल हुए।

सिख गुरु हरगोविंद सिंह साहेब की पुरातनी कृपाण, कटार, ढाल, हुकमनामा, पवित्र ग्रंथों के प्रदर्शन से शहादत, शौर्य का संदेश

गुरुद्वारों में एक घंटे की संगत में बता रहे पवित्र निशानियों का इतिहास, दादा के बाद विरासत को आगे बढ़ा रहा पोता

पंजाब भटिंडा के भाईरूपा गांव से 18 वर्षीय भाई जसकरन सिंह धर्म प्रचार-प्रसार को लेकर राजधानी पहुंचे हुए हैं। वे सिख गुरु हरगोविंद सिंह साहेब की पुरातनी कृपाण, कटार, ढाल, हुकमनामा, पवित्र ग्रंथों का राजधानी के गुरुद्वारों में 1 घंटे की संगत व प्रदर्शनी कर पवित्र निशानियों के इतिहास का गौरवगान कर रहे हैं। भाई जसकरन अपने वंशज की 14वीं पीढ़ी हैं, जिन्होंने अपने दादाजी के बाद लगभग 450 वर्ष पूर्व से सिख गुरु हरगोविंद सिंह साहेब की कृपाण, कटार, ढाल, हुकमनामा, पवित्र ग्रंथों की सुरक्षा व प्रचार की चली आ रही विरासत की जिम्मेदारी को आगे बढ़ाने का बीड़ा उठाया है।

450 साल से पवित्र निशानियों को संजोये रखा है परिवार

डॉ. भगवान सिंह खोजी ने बताया कि गुरु हरगोविंद साहेब जी के परम प्रिय सिख भाई रूपचंद सिंह को गुरु हरगोविंद साहेब जी व गुरु गोविंद सिंह के ऐतिहासिक युद्ध सामग्री, ग्रंथ साहेब समेत जिन 13 पवित्र निशानियों की सुरक्षा व प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी मिली थी, उनको सिख भाई रूपचंद सिंह की 14वीं पीढ़ी लगभग 450 वर्षों बाद आज भी संजोकर अपने परिवार में रखा हुआ है और सिख गुरुओं की पवित्र निशानियों को पूरे देश व दुनिया में लेकर प्रचार-प्रसार कर सिख गुरुओं की बलिदान, वीरता, शौर्य, उपदेशों को जन-जन तक पहुंचाने की विरासत को आगे बढ़ाने का पवित्र कार्य किया जा रहा है।

5 हजार किमी. से अधिक यात्रा कर पहुंचे राजधानी

डॉ. भगवान सिंह खोजी और भाई जसकरन सिंह पंजाब भटिंडा से कार में गुरु साहेबजी की 13 निशानियों को लेकर देशभर के गुरुद्वारों तक प्रचार-प्रसार करने अपनी 21 दिवसीय यात्रा पर निकले हुए हैं। वे दोनों अब तक पंजाब से राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश होते हुए करीब 5 हजार किलोमीटर की यात्रा कर छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के तेलीबांधा स्थित बाबा बुड्ढा सिंग साहेबजी गुरुद्वारा पहुंचे हुए हैं, जहां 7 पवित्र निशानियों का प्रदर्शनी व संगत के माध्यम से समाज के लोगों के बीच प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। इसके उपरांत आज शुक्रवार को सुबह-शाम के समय में टाटीबंध गुरुद्वारे में समागम में भाग लेंगे।

रायपुर। इसी कड़ी में गुरुवार को तेलीबांधा स्थित बाबा बुड्ढा सिंग साहेब गुरुद्वारे में रात 8 बजे से 1 घंटे सिख गुरु के इतिहास को संगत के माध्यम से समाजजनों के बीच प्रसारित किया। वे सिख धर्मस्थल, परिवार व प्रचार के खोजी डॉ. भगवान सिंह खोजी के साथ प्रचार-प्रसार पर राजधानी पहुंचे हैं।

भाई जसकरन सिंह ने अपने पूर्वजों की इस विरासत को लेकर हरिभूमि से बातचीत में बताया कि उनके पूर्वज रूपचंद सिंहजी ने 450 वर्ष पहले संभाली थी, तब से परिवार में पीढ़ी दर पीढ़ी गुरुसाहेब की पवित्र निशानियों का देश-दुनिया में प्रचार-प्रसार से गौरवगान चला आ रहा है। मेरे पिताजी कृषि कार्य में लग गए, ऐसे में मेरे दादाजी के प्रेरणा पाकर मैं 14वीं पीढ़ी के रूप में गुरु हरगोविंद सिंह साहेब की कृपाण, कटार, ढाल, हुकमनामा, पवित्र ग्रंथों सहित 13 पवित्र निशानियों को लेकर 21 दिनों की यात्रा पर निकला हूं। गुरु तेगबहादुर साहेब के 350वें शहीदी पर्व के अवसर पर पूरी दुनिया में सिख धर्म का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

प्रिज्म व केमिकल ट्रीटमेंट से सुरक्षित रखे हुए हैं पवित्र निशानियां

डॉ. भगवान सिंह ने बताया कि पवित्र 13 निशानियों को रूपचंद के परिवार के यहां ही भारत सरकार के नेशनल म्यूजियम के निगरानी में केमिकल ट्रीटमेंट कर फर्नीचर-ग्लास के बॉक्स में प्रिज्म कर रखा गया है। इसे विशेष प्रकार के दस्ताने पहनकर ही स्पर्श किया जाता है। किसी भी तरह की झरन से बचाने विशेष ध्यान व उपाय का पालन परिवार के लोग कर रहे हैं।

दादाबाड़ी में आत्मोत्थान चातुर्मास-2025 प्रवचनमाला

शांति, प्रसन्नता और सौम्यता का भाव जीवन को बनाता है बेहतर

रायपुर। श्री जिनकुशल सूरी दादाबाड़ी में आत्मोत्थान चातुर्मास-2025 के अंतर्गत आयोजित प्रवचनमाला में गुरुवार को हंसकीर्ति श्रीजी ने धर्मरत्न प्रकरण ग्रंथ का वाचन करते हुए कहा, जीवन में शांति, प्रसन्नता और सौम्यता स्वयं से ही आरंभ होती है। जब व्यक्ति आत्मचिंतन करता है, अपने व्यवहार को समझता है और हर परिस्थिति में धैर्य बनाए रखता है, तब उसका जीवन बेहतर बनता है। साध्वीजी ने कहा कि "स्वयं की गहराई से हर प्रसंग को देखना चाहिए, तभी हमारा व्यवहार संतुलित और सौम्य रहेगा।" उन्होंने अपने प्रवचन में कई शिक्षाप्रद प्रसंगों का उल्लेख किया, जो जीवन में सकारात्मक सोच और आत्मनियंत्रण की आवश्यकता को उजागर करते हैं।

क्रोध और क्षमा का जीवन में प्रभाव : एक प्रसंग के माध्यम से उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति जो स्वभाव से अत्यधिक क्रोधित था, उसके घर पुत्र का जन्म हुआ। पुत्र लोभी स्वभाव का था, लेकिन पिता का स्वभाव इतना कठोर था कि वह किसी से मधुर व्यवहार नहीं कर पाता था, भले ही सामने वाला उसे उपहार भी क्यों न दे। समाधान की तलाश में वह एक संत के पास पहुंचा, जहां संत ने उसे शास्त्रों की दृष्टि से समझाया कि "पिछले जन्मों के संस्कारों के कारण तुम्हारे जीवन में क्रोध की प्रवृत्ति आई है, जबकि पुत्र को देवगति प्राप्त हुई है।" इससे यह शिक्षा मिलती है कि हमें दूसरों की छोटी बातों को लेकर क्रोध नहीं करना चाहिए, बल्कि क्षमा भाव अपनाना चाहिए।

श्रद्धा के बिना जीवन में कुछ नहीं

टैगोर नगर स्थित पटवा भवन में गुरुवार को चातुर्मासिक प्रचवनमाला में उपाध्याय प्रवर युवा मनीषी मनीष सागरजी महाराज ने कहा कि जीवन में श्रद्धा का गुण धारण करो। श्रद्धा का अर्थ आस्था, विश्वास व निष्ठा है। श्रद्धा का अर्थ है समर्पण। श्रद्धा का अर्थ है एक ऐसा प्रेम, जो विश्वास का रूप लेता है। श्रद्धा के बिना जीवन नहीं चलता। श्रद्धा के बगैर जीवन शून्य है। श्रद्धा केवल देव, गुरु और धर्म के प्रति ही नहीं, अपनों के प्रति भी होनी चाहिए। तभी जीवन में एक-दूसरे के प्रति विश्वास बना रहेगा। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि श्रद्धा तभी आएगी, जब विश्वास होगा। हमारी ताकत विश्वास है। यह विश्वास हमें ऊर्जा देता है। विश्वास एक उल्लास देता है। श्रद्धा और विश्वास पर ही दुनिया टिकी है। भक्ति बाद में होती है, प्रीति पहले होती है। जैसे परमात्मा एवं गुरु हमें अच्छे लगते हैं, फिर हम उनकी पूजा करते हैं। धर्म व शस्त्र जीवन के अमृत लगे, फिर इनका सेवन होता है। पहले प्रीति होगी, फिर भक्ति होगी तो श्रद्धा सही रूप लेगी। हम भी देव, गुरु और धर्म से प्रीति-भक्ति करें।

गोस्वामी तुलसीदास ने श्री रामचरित मानस में बताई जीवन जीने की कला

रायपुर। गोस्वामी तुलसीदासजी ने श्री रामचरित मानस की रचना करने के साथ जन-जन को जीवन जीने की कला भी बताई। कुछ इसी तरह के संवादों से सरयूपारीण ब्राह्मण समाज भवन में गुरुवार को कई वक्ता जुड़े।

गोसाईं तुलसीदास जयंती के अवसर को खास बनाने के लिए हर वर्ग के लोग जयंती उत्सव का हिस्सा बने। श्री रामचरित मानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास के जीवन, उनकी रचनाओं पर विशेष चर्चा हुई। आयोजन में सदस्यों के साथ युवा भी शामिल हुए। जिन्होंने बारीकी से तुलसीदासजी के बारे में जाना। कार्यक्रम में संस्कृत भारती संगठन के महामंत्री डॉ. दादूभाई त्रिपाठी ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदासजी ने श्री रामचरित मानस से पूरी मानव जाति को जीने की कला सिखाने का काम किया। उन्होंने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के बारे में बताया और कहा, जिस तरह भगवान राम ने मां कैकेयी के कहने मात्र पर ही 14 साल वन में बिताए, वैसे ही हमें अपने मां-बाप की आज्ञा का पालन करना चाहिए।

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को किया सम्मानित

जयंती समारोह में सरयूपारीण ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष डॉ. सुरेश शुक्ला ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास का जन्म तो सरयूपारीण समाज में हुआ, लेकिन उनकी व्यापकता स्वीकार्यता हर समाज में है। भगवान श्रीराम की कथा को जन-जन की भाषा में लिखकर हर घर तक पहुंचाने का काम किया। कार्यक्रम के दौरान ही कई प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर उन्हें सम्मानित किया। इसमें राममूरत तिवारी, कैलाश तिवारी, संगम त्रिपाठी, विश्वेंद्र, राजेंद्र शर्मा, राजेश त्रिपाठी, आचार्य आरके पांडे, यदुवंश मनी त्रिपाठी, उमाकांत तिवारी, शिवबदन मिश्रा, अरुण दुबे, प्रवीण चौबे प्रमुख रूप से शामिल हुए।

हरतालिका तीज से पहले प्रदेशभर में रौनक, राजस्थान, गुजरात, दिल्ली, कोलकाता से साड़ियों की खरीदारी

तीज पर राजस्थानी पारंपरिक गोटा-पट्टी वर्क, मॉडर्न लुक में सीक्विन, मिरर, पर्ल व कटदाना वर्क महिलाओं की पसंद

कार्नर न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में तीजा-पोला का पर्व हर वर्ष बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष यह खास पर्व 26 अगस्त को मनाया जाएगा। पर्व को लेकर राज्यभर के बाजारों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। इस अवसर पर विवाहित बेटियां अपने मायके पहुंचकर, पति की दीर्घायु के लिए माता पार्वती की आराधना करती हैं। ऐसे में महिलाओं के लिए बाजारों ने साड़ियों का नया कलेक्शन दुकानों में सज चुका है, जहां खरीदारी के लिए रोजाना महिलाएं बड़ी संख्या में पहुंच रही हैं। दुकानदारों के अनुसार, इस वर्ष भड़कीले रंगों की साड़ियां महिलाओं की पहली पसंद बनी हुई हैं। वहीं नई विवाहित महिलाएं हैवी ब्लाउज के साथ लाइट वर्क वाली साड़ियों को अधिक पसंद कर रही हैं। हरतालिका तीज से पहले प्रदेशभर में रौनक देखने को मिल रही है, इस दौरान दुकानों में राजस्थान, गुजरात, दिल्ली, कोलकाता से साड़ियां बल्क में मंगाई जा रही हैं।

हैवी ब्लाउज के साथ भड़कीले रंग की साड़ियों की डिमांड : *तीजा पर्व के आते ही शहर के बाजारों में रौनक बढ़ गई है। महिलाएं पारंपरिक परिधानों की खरीदारी के लिए दुकानों तक पहुंच रही हैं। शहर स्थित सत्यम शिवम सुंदरम दुकान के संचालक मयूर वाधवानी ने बताया कि बटर जॉर्जेट साड़ियों की मांग सबसे अधिक देखने को मिल रही है। बाजार में भड़कीले रंग की साड़ियों की डिमांड सबसे अधिक है, इसमें लाइट वर्क, गोटा वर्क की साड़ी और हैवी ब्लाउज खरीद रहे।*

हरतालिका तीज पर 10-20 लाख का व्यवसाय

पंडरी रोड स्थित श्री शिवम के संचालक गोपाल राठी ने बताया कि इस अवसर महिलाओं की पसंद को ध्यान में रखते हुए राजस्थान से खास डिजाइनर साड़ियों का नया कलेक्शन मंगाया गया है। दुकान में 1000 से लेकर 20 हजार तक की प्रीमियम रेंज में साड़ियां उपलब्ध हैं। तीज पर्व के खास अवसर पर महिलाओं में विशेष रूप से गोटेदार साड़ी, हैंडवर्क व बांधनी की साड़ियों में डिमांड बढ़ी है, जिसमें कढ़ाई वर्क व डिजाइन में बारीक डिटेलिंग की गई है। पारंपरिक राजस्थानी शैली की ये साड़ियां चमकीले गोटे और किनारियों से सजी होती हैं। तीज जैसे त्योहार के लिए इनकी भव्यता महिलाओं को खूब लुभा रही है। इस वर्ष तीज के खास मौके पर 10-20 लाख तक का व्यवसाय होने की उम्मीद है।

तीजा पर बेंगलुरु, कोयंबटूर कोलकाता और दिल्ली से खरीदारी

सुमीत बाजार से अजीत कांकरिया ने बताया, तीज पर्व में महिलाएं कांजीवरम, बनारसी और सिल्क साड़ियों में सिल्वर-गोल्डन धागों से तैयार जरी वर्क की तैयार साड़ियां पसंद कर रही हैं। वहीं राजस्थानी पारंपरिक गोटा-पट्टी वर्क, मॉडर्न लुक में सीक्विन, मिरर, पर्ल व कटदाना वर्क पसंद कर रही हैं। इन साड़ियों को खासतौर पर साउथ इंडिया, बेंगलुरु, कोयंबटूर, कोलकाता और दिल्ली से मंगाया जा रहा है।

सिटी स्पोर्ट्स

जिला टेबल टेनिस लीग में अर्जुन, समाया तथा आर्यन एवं वेदी बने विजेता

रायपुर। राजधानी टेबल टेनिस संघ द्वारा 26 और 27 जुलाई को आयोजित स्व. श्री ज्ञान चंद लुनिया स्मृति- द्वितीय जिला त्रैमासिक लीग टेबल टेनिस प्रतियोगिता में विभिन्न वर्ग में रोमांचक मुकाबले हुए। सीनियर पुरुष एकल वर्ग में अर्जुन मल्होत्रा, सीनियर महिला एकल वर्ग में समाया पांडे, सब जुनियर (अंडर-15) बालक एकल वर्ग में आर्यन सिंह तथा सब जूनियर (अंडर -15) बालिका एकल वर्ग में वेदी कच्छवाहा विजेता बने। प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के सह सचिव विमल नायर थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता गरियाबंद जिला टेबल टेनिस संघ के अध्यक्ष प्रदीप वर्मा ने की तथा विशेष अतिथि कोरिया जिला संघ के सचिव पीएन मजूमदार थे। मंच संचालन प्रवीण निरापुरे ने किया। प्रतियोगिता में सीनियर पुरुष एवं महिला एकल वर्ग के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त विजेता खिलाड़ियों को रनिंग ट्राफी, नगद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र तथा सब जुनियर बालक एवं बालिका (अंडर-15) एकल वर्ग के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त विजेता खिलाड़ियों को रनिंग ट्राफी, मोमेंटो एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। प्रतियोगिता के सभी वर्गों के अंतिम परिणाम में सीनियर पुरुष वर्ग विजेता अर्जुन मल्होत्रा, उपविजेता- विशाल डेकाटे 2-1 तृतीय एम रविराज रहे। उपरोक्त तीनों खिलाड़ियों के अतिरिक्त यशवंत डेकाटे, आर्यन कुमार, लोकेश जांगड़े, कवीश काला, वरुण दत्त अग्रवाल ने क्रमशः चौथा से आठवां स्थान प्राप्त किया। सीनियर महिला वर्ग विजेता समाया पांडे, उपविजेता आरना खोटेले 2-1 तृतीय इसी मिश्रा रहे। उपरोक्त तीनों खिलाड़ियों के अतिरिक्त उपासी धनगड़, वेदी कच्छवाहा, अदिति भंसाली ने क्रमशः चौथा से छठवां स्थान प्राप्त किया। सब जूनियर (अंडर-15) बालक वर्ग विजेता आर्यन सिंह, उपविजेता श्रेष्ठ मिश्रा 2-0 तृतीय कवीश काला (उपरोक्त तीनों खिलाड़ियों के अतिरिक्त विहान अग्रवाल, तेजस जादवानी, आरुष नत्थानी, शाश्वत पांडे, नीरव तिवारी ने क्रमशः चौथा से आठवां स्थान प्राप्त किया) सब जुनियर (अंडर -15) बालिका वर्ग विजेता वेदी कच्छवाहा, उपविजेता समाया पांडे 2-1 तृतीय इसी मिश्रा रहे। उपरोक्त तीनों खिलाड़ियों के अतिरिक्त अनम प्रवीण ने चौथा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक भूपेंद्र सिंह राजवंशी एवं सहायक निर्णायक अरुण बावरिया और अजीत बेनर्जी थे। इस अवसर पर तरुण राठोड, इंसी पांडे, प्रिया चावड़ा, पुलकित यदु और लाभांशु यदु आदि उपस्थित थे। यह जानकारी सचिव विनय बैसवाड़े ने दी।

क्रिकेटरों की मानसिकता पर पीएचडी हासिल की शबाब ने

रायपुर। टर्मिनेटर क्रिकेट एकेडमी के संस्थापक और वरिष्ठ एनआईएस क्रिकेट कोच मो शबाब बख्श कुरैशी ने मैट्स यूनिवर्सिटी से गाइड प्रोफ़ेसर डॉ अलोक सिंह के मार्गदर्शन में क्रिकेट खेल के क्षेत्र में डॉक्टरेट (पीएचडी) की उपाधि प्राप्त कर एक और उपलब्धि अपने नाम की है। उनके शोध का विषय "मोटर कौशल पर आधारित अंडर-19 क्रिकेट खिलाड़ियों के व्यक्तित्व एवं कौशल क्षमता का तुलनात्मक अध्ययन" था। जिसमें उन्होंने देश के उभरते क्रिकेट खिलाड़ियों की मानसिकता, तकनीकी दक्षता और सीखने की योग्यता का गहन विश्लेषण प्रस्तुत किया। मैट्स यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ केपी यादव ने शबाब की उपलब्धि की सराहना करते हुए बधाई दी और कहा, "शबाब कुरैशी की यह उपलब्धि हमारे संस्थान के लिए गर्व का विषय है। उनका शोध कार्य क्रिकेट के छेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है! "

डॉ शबाब कुरैशी अनेको राज्य और राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को तैयार करने तक का सफर तय कर चुके हैं। उनकी कोचिंग में तैयार किए गए कई खिलाड़ी इंडिया ए ट्रॉफी, विजि ट्रॉफी एनसीए, बीसीसीआई और सीएससीएस द्वारा आयोजित कई प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में भाग ले चुके है। डॉ कुरैशी ने अपनी इस सफलता का श्रेय माता-पिता के साथ डॉ रीता वेणु गोपाल राव, डॉ सीडी अगाशे, डॉ रविंद्र मिश्रा, डॉ राजीव चौधरी, डॉ विजय चौरसिया, नवीन शर्मा, ज्ञानेश शर्मा, इशाक खान, प्रोफ़ेसर हुसैन उल्लाह खान और डॉ आयाज़ अहमद खान को दिया।

छत्तीसगढ़ बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता आज से भिलाई में

भिलाई। 25 वीं छत्तीसगढ़ सब जूनियर एवं सीनियर बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता बालक एवं बालिका का आयोजन भिलाई इस्पात संयंत्र बॉल बैडमिंटन खेल परिसर सेक्टर 4, भिलाई मे 01 से 06 अगस्त तक किया जा रहा है। प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों की बालक एवं बालिकाओं की टीमें भाग ले रही है।

चिकित्सक ने बताए डायबिटीज रोगियों के लिए बरते जाने वाली सावधानी

डायबिटीज में शरीर का हीलिंग सिस्टम होता है प्रभावित, घाव भरने में हो रही देरी के लक्षण को लें गंभीरता से

डायबिटीज हमारे शरीर को कई प्रकार से प्रभावित कर सकती है, इसलिए इसके लक्षण भी उसी आधार पर अलग-अलग होते हैं। इस बीमारी में घावों के ठीक होने में बहुत अधिक समय लगना सबसे आम लक्षण देखा जाता रहा है। पर क्या आपने सोचा कि ऐसा होता क्यों है?

डायबिटीज एक गंभीर समस्या है, जिसका खतरा तेजी से बढ़ता जा रहा है। बच्चे हों या बुजुर्ग सभी इसका शिकार हो रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जिन लोगों के परिवार में पहले से किसी को डायबिटीज की समस्या रही है, उन्हें विशेष सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता होती है। डायबिटीज यानी ब्लड शुगर बढ़े रहने की स्थिति शरीर के अंगों को कई प्रकार से प्रभावित करने वाली हो सकती है। इससे समय के साथ हृदय रोग, किडनी की बीमारी, आंखों और तंत्रिकाओं की समस्या हो सकती है। चूंकि डायबिटीज हमारे शरीर को कई प्रकार से प्रभावित कर सकती है, इसलिए इसके लक्षण भी उसी आधार पर अलग-अलग होते हैं। इस बीमारी में घावों को ठीक होने में बहुत अधिक समय लगना सबसे आम लक्षण देखा जाता रहा है। पर क्या आपने सोचा कि ऐसा होता क्यों है? आइए इस बारे में जानते हैं।

डायबिटीज में घाव भरने में लगता है ज्यादा समय

जब शरीर में किसी भी तरह का कट, खरोंच या घाव होता है, तो हमारा शरीर तेजी से उस घाव को भरने और घाव को संक्रमण से बचाने में लग जाता है। लेकिन डायबिटीज के मरीजों के लिए ये काम काफी कठिन रहता है। इतना ही नहीं कई बार मामूली सा घाव भी ठीक होने में महीनों तक का समय लग सकता है और कुछ स्थितियों में ये गंभीर संक्रमण का रूप भी ले लेता है। यहां यह समझना जरूरी है कि डायबिटीज में घाव भरने में इतना समय क्यों लगता है? इसके पीछे क्या कारण हैं? डॉक्टर ने इसे आसान भाषा में समझाया है।

क्या कहते हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ?

एम्स के वरिष्ठ डायबेटोलॉजिस्ट डॉ अल्तमश शेख बताते हैं, डायबिटीज रोगियों में घाव को ठीक होने में अधिक समय लगना बहुत आम है। इसके लिए कई कारणों को जिम्मेदार माना जाता रहा है। पहला कारण डायबिटीज की स्थिति में खून में ग्लूकोज की मात्रा काफी बढ़ जाती है। हाई ब्लड शुगर, घाव भरने की प्राकृतिक प्रक्रिया को कई तरह से प्रभावित कर सकती है। यह सफेद रक्त कोशिकाओं की कार्यक्षमता को कमजोर कर देती है, जिससे शरीर की संक्रमण से लड़ने की ताकत घट जाती है और संक्रमण के कारण घाव जल्दी नहीं ठीक हो पाते।

डायबिटीज के कारण शरीर पर होने वाला असर

डॉ शेख बताते हैं, घावों को ठीक होने में अधिक समय लगने और संक्रमण बढ़ने का एक कारण रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने को माना जाता है। कमजोर इम्यूनिटी के कारण घावों पर बैक्टीरिया और फंगस को पनपने का मौका मिल जाता है, जिसके कारण कट पर संक्रमण होने का खतरा अधिक देखा जाता रहा है। इसके अलावा डायबिटीज की स्थिति शरीर की छोटी-छोटी रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाने लगती है। इससे उस हिस्से तक ऑक्सीजन और पोषक तत्वों की आपूर्ति कम हो जाती है जहां घाव है। इससे घाव की जगह नई कोशिकाओं का निर्माण धीमा हो जाता है, जिसके कारण घावों को ठीक होने में सामान्य से अधिक समय लग सकता है। चूंकि घाव ठीक होने में अधिक समय लग रहा होता है, इसलिए वहां पर संक्रमण होने का खतरा भी बढ़ जाता है।

डायबिटीज के कारण सफेद रक्त कोशिकाओं की घट जाती है क्षमता

डायबिटीज और इसके कारण होने वाली समस्याओं के बारे में जर्नल ऑफ क्लिनिकल इन्वेस्टिगेशन (2019) के अनुसार, डायबिटीज के मरीजों में सफेद रक्त कोशिकाओं की प्रभाविकता 40-50% तक घट जाती है, संक्रमण बढ़ने का ये प्रमुख कारण माना जाता रहा है। डायबिटीज के मरीजों में डायबिटिक फुट नामक समस्या का खतरा अधिक रहता है। ये स्थिति में पैरों में अल्सर बनने लगता है जिसकी गंभीर स्थिति में लगभग 15% मामलों में पैर काटने तक की नौबत आ सकती है। डॉ अल्तमश शेख कहते हैं, डायबिटीज में इस तरह के जोखिमों से बचे रहने के लिए सबसे जरूरी है कि आप ब्लड शुगर को नियंत्रित रखें। नियमित रूप से पैरों और त्वचा की जांच करते रहें। किसी भी चोट या छोटा घाव होने पर तुरंत डॉक्टर से सलाह लें। मधुमेह के कारण एडवांस ग्लाइसेशन एंड प्रोडक्ट्स (एजेस) का निर्माण हो सकता है। ये यौगिक शर्करा अणुओं के प्रोटीन से जुड़ने से बनते हैं। ये एजेस रक्त वाहिकाओं और त्वचा सहित ऊतकों में जमा हो सकते हैं। ये सूजन और ऑक्सीडेटिव तनाव को बढ़ा सकते हैं, जिससे घाव भरने की प्रक्रिया और भी बाधित हो सकती है।

बार-बार सर्दी-जुकाम होने से परेशान हैं तो करें इसके उपाय

अक्सर कुछ लोगों को बार-बार सर्दी-जुकाम होता है। ऐसे में बहुत लोगों को सवाल होता है कि आखिर इसके पीछे की मुख्य वजह क्या है? इसी के बारे में जानते हैं। साथ ही ये भी जानेंगे कि जुकाम के शुरुआती लक्षण दिखने पर क्या करना चाहिए। बदलते मौसम में या बिना किसी स्पष्ट कारण के बार-बार सर्दी-जुकाम होना एक आम लेकिन बेहद परेशान करने वाली समस्या है। यह न केवल दिनभर की गतिविधियों को प्रभावित करता है, बल्कि शरीर को थका हुआ और कमजोर भी महसूस कराता है। बहुत से लोग सोचते हैं कि यह सिर्फ मौसम बदलने या ठंडी हवा लगने के कारण होता है, लेकिन अक्सर इसके पीछे कुछ और गहरे कारण छिपे होते हैं, जो हमारी आदतों और प्रतिरक्षा प्रणाली से जुड़े होते हैं। अगर आप भी बार-बार सर्दी-जुकाम की चपेट में आते रहते हैं, तो यह आपको जरूर जानना चाहिए।

बार-बार सर्दी-जुकाम होने के मुख्य कारण

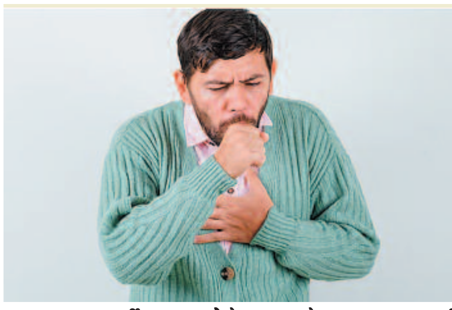

बार-बार सर्दी-जुकाम होने का सबसे बड़ा कारण हमारी कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली है। जब शरीर की रोगों से लड़ने की शक्ति कम हो जाती है, तो वह आसानी से वायरस और बैक्टीरिया की चपेट में आ जाता है।

आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर होने के कई मुख्य कारण हो सकते हैं, जो आपको बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील बनाते हैं। इनमें सबसे पहले पोषण की कमी आती है, जहां विटामिन सी, विटामिन डी और जिंक जैसे जरूरी पोषक तत्वों की कमी से शरीर की रोगों से लड़ने की शक्ति कम हो जाती है। दूसरा महत्वपूर्ण कारण नींद की कमी है; जब आप पर्याप्त नींद नहीं लेते, तो शरीर को खुद को ठीक करने और प्रतिरक्षा कोशिकाओं को बनाने का समय नहीं मिलता, जिससे आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित होती है।

तीसरा कारण पुराना तनाव है, क्योंकि लंबे समय तक तनाव में रहने से कोर्टिसोल जैसे स्ट्रेस हार्मोन का स्तर बढ़ता है, जो प्रतिरक्षा प्रणाली को दबा देता है। इन सब के अलावा वायरस का बार-बार संपर्क भी एक बड़ी वजह है, जैसे भीड़-भाड़ वाली जगहों पर रहना या साफ-सफाई का ठीक से ध्यान न रखना, जिससे आप बार-बार वायरस की चपेट में आते हैं और संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है।

हाथों की स्वच्छता और व्यक्तिगत साफ-सफाई

सर्दी-जुकाम फैलाने वाले वायरस मुख्य रूप से हाथों के माध्यम से फैलते हैं। जब हम किसी संक्रमित सतह को छूते हैं और फिर अपने चेहरे (आंखें, नाक, मुंह) को छूते हैं, तो वायरस हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। इसलिए, हाथों की स्वच्छता सबसे महत्वपूर्ण बचाव का उपाय है। नियमित रूप से और अच्छी तरह से अपने हाथों को साबुन और पानी से कम से कम 20 सेकंड तक धोएं, खासकर खांसने, छींकने, सार्वजनिक सतहों को छूने के बाद हाथ को अच्छे से साफ करें।

घर पर पुराने कपड़े रखने से बढ़ती है नकारात्मकता, जानिए इससे जुड़े उपाय

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर पर पुराने, फटे और बेकार हो चुके कपड़ों से नकारात्मकता फैलती है। वास्तु में पुराने कपड़ों को घर पर ज्यादा दिनों तक रखना अच्छा नहीं माना जाता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर पर फटे, पुराने और बेकार हो चुके कपड़ों से हमेशा ही नकारात्मक ऊर्जा फैलती है इसलिए अशुभता को बढ़ाने वाले इन कपड़ों को तुरंत ही घर से बाहर निकाल दें। इससे जीवन में मानसिक तनाव और आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार जिन कपड़ों के रंग उतर गए हों, ऐसे कपड़े जिसमें किसी तरह का दाग लगा हुआ हो, कपड़े फटे और सिलाई खुली हो तो ऐसे कपड़ों से नकारात्मकता फैलती है। ऐसे में इन कपड़ों को भूलकर भी नहीं पहना चाहिए।

वास्तु शास्त्र के अनुसार कभी भी पुराने और फटे हुए कपड़ों को जरूरतमंदों दान में नहीं देना चाहिए। हमेशा अच्छी स्थिति में कपड़ों को दान करना अच्छा माना जाता है।

बेडरूम में रखें फेंगशुई से खिंची चली आएगी सकारात्मक ऊर्जा

अक्सर कपल के बीच में लड़ाई होती है, इसका एक बड़ा कारण घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार है। ऐसे में बेडरूम में आप फेंगशुई के कुछ सामान लाकर अपने घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर सकते हैं।

हरे पौधे: फेंगशुई में हरे पौधे जीवन शक्ति और विकास का प्रतीक माने जाते हैं। बेडरूम में छोटे हरे पौधे, जैसे मनी प्लांट, पीस लिली या बांस का पौधा, रखें। इन्हें बेडरूम की पूर्व या दक्षिण-पूर्व दिशा में रखना शुभ होता है। ये पौधे हवा को शुद्ध करते हैं और सकारात्मक ऊर्जा लाते हैं। हालांकि, रात में ऑक्सीजन की खपत करने वाले बड़े पौधों से बचें।

क्रिस्टल: फेंगशुई में क्रिस्टल को ऊर्जा संतुलन का प्रतीक माना जाता है। बेडरूम में गुलाबी क्वाट्र्ज या अमेथिस्ट क्रिस्टल रखें, जो प्रेम, शांति और नींद को बढ़ावा देते हैं। इन्हें बेड के पास या उत्तर-पूर्व दिशा में रखें। गुलाबी क्वाट्र्ज पति-पत्नी के बीच प्रेम और समझ को बढ़ाता है, जबकि अमेथिस्ट तनाव कम करता है।

रायपुर बाजार
Contact For Advertisement 79871 19756 90981 38778

UNLIMITED QUALITY FOOD
NEW MENU EVERY DAY
MONDAY TO FRIDAY 12:00 PM TO 3:30 PM
DELICIOUS THAALI STARTING 21TH JULY 2025
₹299/- ONLY
White Bowl, Hotel Allnear Rishabh Complex MG Rd. Raipur, Mob.: 9171500051,9171500052

पटेल बोरवेल्स
मोटर बाइंडिंग किया जाता है
Kirloskar TEXMO C.R.I. PUMPS
रिंग रोड नं. -1 संतोषी नगर चौक, बोरिया रोड रायपुर (छ.ग.)
9200003357 ★ 7999898750

पैसा चाहिए ? हमारे पास आइए
न्यूनतम कागजी कार्यवाही
5 हजार से 5 लाख तक बिजनेस लोन
(केवल बिजनेस लोन) एजेंट आमंत्रित
आज लोन लीजिए 100 किश्तों में पटाइये
मोटवानी फायनेंस 93404-44755
गली नं. 03, सिंधी कॉलोनी, तेलीबांधा, रायपुर

मैट्रेस (गद्दा) 30% से 50% लेस | पुराना गद्दा लाये, नया ले जाये
चादरे 9x9 400 से 1000 तक | कम्बल रजाई कम्फर्ट दोहड़ | सोफा कमबेड प्रोटेक्टर | सोफा कव्हर रूई गद्दा | टावेल तकिया | रजाई-गद्दा कव्हर
संजय रुई भंडार | निराकांरी फर्नीचर के पीछे, कांच घर गोडाऊन के पास, पंडरी रायपुर
9827976266, 7987918262

BIG BULL
ई- रिक्शा & ई-लोडर
1.5 टन लोडिंग क्षमता
5 बैटरी - 150KM की रेंज
• स्टाइलिश लुक्स-कलर
• अत्याधुनिक सस्पेंशन-शॉकअप
• ब्लूटूथ साउंड सिस्टम के साथ
• बैक कैमरा के साथ • ज्यादा स्पेस, ज्यादा सुविधा
• बैंक फाइनेंस (तत्काल फाइनेंस) • कम से कम डाउन पेमेंट • R.T.O. द्वारा सब्सिडी
डीलर : शुभ मार्केटिंग भनपुरी, रायपुर (छ.ग.)
+91 98266 95200, 72240 03520
महिंद्रा शोरूम के बाजू में, भनपुरी चौक, रायपुर (छ.ग.)

सिंघम ई-रिक्शा एवं ई-कार्ट
शिवनारायण गुप्ता (शिव भोले)
24 घंटे गाड़ी उपलब्ध
93002 42718 97547 16618
श्री द्वारिका बोरवेल्स
सबमर्सिबल पम्प के विक्रेता एवं भूजल सर्वेक्षण
5"6"7" बोर करवाने हेतु संपर्क करें
रिंग रोड नं.1, कुशालपुर चौक, भारत ट्रेडर्स के पास, रायपुर (छ.ग.)
नोट : प्लॉट एवं मकान खरीदने बेचने के लिए संपर्क करें

जय श्री कृष्णा
अंकित बाउण्ड्रीवॉल
प्रिकास्ट, ब्रिक्स बाउण्ड्रीवाल, डी.पी. सी पोल फेसिंग करवाने हेतु संपर्क करें ।
V.I.P. रोड रायपुर
98279-59655
प्रीकास्ट चैनलिंक जाली पोल फेंसिंग
अब आपके बेशकीमती प्लाट को सुरक्षित रखना हुआ आसान

आपके विज्ञापन के लिये जगह उपलब्ध है।
संपर्क करें
मो. 6263818152, 7067183593

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

ओटीटी पर रिलीज होने वाली है 2430 करोड़ कमाने वाली हॉलीवुड फिल्म

अमेरिकन सुपरनेचुरल हॉरर फिल्म फाइनल डेस्टिनेशनःब्लड लाइन ने थिएटर में सभी को खूब डराया है। अगर आप ये फिल्म थिएटर में देखने से छूट गए हैं, तो अब आप फिल्म को ओटीटी पर भी देख पाएंगे। ये फिल्म जल्द ही ओटीटी पर रिलीज होने जा रही है।

हॉलीवुड में जब भी किसी सुपरनेचुरल फिल्म की बात होती है तो फैंस को फाइनल डेस्टिनेशन फ्रेंचाइजी का खौफ याद आ जाता है। ये फिल्म फ्रेंचाइजी, हॉलीवुड की सबसे बड़ी और फेमस फ्रेंचाइजी में से एक है। इस फ्रेंचाइजी की छठी किस्त इस साल मई में रिलीज हुई थी। फिल्म ने धमाकेदार कलेक्शन किया था और फैंस ने भी भी फिल्म को खूब प्यार दिया था। फिर भी कई लोग ऐसे थे जो इस फिल्म को थिएटर में देखने से चूक गए थे। अगर आप भी उन लोगों में से एक थे जो फिल्म को थिएटर में नहीं देख पाए थे, तो अब आपके पास खास मौका है। फिल्म की ओटीटी रिलीज डेट ऐलान हो गया है और जल्द ही ये फिल्म ओटीटी पर रिलीज की जाएगी। जैक लिपि विस्की और एडम स्टीन के डायरेक्शन में बनी फिल्म फाइनल डेस्टिनेशन ब्लडलाइन्स 1 अगस्त से एचबीओ मैक्स पर देखी जा सकेगी। एचबीओ मैक्स के एक्स हैंडल फिल्म का एक पोस्टर शेयर किया गया, जहां इस बात की जानकारी दी गई है। पिंकविला की एक रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म एचबीओ लाइनर पर भी डेब्यू करेगी। ये फिल्म 2 अगस्त से लाइनर पर स्ट्रीम करेगी। फिल्म के बाकी के 5 पार्ट भी यहां देखे जा सकते हैं। आपको बता दें कि फाइनल डेस्टिनेशन का सबसे पहला पार्ट साल 2000 में आया था। इसके बाद साल 2003 , 2006 , 2009 और साल 2011 में इसके आगे के भाग आए थे।

टॉलीवुड

गर्लफ्रेंड के साथ और वक्त बिताना चाहते हैं विजय, इशारा था रश्मिका की ओर !

एक्टर विजय देवरकोंडा, जिनके बारे में रश्मिका मंदाना के साथ डेटिंग की अफवाह है, उन्होंने हाल ही में कहा है कि जीवन में आगे बढ़ने के साथ उन्हें एहसास हुआ है कि वह अपनी गर्लफ्रेंड के साथ पर्याप्त समय नहीं बिता रहे हैं और वह इसे बदलने पर काम कर रहे हैं। बातचीत के दौरान, विजय ने अपनी निजी जिंदगी के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि काश वह अपनी गर्लफ्रेंड के साथ ज्यादा समय बिता पाते।

विजय देवरकोंडा ने कहा, 'रिश्ते हर चीज से ऊपर होते हैं। पिछले दो सालों में मैं बड़ा हो रहा हूं। मैंने जिंदगी जीना भी सीख लिया है। इससे पहले, मैं ऐसा नहीं था। पिछले दो-तीन सालों से मुझे अपनी जिंदगी पसंद नहीं आ रही थी। मैंने अपनी मां, पिताजी, गर्लफ्रेंड और दोस्तों के साथ पर्याप्त समय नहीं बिताया।' उन्होंने आगे कहा, 'अचानक, एक दिन मुझे एहसास हुआ। मैं ऐसा एहसास नहीं चाहता था। अब।।। मैं अपने लोगों के लिए समय निकालने की कोशिश करता हूं। मैं अपने दोस्तों के लिए, अपने मां-बाप के लिए, अपने रिश्तों के लिए समय निकालता हूं।' पिछले साल, कर्ली टेल्स को दिए एक इंटरव्यू में, एक्टर ने खुलासा किया था कि वह सिंगल नहीं हैं। विजय से पूछा गया कि क्या बिना शर्त वाला प्यार अब भी मौजूद है, तो उन्होंने जवाब दिया, 'मुझे पता है कि प्यार पाना क्या होता है और मुझे पता है कि प्यार करना क्या होता है। मुझे नहीं पता कि यह बिना शर्त वाला है या नहीं, क्योंकि मेरा प्यार उम्मीदों के साथ आता है। मुझे ऐसे किसी प्यार के बारे में नहीं पता जो ऐसे आता हो।।। हो सकता है हो, शायद मैं इसके बारे में नहीं जानता। आखिरकार, प्यार पाना अच्छी बात है। बाकी सब कुछ हद तक रोमांटिक हो गया है।

भोजपुरी

स्विमिंग पूल के किनारे मोनालिसा को ग्लैमरस पोज पर फैंस भी हार बैठे दिल

भोजपुरी सिनेमा की पॉपुलर एक्ट्रेस मोनालिसा एक से बढ़कर एक त स्‍ वी रें इंस्टाग्राम पर शेयर करती रहती हैं। फैंस भी उनकी तस्वीरों को खूब पसंद करते हैं और उनके हर पोस्ट को वायरल भी करते हैं। इस बार मोनालिसा ने स्विमिंग पूल से तस्वीरें शेयर की हैं।

भोजपुरी सिनेमा की जानी-मानी एक्ट्रेस मोनालिसा को हिंदी दर्शक भी जानते हैं क्योंकि उन्होंने हिंदी फिल्मों में भी काम किया है। वहीं मोनालिसा ने साउथ सिनेमा की भी कुछ फिल्मों में काम किया है। मोनालिसा को घर-घर में पहचाना जाता है क्योंकि वो टीवी सीरियल भी करती हैं जिन्हें लोग पसंद करते हैं। इस बार मोनालिसा ने कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं जिन तस्वीरों को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं।

मोनालिसा ने जो तस्वीरें शेयर की हैं वो स्विमिंग पूल के किनारे की हैं, जिनमें वो काफी ग्लैमरस अंदाज में नजर आई हैं। ये तस्वीरें किसी रिजॉर्ट या होटल की हैं जहां वो इन दिनों एन्जॉय कर रही हैं और उनके साथ उनके हसबैंड विक्रांत सिंह राजपूत भी हैं। पिछली कुछ तस्वीरों के जरिए मोनालिसा इसकी जानकारी दी कि वो क्वालिटी टाइम अपने हसबैंड के साथ बिता रही हैं। अब लेटेस्ट तस्वीरों में उन्होंने क्या कहा, आइए बताते हैं।मोनालिसा की लेटेस्ट तस्वीरों पर फैंस क्या बोलें? इंस्टाग्राम पर तीन तस्वीरें शेयर करते हुए मोनालिसा ने कैप्शन में लिखा, 'मेरे सपने मेरी सच्चाई बनेंगे।' तस्वीरों में मोनालिसा ने अलग-अलग पोज दिए हैं।

लाइफ स्टाइल

चटख रंगों की बोली

> मौजूदा दौर के डिजाइनर पारंपरिक तरीकों को अपने आधुनिक संग्रहों में शामिल कर रहे हैं। इनमें प्राकृतिक रंगों का उपयोग करके प्राचीन रंगाई तकनीकों को पुनर्जीवित किया जा रहा है। वहीं पर्यावरण की फिक्र भी इनमें नजर आ रही है, खास तौर पर रिसाइकिल कपड़ों ने इसे और बढ़ावा दिया है। आज के डिज़ाइनर न केवल सांस्कृतिक तकनीकों का संरक्षण कर रहे हैं बल्कि यह भी साबित कर रहे हैं कि पारंपरिक शिल्प कौशल का फ़ैशन के भविष्य में एक महत्वपूर्ण स्थान है।

सिंपल और सोबर लुक के लिए बेस्ट हैं स्लीव्स कुर्तियां, देखें लेटेस्ट डिजाइन

अगर आप सिंपल और सोबर लुक चाहती हैं, तो आप इस तरह की 3/4 स्लीव्स वाली कुर्ती पहन सकती हैं। इस कुर्ती में जहां आपका लुक सुंदर नजर आएगा, वहीं आप कंफर्टेबल भी महसूस करेंगी। हर महिला खूबसूरत दिखना चाहती है। इसी वजह से वो अक्सर बेहतरीन डिजाइन वाले आउटफिट का चुनाव करती हैं। लेकिन, अगर आप सिंपल और सोबर लुक चाहती हैं, तो आप कुर्ती स्टाइल कर सकती हैं। कुर्ती में जहां आपका लुक सुंदर नजर आता है, वहीं आप कंफर्टेबल भी रहती हैं। यह आपको कई सारे डिजाइन ऑप्शन्स के साथ मिल सकती है, पर अगर आप अपने लुक को न्यू टच देना चाहती हैं, तो आप 3/4 स्लीव्स वाली कुर्ती स्टाइल कर सकती हैं। यह कुर्ती सिंपल और सोबर लुक पाने के लिए बेहतरीन है और इस तरह की कुर्ती आपको कई सारे डिजाइन ऑप्शन्स के साथ मिल सकती है। हम आपको कुछ लेटेस्ट 3/4 स्लीव्स कुर्तियां दिखा रहे हैं। इस तरह की कुर्ती आप फैमिली पार्टी या ऑफिस जाने के दौरान पहन सकती हैं, और इनमें आपका लुक बेहद सुंदर नजर आएगा।

फ्लोरल प्रिंट कुर्ती

अगर आपको फ्लोरल प्रिंट वाले आउटफिट्स पसंद हैं, तो आप इस तरह की फ्लोरल प्रिंट वाली थ्रेड वर्क कुर्ती का चुनाव कर सकती हैं। इस तरह की कुर्ती में आपका लुक अच्छा लगेगा और इसमें आपको कई सारे डिजाइन ऑप्शन मिल जाएंगे। यह कुर्ती आप जींस या चूड़ीदार पायजामा के साथ पहन सकती हैं। मार्केट में आपको ये कुर्ती लगभग 500 से 600 रुपये में मिल सकती हैं। इस कुर्ती के साथ आप झुमके पहन सकती हैं। जो आपके लुक को स्टाइलिश लुक देना का काम करेगी।

प्रिंटेड कुर्ती

अगर आप किसी फैमिली फंक्शन में शामिल हो रही हैं, तो आप इस तरह की प्रिंटेड कुर्ती पहन सकती हैं। इस कुर्ती में प्रिंट करके सुंदर डिजाइन बनाया गया है और इस कुर्ती में आपका लुक बेहद ही अलग और सुंदर नजर आएगा। इस कुर्ती को आप पैंट स्टाइल सलवार के साथ भी पहन सकती हैं।

चंदन पाउडर के साथ इसे मिलाकर बनाइए अपने चेहरे को खूबसूरत

चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए और स्किन प्रॉब्लम से बचने के लिए अगर आप भी कई घरेलू उपाय आजमाती है, तो यह खबर आपके लिए खास हो सकती है। आज हम आपको ब्यूटी एक्सपर्ट की मदद से एक ऐसे घरेलू उपाय के बारे में बताएंगे, जिसे आजमाकर आप अपने चेहरे की खूबसूरती को बढ़ा सकती हैं।

चेहरे के लिए चंदन पाउडर

ब्यूटी एक्सपर्ट वर्षा के मुताबिक अगर आप भी अपने चेहरे पर होने वाले पिंपल्स और दाग धब्बे की वजह से परेशान रहती है, तो अब आप चंदन पाउडर का इस्तेमाल कर अपने चेहरे पर ग्लो ला सकती हैं और स्किन प्रॉब्लम को कम कर सकती है। चंदन पाउडर से पेस्ट तैयार करने के लिए आपको कुछ चीजों की जरूरत लगेगी।

चंदन पाउडर से पेस्ट तैयार

अब आप घर पर चंदन पाउडर का इस्तेमाल कर चेहरे के लिए खास पेस्ट तैयार कर सकती हैं। इस पेस्ट को बनाने के लिए सबसे पहले आप एक कंटेनर में चंदन पाउडर निकाल ले। अब इसमें गुलाब जल और विटामिन ई कैप्सूल शामिल कर दें। इस पेस्ट को अच्छी तरह मिक्स कर ले और थोड़ी देर के लिए रख दें। अब आपका चंदन पाउडर पेस्ट बनाकर तैयार है। आप इसे चेहरे पर लगाने से पहले अपने चेहरे को

साफ पानी से धो ले, उसके बाद ही इसका इस्तेमाल करें।
आपको इस पेस्ट को चेहरे पर कम से कम 30 मिनट तक लगाकर रखना है। इसके बाद आप चेहरे की हल्के हाथों से मसाज कर सकती हैं। ध्यान रहे आपको ज्यादा जोर से स्किन रगड़ना नहीं है। आप इस चंदन पाउडर पेस्ट का एक हफ्ते में दो बार इस्तेमाल कर सकती हैं, लेकिन इस पेस्ट को चेहरे पर लगाने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें। अगर आपको किसी तरह की कोई परेशानी होती है, तो डर्मेटोलॉजिस्ट या एक्सपर्ट की राय जरुर ले। चेहरे पर किसी भी चीज को लगाने से पहले पैच टेस्ट करें। साथ ही, एक्सपर्ट सलाह जरूर लें।

ट्रेडिशनल से मॉडर्न तक कंगन के लेटेस्ट डिजाइन

अगर आप अपने आउटफिट को न्यू लुक देना चाहती हैं, तो आप इस आर्टिकल में बताए गए कंगन स्टाइल कर सकती हैं। ये आपके लुक को न्यू और स्टाइलिश टच देंगे। कंगन जहां आपके लुक को कंप्लीट करने का काम करते हैं, वहीं इन्हें स्टाइल करने के बाद आपका लुक भी स्टाइलिश नजर आता है। फैशन के बदलते ट्रेंड में कंगन के डिजाइंस में बड़ा बदलाव आया है जो ट्रेडिशनल से मॉडर्न लुक पाने के लिए बेस्ट। वहीं, अगर आप अपने आउटफिट को स्टाइलिश टच देना चाहती हैं, तो आप इस आर्टिकल में दिखाए गए कंगन स्टाइल कर सकती हैं।

स्टोन वर्क कंगन

अगर आप डार्क कलर की साड़ी स्टाइल कर रही हैं, तो आप इस तरह के स्टोन वर्क कंगन पहन सकती हैं। ये कंगन डार्क कलर के आउटफिट के साथ परफेक्ट मैच करेंगे। ये कंगन आपको कई सारे डिजाइन ऑप्शन्स के साथ मिल जाएंगे और आप

इन्हें लगभग 400 से 600 रुपये की कीमत में खरीदकर स्टाइल कर सकती हैं।

मल्टी कलर स्टोन वर्क कंगन

अपने आउटफिट के हिसाब से आप इस तरह के मल्टी कलर स्टोन वर्क कंगन का भी चुनाव कर सकती हैं। ये मल्टीकलर स्टोन वर्क कंगन न्यू लुक पाने के लिए बेस्ट हैं और इन कंगन को आप सूट के साथ स्टाइलिश लुक पाने के लिए पहन सकती हैं। ट्रेडिशनल लुक को न्यू टच देने के लिए आप इस तरह का गोल्ड प्लेटेड कंगन स्टाइल कर सकती हैं।

ओपन पोर्स के लिए करें ये 2 काम, कम खर्च में मिल सकती है राहत

अगर आप भी चेहरे पर हो रहे ओपन कोर्स की वजह से परेशान रहती है तो आज हम आपको ऐसी दो चीजों के बारे में बताएंगे, जिसका इस्तेमाल कर आप इन ओपन पोर्स को कम कर सकती हैं।
चेहरे पर होने वाली छोटी-छोटी समस्या की वजह से अधिकतर महिलाएं परेशान होने लगते हैं और वह बाजार के महंगे प्रोडक्ट का इस्तेमाल भी करती हैं। ऐसे में अगर आप भी चेहरे पर हो रहे ओपन कोर्स की वजह से परेशान रहती है और उन्हें कम करने के लिए घरेलू नुस्खे ढूंढ रही है, तो यह खबर आपके लिए खास हो सकती है। आज हम आपको ऐसी दो चीजों के बारे में बताएंगे, जिसका इस्तेमाल कर आप इन ओपन पोर्स को कम कर सकती हैं।

ओपन पोर्स को कम करने का घरेलू उपाय

ब्यूटी एक्सपर्ट वर्षा के मुताबिक अगर चेहरे पर छोटी सी फुंसी भी हो जाएं, तो महिलाएं परेशान होने लगती हैं. ऐसे में अगर आप भी चेहरे पर हो रहे ओपन पोर्स की वजह से परेशान हैं, तो अब आप घर पर रहकर

अब आप घर पर रहकर कच्चा दूध और विटामिन ई कैप्सूल दोनों का इस्तेमाल कर इन्हें कम कर सकती हैं। आईए जानते हैं इसके इस्तेमाल के बारे में।
कच्चा दूध और विटामिन ई कैप्सूल का इस्तेमाल
ओपन पोर्स चेहरे की खूबसूरती को कम कर सकते हैं। ऐसे में इन्हें कम करने के लिए इस कच्चा दूध वाला उपाय आजमा सकती हैं।
कच्चा दूध और विटामिन ई कैप्सूल दोनों ही चेहरे की खूबसूरती के लिए बहुत जरूरी माने गए हैं। कच्चे दूध और विटामिन ई कैप्सूल को इस्तेमाल करने के लिए आप एक कटोरी में थोड़ा कच्चा दूध निकाल लें।

कार्नर न्यूज

सिंपल और सस्ती ड्रेस को बनाइए लग्जरी

आप चाहें तो साधारण कपड़ों को भी दे सकते हैं रॉयल लुक, अपनाना होगा खास तरीका

महंगे और ब्रांडेड कपड़ों को पहनने से ही एक्सपेंसिव लुक नहीं पाया जा सकता है। अगर आपके पास सिंपल और सस्ती ड्रेस हैं तो भी उनको लग्जरी बना सकते हैं। खासकर, रॉयल लुक पाने की इच्छा रखने वाले लड़कों के लिए ये टिप्स काम आ सकते हैं। किसी अमीर आदमी को देखने के बाद कई बार हम सोचते भी हैं कि क्या उनकी तरह हम ड्रेस नहीं पहन सकते? मैं आपको बता दूं उन्होंने भले ही उसके बहुत पैसे खर्च किए होंगे लेकिन आप कम खर्च करके की भी वैसा लुक पा सकते हैं। क्योंकि स्टाइल सीक्रेट्स या फैशन रूल्स फॉलो करने से कोई भी ऐसा दिख सकता है।

अट्रैक्टिव दिखना है जरूरी

सिंपल कपड़ों को पहनने में कोई बुराई नहीं। हमें कभी भी ड्रेस को लेकर किसी के साथ तुलना नहीं करनी चाहिए। हां, लेकिन अट्रैक्टिव दिखने के मामले में किसी से पीछे नहीं रहना चाहिए। किसी भी ड्रेस और स्टाइल को अट्रैक्टिव बनाया

जा सकता है। जिससे एक अलग ही रुतबा देखने को मिलता है।

कलर मैचिंग का जादू

रंगों का जादू हर किसी पर चलता है। सोचिए, अगर रंग न होते ये जीवन बस कोरा रहता। रंग किसी भी चीज को सुंदर बना देते हैं। इसलिए लुक को दमदार बनाना है तो कलर मैजिक वाली बात समझ लें। तब जाकर आपका रंग जमेगा और रंग चढ़ेगा। पहली बात- अगर आपको एकदम रॉयल लुक चाहिए तो नीचे से लेकर ऊपर तक दो या तीन कलर कॉम्बिनेशन वाली ड्रेस व एसेसरीज पहनें। इससे अधिक कलर पहनने पर फंकी दिखेंगे। यह एक अलग स्टाइल हो गया।

शर्ट, कोट, ब्लेजर के बटन

शर्ट, कोट, ब्लेजर खरीदते वक्त फैब्रिक, कॉलर, कफ स्टाइल, फिटिंग के साथ बटन पर ध्यान दें। क्योंकि बटन लुक पर

असर डालते हैं। अगर शर्ट के बटन पुराने हैं तो इम्प्रेसिव नहीं होंगे। कई बार नई शर्ट के साथ भी यह फॉर्मूला ट्राई करें। अगर बटन पुराने हो गए हैं तो उनको भी बदल दें।

टाई पहनें

एक्सपेंसिव लुक के लिए लोगों को टाई पहननी चाहिए। क्योंकि इससे अलग ही इंप्रेशन पड़ता है। इसलिए ओकेजन के हिसाब से जहां जरूरी हो टाई पहनें। लेकिन उसको सही तरीके से बांधे और हां शर्ट के हिसाब से चूज करें। क्योंकि मैचिंग बहुत मायने रखती है। टाई पहननी है इसलिए कुछ भी टांग लेने से बात नहीं

कोट / ब्लेजर/ जैकेट पहनें

एक्सपेंसिव या रॉयल लुक चाहिए तो कोट / ब्लेजर/ जैकेट खरीद लें। आपको पता ही है कि कोट और ब्लेजर पहनने वालों पर अधिकतर लोगों की नजर पड़ती है। भीड़ में भी ये लोग अलग ही दिखाई पड़ते हैं। इसलिए अपनी वार्डरोब में कम से कम एक से दो ऐसी ड्रेस रखें। इनको मौसम और ओकेजन के हिसाब से पहनकर जाएं।

पैंट की फिटिंग

बॉटम वियर में पैंट का रोल बहुत बड़ा होता है। इसलिए केवल टॉप वियर पर ही ध्यान न दें। पैंट की फिटिंग और फैब्रिक के साथ भी आपको ऐसे ही बातों का ध्यान रखना होगा। अगर कुछ हटकर दिखना है तो परफेक्ट फिटिंग वाली पैंट ही पहनें।